

PUBLISHED BY AUTHORITY

लं 5]

नई **दिल्ली, त्रनिवार** जनवरी 29, 1983 (माघ 9, 1904)

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 29, 1983 (MAGHA 9, 1904)

इस भाग में भिम्ल पुष्ठ संख्या दी जाती है जिसके कि यह अन्तृ ग्रंकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be illust a separate compilation)

474 []]__**446** 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक्ष और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा अधोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा ग्रायोग

नई विल्ली-110011, दिनाक 27 दिसम्बर 1982

स॰ ए॰ 32014/2/82-प्रशा॰-II ---सचिव, सघ लाक सेवा भायोग एतद्दारा सघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय मे रथायी श्रनुसधान महायक (श्र० एव मा० तथा स्थानापन्न श्रन-सधान प्रन्वेषक श्री ग्रार० डी० क्षत्रिय को श्रीमती राजकुमारी मानन्द, कनिष्ठ भ्रन्सधान श्रधिकारी (भ्र० एव सा०) के प्रवकाण पर होने के कारण उनके स्थान पर 13-12-1982 को तदर्थ प्राधार पर तथा 14-14-1982 से ग्रागामी ग्रादेशो तक नियमित भ्राधार पर भ्रायोग के कार्यालय मे कनिष्ठ अनुसधान अधिकारी (अ० एव मां०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते है।

> य० रा० गाधी. श्रवर मचिव (प्रशा०), कृते मचित्र

नई दिल्ली-110011, दिनाव 16 दिसम्बर 1982

स० ए० 32014/3/80-प्रशा० II---इम कार्यालय की समसङ्यक ग्रधिसूचना दिनाक 18-9-82 के श्रन्कम भे 1-436GI/82

मचिव, सघ लोक भवा भ्रायोग एतदुद्वारा निम्नलिखित अधि-कारियो को 1-12-1982 से 28-2-1983 तक तीन मास की प्रयार अर्वाध के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहने हो, अधीक्षक (त० म०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप स कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :--

- 1 श्रीएम०एम०णर्मा
- 2 श्री जगदीश लाल
- 3 श्रीमती डी० ज० नानवानी
- । श्रीमती राज सेठी
- 🤊 क्रुमारी सुदर्शन हाडा
- 6 श्री ग्रार० श्रार० भारद्वाज
- 7 श्री श्रो० पी० मुद
- 8 श्री जे० ने० चक्रवर्ती
- ५ श्रीमती एस० सरदाना
- 2 उपयम्न व्यक्ति नोट कर ले कि ग्रधीक्षक (न० सं०) के पद पर उनकी तटर्थ नियंक्ति से उनको उपर्य्कत ग्रेड मे यरिष्टना सथवा नियमित विलयन का स्वत हक नही मिलेगा।

भ्राई० मी० कम्बोज भ्रनभाग भ्रधिकारी कुते सचिव

839)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 नथम्बर 1982

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों/वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा निम्नलिखित तारीख से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, श्रस्थायी श्रोर तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे०से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्थ नियुक्त किया जाता है —

| कंभ ः नाम सं० | प्रवधि | ग्र भ्यु न्ति |
|------------------------|---------------------------|--|
| सर्वश्री | | |
| 1. म्रो० पी० देवरा | ा 161182 से 15283 तक | श्री जोगिन्द्र सिं ह की नि० स० के प द पर पदोन्नति हो जाने पर उनके स्थान पर । |
| 2. एच० सी० कटोच | 51 1 8 2 से 4 2 8 2 तक | दीर्घकाली न ग्रवधि रिक्तियों के एक स्थान पर। |
| 3. टी० भ्रार० सर्मा | वही | वही - |
| 4. शाम प्रकाश | 2-11-82 में 1-2-83 तक | श्री म्रार० एल० ठा कुर की नि० स० के प द पर पदोक्षति हो जाने पर उनके स्थान पर । |
| 5. एच० ग्रो० मदान | 6-11-82 में 5-2-83 तक | श्री बी० बी० छिब्बर के नि० स० के पद पर पदोन्नति हो जाने पर उनके स्थान पर । |

2. उपर्युक्त व्यक्ति श्रवगत करलें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ आधार पर है श्रोर इससे इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का श्रथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

 उपर्युक्त नियुक्तियां कार्मिक भीर प्रशासनिक सुधार विभाग के श्रनुसोदन से है।

> य० रा० गांधी, ग्रवर सचिव (प्रशा०),

कार्यालय : निदंशक लेखापर क्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनाक 12 जनवरी 1983

सं श्रशासन—I/कार्यालय आदेश 502—श्रीमान निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्वामी अनुभाग अधिकारियों को उनके श्रागे दर्शाई गई तारीख से अगले आदेश तक 840-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

| कंम नाम सं० | तारीख |
|---|---|
| श्री हरी चन्द प्रोवर श्री शुंबर प्रसाद | 1-1-1983 (पूर्वाह्न) 3-1-1983 (पूर्वाह्न) |
| g | ए० एस० मोहिन्द्रा संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०), |

महालेखाकार कार्यालय I, कर्नाटका वैमलीर, विनांक 10 मवम्बर 1982

कार्यालय प्रादेश

सं० ६० एस०-I/ए-4/82-83/850--महालेखाकार ने स्थायी मनुभाग प्रधिकारी श्री बी० बी० ग्रनन्तरामु को केवल अस्वाई लेखा प्रधिकारी के रूप में उनके वरिष्टों के बिना प्रतिकृत प्रभाव डाले उनके कार्यभार ग्रहण करने के बिद्यांक से प्रोक्षत किए हैं।

हस्साक्षरित वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

पृह मंत्रालय
महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० घो० दो० 1429/78—स्थापना—श्री एस० पी० जीवास्तव, उप-पुलिस घाधीक्षक, के० रि० पु० बल (जोिक इस समय डायरेक्टोरेट झाफ प्रिकेंन्टीव आपरेशन कस्टम एवम् केन्द्रीय एक्साइज विस्त मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर है) के ऊपर लिखे विमाग में कम्यूनिकेशन श्राफिसर के पद पर 24-3-1982 से स्थायी विलयन होने के फलस्वरूप के० रि० पु० बल की नफरी से निकाल दिए हैं।

विनांक 5 जनवरी 1983

संब घोव दोव 809/71—स्थापना—राष्ट्रपति ने डाव डीव मोहापाला, जनरल डयूटी धाफिसर ग्रेड—II (डीव एसव पीव कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप विनांक 21 विसम्बर 1982 पूर्वाह्म से ध्रागामी ध्रावेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जनरल डयूटी ध्राफिसर ग्रेड—I (सहायक कमांडेंट) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं भो दो ० - 81/77-स्थापना--लेपटी ० कर्नल थाई ० जी ० माथुर ने अपनी पुनः नियुक्ति की अविधि समाप्त होने के फलस्वरूप केन्द्रीय रिकर्ष पुलिस बल में कमांडेंट केन्द्रीय वर्फशाप , रामपुर का कार्यभार दिनांक 14-12-1982 (भपराह्म) को छोड़ दिया। सं ० एफ 2/22/82-स्था ० (के ० रि० पु० बल)--राष्ट्रपति जी निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाडेंट के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:--

- 1 श्री एन० एन० मिश्रा
- 2. श्री एच० ग्रार०चौधरी
- 3. श्री जमबीर सिह
- 4 श्रीपी० एस० संधु
- 5. श्री डी० जे० एस० हिस्लों

दिनाक 6 जनवरी 1983

सं० एफ० दो/ग्यारह/81-स्थापना (के० रि० पु० बल०)--राष्ट्रपति, सर्वश्री ए० एन० विपाठी एकम् सी० एम० वक्शी को के० रि० पु० बल मे उप-पुलिस प्रधीक्षक के पद पर दिनांक 19-3-1981 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० एफ० दो/सोलह/81-स्थापना (के० रि० पु० बल०)---राष्ट्रपति, श्री डी० के० सूरी को के० रि० पु० बल में कमांडेंट के पद पर दिनाक 20-3-1981 से स्थाई रूप से निमुक्त करते हैं।

सं० ग्रो० दो० 1759/82-स्थापना--महा निदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विनय कुमार को 19 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमे जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा मधिकारी के पद पर तदर्थ एप में नियुक्त किया है।

दिनाक 7 जनवरी 1983

सं० ग्रो० दो० 1773/83-स्थापना---राष्ट्रपति डाक्टर सुरेश चन्द्र को ग्रस्थायी रूप से भागामी भादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० बी० ग्रो० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 28 दिसम्बर 1982 पूर्वाह्न से ठीक पाए जाने की गर्त पर, नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थान्समा)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ल:-110022, दिनांक 1 जनवरी 1983

स० 11/37/80-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सरकार के ग्रिधकारी श्री एम० टी० ग्रनसपुर को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय मे तारीख 21 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्म में एक वर्ष से ग्रनधिक अविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ ग्राधार पर सहायक निदेशक (तकनीकी) जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते है।

2 श्री अतसपूर का मुख्यालय नासिक में होगा।

म० 1.1/5.3/8.0—प्रणा० 1—-राष्ट्रपति, तमिलनाडू संबर्ग के भारतीय प्रणासनिक सेवा के सेवा निवृत्त प्रधिकारी ग्रौर

तिमलनाडु सरकार के भूतपूर्व उप सिचव (जनगणना) भीर तिमलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के पदेन संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य श्री टी० वी० श्रीनिवासन को उक्त कार्यालय में दिनांक 1 दिसम्बर, 1982 से एक वर्ष से धनधिक प्रविध के लिए या जब तक पद नियमित भाधार पर भरा जाए, जो भी ध्रविध पहले हो, पुनिनयोजन भीर तदर्थ ग्राधार पर संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री टी० बी० श्रीनिवासन की सेवाओं को उक्त पुनिनयोजन की श्रविध के दौरान नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए, समाप्त किया जा सकना है।

श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय मद्रास में होगा।
 नई दिल्ली—110011, दिनांक 3 जनवरी, 1983

सं० 11/41/79-प्रणा०-І--राष्ट्रपति, भारतीय प्रणा-सिनक सेवा की राजस्थान संवर्ग की प्रधिकारी और राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्रीमती मीनाक्षी हूजा को तारीख 16 नवम्बर, 1982 के श्रपराह्म से राजस्थान, जयपुर सरकार की प्रत्यावित्त करते हैं।

सं० 10/25/82—प्रणा०—I——राष्ट्रपित, ग्रुप कैप्टन बी० बी० ग्रदलखा (5731) को नई दिल्ली में भारत के महा-पंजीकार के कार्यालय में तारीख 21 ग्रगस्त, 1980 में पाच वर्ष की ग्रनिधक ग्रविध के लिए या ग्रगले ग्रादेशों तक जो भी ग्रविध पहले हो, प्रतिनियक्ति पर, स्थानान्तरण द्वारा निदेशक (इसैंबेट्रिक डाटा प्रासंसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ग्रुप कॅंप्टन ग्रदलखा का मुख्यालय नर्ष दिल्ली मे होगा।

दिनाक 5 जनवरी 1983

सं० 11/15/80-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, भारतीय प्रणा-सिनिक सेवा के कर्णाटक संवर्ग के श्रिधकारी श्रीर कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्यालय में प्रतिनियुवित के श्राधार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एस० बी० कट्टी को नारीख 25 नयस्वर, 1982 के श्रपराह्म से कर्णाटक सरकार की प्रत्याक्षीतन करते हैं।

> पी० पद्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

महालेखाकार का कार्यालय (प्रथम) ग्राध प्रदेश हैदराबाद-500476, दिनांक 4 जनवरी 1983

संज प्रणाज I/8/32/82-83/359—श्री पीज बीज श्रारज सुन्नमण्यम, लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय श्रान्ध्र प्रदेश—I का देहान्त दिनाक 28-11-1982 को हो गया है।

सं० प्रणा० 1/8/32/82-83/359—श्री ए० एन० एम० सहराबदी, कल्याण श्रीधकारी, महालेखाकार प्रथम का कार्यालय

मांध्र प्रदेश 30-11-1982 भ्रपराह्न सेवा से निवृत्त हुए **हैं।**

> बी० मेसन वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय दक्षिण मध्य रेलवे

सिकंदराबाद, दिनांक । जनवरी 1983

सं॰ ए० यू०/प्रशा०/12/590 वोल्यूम 1—लेखा परीक्षा निवेशक, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद ने श्री ए० बात सुत्रमणियन, स्थानी अनुभाग श्रिधकारी को 18-11-1982 से अनले श्रादेशों तक स्था० लेखापरीक्षा श्रिधकारी, वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के रूप मे पदोन्नति प्रवान की हैं।

टी० एस० राममु<mark>ब्रम</mark>णियन उपनिदेशक, लेखापरीक्षा

रक्षा मंत्रालय

भारतीय ग्रार्डनैस फैक्टरी सवा ग्रार्डनैस फैक्टरी बार्ड

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर, 1982

सं० 57/जी०/82—नार्धक्य निवृत्ति सासु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० जी० रानाडे, स्थानापन्न महाप्रत्रत्यक्ष (राजकणन ग्रेड) स्तर-1, दिनाक 31 अगस्त, 1982 शपराह्म स मेया निवृत्त हुए।

दिनांक 1 जनवरी 1983

सं० 1/जी०/83—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) श्री जी० श्रार० नरसिम्हान एडीशनल डी० जी० श्रो० एफ०/सदस्य. विनांक 31 दिसम्बर, 1982/श्रपराह्म में संवा निवृत्त हुए ।

सं० 2/जी०/83—वाधैक्य निवृत्ति भ्रायु (58 वर्ष) प्राप्तकर श्री जं ० एन० रामागेषन एडीशनल डी० जी० भ्रो० एफ०/सदस्य, दिनांक 31 दिसम्बर,1982/भ्रपराह्म से सेवा क्षेत्रता, निवृत्त हुए। वी० के० मेहता, निवेशक

वाणिज्य मंस्रालय

मुँख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1982 श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

स० 6/1161/76-प्रशासन "राज"/7900- राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश (सिविल) न्यायिक सेवा के प्रधिकारी भौर मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में विधि सलाहकार, श्री एम० पी० सिंह को उसी कार्यालय में उसी क्षमता में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से 15-11-1981 से 30-11-1982 तक की श्रौर श्रवधि के लिए काम करते रहने की श्रनुमति देते हैं।

दिनांक 5 जनवरी 1983

सं० 6/533/58-प्रणासन (राज०)/43--केन्द्रीय सचि-वालय सेवा के प्रवरण वर्ग के ग्रिधिकारी श्री ए० रामचन्द्रन ने, ग्रुपनी सेवा निवृत्ति की तारीख 31-12-1981 से एक वर्ष की सेवा-समय में वृद्धि को पूर्ण करने के पश्चात् इस कार्यालय मे निर्यात श्रायुक्त के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्हें 31 दिसम्बर, 1982 के श्रपराह्म से सेवा निवृत्त होने के लिए श्रनुमति प्रदान की जाती है।

> मणि नारायणस्<mark>वामी</mark> मुख्य नियंत्रक, <mark>श्रायात-निर्यात</mark>

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

सं० 6/1339/80—प्रशा० (राज)/27—सेवा निवर्तन की श्रायु होने पर, श्रायास-निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन के निम्निखित ग्रिधिकारियों को उनके सामने प्रश्लेणन निथि के दांपहर में सरकारी सेवा में निवृत्त होने की श्रनुमित दी गई है :

| कं० प्रधिकारी का नाम एवं पद सं० | | उस कार्यालय का नाम जिसमे वे कार्यरत ये | सेवा निवर्तन की तिथि |
|--|----------------------|--|-------------------------|
| 1. कुमारी श्राई० एच० मल्कानी | नियत्नक | सं० मु० नि० ग्ना० नि० का कार्यालय, बस्बर्ध | 31-5-1982 |
| 2. श्री वी० जी०भोगवेकर, . | , नियत्रक | —वही— अम्बई | 31-8-1982 |
| श्री एस० गोविंदराजन, . | , नियंवक | ,, ,, मद्रास | 30-9-1982 |
| 4. श्रीए०के०घोष . | नियंत् यक | ं ,, ,, कलकत्ता | 31-8-1982 |
| श्री एस॰ जी॰ पोटनीस, | नियवक | ,, <u>जम्ब</u> ई | 31-1-1981 |
| 6. श्रीपी० बी० नायर | . नियंत्रक | ,, ,, बंगल ी र | 31-10-1982 |

बी० के० मेहता

उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात (बस्द विभाग)

हयकरघा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 27 दिसम्बर 1982

सं० ए० 12025 (1)/3/82~प्रमासन II (क)—-राष्ट्रपति, स्थकरचा विकास भ्रायुक्त के कार्यालय के ग्रंतर्गत बुनकर सेवा केन्द्र में सहायक निदेशक ग्रंड ! (प्रोमेसिंग) श्री एच० एस० राठौड़ का त्यागपत्र 14 ग्रगमन 1982 के ग्रंपराह्न से स्वीकार करते हैं।

विनय <mark>सा</mark> ग्रयर विकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

उद्योग मन्नालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास म्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 3 जनवरी 1983

सं० ए० 19018/93/73-प्रशासन (राज०)—इलैक्ट्रा-निकी विभाग में वैज्ञानिक/इजीनियर, ग्रेड "एस ई०" के रूप में नियुक्ति होने पर श्री ए० एन० सहाय ने विकास श्रीयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में श्रपने निदेशक (ग्रेड II) (इलैक्ट्रोनिकी) के पद का कार्यभार 7 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से छोड़ दिया।

दिनाक 5 जनवरी 1983

सं० ए.०-19018 (642)/82-प्रशा० (राज०)--विकास आयुक्त, लघु उद्योग मक्षा सम्यान, हैदराबाद के लघु उद्योग संवर्धन ग्रधिकारी (यांत्रिकी) श्री के० गुज्जईया को उसी संस्थान में दिनाक 3 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से, श्रगले आदेशों तक, तदर्थ श्राधार पर, सहायक निदेणक, ग्रेड-2 (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करने हैं।

सी० सी० राष्य उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रणासन अन्भाग ए-1)

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1983

मं० ए-1/1(1156)-्राष्ट्रपति, पूर्ति निदेशक (बस्त्र), बस्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (मुकद्दम) (ग्रेड-I) श्री टी० बी० पोटे की तदथ आजार पर नियुक्ति दिनांक 15-10-82 के बाद 6 पास की आर अर्वात्र के लिए ग्रयंवा नियमित ग्रिधिकारी के उपलब्ध हा जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की ग्रमुम्मित श्रीन करन है।

दिनाक 10 जनवरी 1983

स॰ प्र॰=1/1(1202)/82--नहानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मदास में पत्तन निरीक्षक श्री बी॰ डालपकान की दिनांक

- 24-12-1982 के पूर्वाह्म ये और श्रागामी आदेश दिए जाने तक पूर्ति निदेशक (बस्त्र), बस्वर्द के कार्यालय में पूर्णत: तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापश्र रूप में नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री वी० डोरायकानन का सहायक निदेशक (ग्रंड][-) के रूप में तदर्थ नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा श्रौर नदर्थ श्राधार पर की गई सेवा ग्रंड में वरीयता श्रौर पदोन्नति व स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जाएगी।
- 3. श्री वी० डोरायकानन ने पूर्ति तथा निपटाम निदेशालय, मद्रास से दिनाक 15-12-1982 (ग्रपराह्म) से पत्तन निरीक्षक का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 24-12-1982 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र), श्रुबस्बई के कार्यालय से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार संभाल लिया।

एस० बालासुन्नमणियम उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनाक 5 जनवरी 1983

म० ए०-6/247 (475)—राष्ट्रपति, उप निदेशक निरीक्षण, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, कानपुर के कार्यालय मे सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री बी० बी० हजेला को दिनांक 16 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म मे तदर्थ आधार पर भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुपण, वस्त्र शाखा के उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) ग्रेड-3 के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री हजेला ने दिनांक 16-12-1982 के पूर्वाह्न से सहायक निरीक्षण श्रिधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर दिनाक 16-12-1982 के पूर्वाह्न से निरीक्षण ग्रिधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पान भ्रौर खान मन्नालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरा

नागपूर, दिनाक । जनवरी 1983

म० ए० 19011(314)/82-स्था० ए०--संघ लोक मेवा थ्रायोग की सिकारिण पर गष्ट्रपति श्री सरबेश्वर सिह, सहायक खनन भूबिजानी का दिनाक 23 धक्तूबर 1982 के पूर्वीह्म में भारतीय खान ब्यूरा में स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ खनन भविज्ञानी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनाक 5 जनवरी 1983

म० ए० 19011(7)/82-स्था० ए०---निवर्तन की श्रायु पूर्ण करके सेवानिवृत्त होने पर श्री डी० एम० सेन, खान नियद्यक की 30 नवम्बर 1982 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यारों से कार्यभार से मुनन कर दिया है श्रीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

सं० ए०-19011 (246)/82-स्था० ए०-संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एस० एम० शेंड़े, सहायक ग्रयस्क प्रशासन ग्रधिकारी को दिनांक 20 नवस्वर, 1982 के पूर्वीह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उप ग्रयस्क प्रशाधन ग्रधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011(312)/82-स्था० ए०--संघ लोक सेवा प्रायोग को सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एम० एस० राव, सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (श्रयस्क प्रशाधन) को दिनांक 19 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से भारताय खान ब्यूरो मे सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> व० च० मिश्र कार्यालय, श्रष्ट्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

श्राकाशवार्णः महानिदेशासय

ेनई दल्ली, दिनांक 6 अनवरी, 1983

सं० 3/6/81-एस०-III (भाग-III)--निम्नलिखित वरिष्ठ इंजानियरों सहायकों ने प्रपर्न: पदोन्नति होने के परिणाम-स्वरूप उनके सामने द। गई तारीखों से श्राकाशवाणः/दूरदर्शन के विभिन्न कार्यालयों में ग्रस्थाई क्षमता में सहायक इंजानियरों के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

| ऋं० सं० | नाम | तैनात) का केन्द्र | कार्यभार संभालने की ताराख |
|------------|-------------------------|---------------------------------------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | सर्वश्रा | | |
| 1. | एस० एन० घोष | दूरदर्शन रिले केन्द्र, श्रगरतला | 10-12-82 |
| 2. | डो० के० कपूर | उच्च शक्ति प्रषित, खामपुर, दिल्ली | 13-12-82 |
| 3. | श्चार० सुक्राहमनियम | स्राकाशवाणी इम्फोल | 18-11-82 (ग्रपगह्न) |
| 4. | एम० के० गु प् ता | म्राकाशवाणा, कोहिमा | 29-11-82 |
| 5. | म्रार० एस० फ्रांसिम | म्राकाणवाणः, तिरुचिरापस्ला | 13-12-82 |
| 6. | श्रार० के० कान्डा | दूरदर्शन केन्द्र, जालंधर | 30-11-82 |
| 7. | कमलेश रे | उपग्रह दूरवर्शन केन्द्र, नई दिल्ला | 29-11-82 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-------------|---|---|---------------------|
| | सर्वेश्रीः | | |
| 8 | . मी०पो० गहल- | प्रा काशवाण ^५ , | 1-12-82 |
| | वाला | गोरखपुर | |
| 9. | . श्रामतो एन० मंडल | ग्राकाणंत, | 8-12-82 |
| | | कलकत्ता | |
| 10 | . बी० एल० | दूरदर्शन केन्द्र, | 30-11-82 |
| | ग्रम्बारवर | श्रानगर् | |
| | . जी० आर० इफन्डा | | 1-12-82 |
| | . जी० एन० मिश्रा | तथैव | 3-12-82 |
| | . चानन सिंह | अ। दाशवाणीः, शिमला | 6-12-82 |
| | . ग्रार० के० वर्मा | आकाणव णी, भोपाल | 29-11-82 |
| 15. | . वी० आर० | मूख्य इंजीनियर, | 27-12-82 |
| | रामाचन्द्रन | (दक्षिणी क्षेत्र) | |
| | ۸ ১ <u>_</u> _ـــــــــــــــــــــــــــــــــــ | आशासवाणी, मद्रा स | |
| 16. | . डी०एन० जे या र्नः | आकामञाणी, | 6-12-82 |
| | | हैं दराबाद | |
| 17. | ए० डब्ल्यू ० | श्चाकाशवाणीः, पानःजी | 1-12-82 |
| | कोटिनोह | | (ग्रवराह्न) |
| | बा०टा० मिकया | श्राकाशवाणेत, श्रझ।वल वर्णाकोच्या स्टब्स | 26-11-82 |
| | पो० रघुनाथन | दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास श्राकाशवाण≀, इम्फाल | 1-12-82 15-11-82 |
| | टी० सुकुमारत ग्रार० श्रानिवासन | आकाशवाजा, इम्काल मुख्य इंजानियर | 18-10-82 |
| 41. | आर्ण आग्निपात्तन | - पुर्वी क्षेत्र) | 10-10-02 |
| | | ्राकाभवाणः, कलकत्ताः | |
| 22 | श्रार० के० कपा∽ | आकाशवाणं , छत्तरपुर | 27-11-82 |
| # #· | डि या | _ | |
| 23. | ए० एक्स० थामस | दूरदर्शन रिले केन्द्र, | 30-11-82 |
| | | भुवनेश्वर | |
| 24. | एम० एस० चटवाल | | 29-11-82 |
| | r | जलंधर | |
| 25. | ग्राई० बं¦० भटटा- | = ' | 26-11-82 |
| | चार्या | जयपुर सर्वे स्टब्स्स | 2011-92 |
| 26. | ए,स०पा० मटाई | श्रापताश्रवाणाः, साम्भलपर | 30-11-82 |
| 0.7 | एन० एच० सा० | दूरदर्शन केन्द्र, | 30-11-82 |
| 41. | राव | मुजफ्करपर | 00 11 02 |
| 28 | াতে দূলত সুবাগা আতি দূলত সুবাগা | र्जेडियो काइम∤र | 29-11-82 |
| 2 0. | -11. | ज म ्म | |
| 29. | एम ः एसः खट ार | . ्त दै च~⊢ | 29-11-82 |
| | ग्रार० मा० बावा | शा राणवाण', लखनअ | |
| | डा० बो० राव | म्रा गांगवाणी, | 29-11-82 |
| | | अहमदाबाद | (ग्रपराह्न) |
| 32. | सी० के० सिकदर | श्राक्षा शवाण ः, व लव त्ताः | 29-11-82 |
| 33. | र्वा० सुरेन्द्रभन | ग्रनुसंधान एव विकास | 25-11-82 |
| | | ए हक, नई दिल्ल। | |
| | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|-----------------------------------|---|-------------------------|
| 34. | जी० रामदास | अनुसंधान एवं विकास एकक, नई दिल्ली | 25-11-82 |
| 35. | एच० ग्रार० खंडुजा | तदैव | 29-11-82 |
| 36. | वाई० वी० राधधहया | प्राकाशवाणी, कटक | 25-11-82 |
| 37. | भार ० पा र्था सारयी | दूरदर्शन केन्द्र, गुलबरगा | 1-12-82 |
| 38. | एस० पो० चावला | प्रोक (भवाणो, जोघपुर | 24-11-82 (ग्रपराह्न) |
| 39. | के० एल० मजिठिया | मु ख् य इंजीनियर (पूर्वी क्षेत्र) | 29-10-82 |
| | | श्राकाशवाणो, कलकता | |
| 40. | श्रविनाश कुमार | ⊸्तद ैव⊸⊶ | 30-10-82 |
| 41. | एम० सो० लहकर | तदैय - | 11 10-82 |
| 42. | ए० करमारकर | त दै य | 27-9-82 |
| 43 | जे० एन० हैं डिक | त दैव | 29-10-82 |
| 44. | कें० रविकुमार | दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास | 22-11-82 |
| 45. | स्रो० थमिलमर्नाः | श्राक⊺शवार्णः, दिबरूगर | 22-11-82 |
| 46. | मनमोहन शर्मा | श्राकाणवाण≀ जोधपुर | 18-11-82 (अपराह्न) |
| 47. | बलदेव कुमार | उच्च शक्ति प्रेषितः, ग्राकाशवाणाः खामपुर, दिल्ली | 22-12-82 |
| | ए० के० सहा | दूरदर्शन केन्द्र कलकत्ता | 27-11-82 |
| 49. | बी० ग्रार० तलवाड | दूरदर्शन केन्द्र लखनक | 25-11-82 |
| | एस० एन० क गोल री | मुख्य इंजीनियर (पूर्वी क्षेत्र) स्राकासकाणा कलकत्ता | 29-11-82 |
| | पी० एन० सहा | - -तवैव - | 29-11-82 |
| | आर० सेथूरमन | दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास | 17-11-82 |
| 53. | सी० ए० एम० डी० नी० फरनाडिम | आकाशवाणीः जलगांव | 31-12-82 |
| 54. | अयाज अहमद | रेडियो साशमीर, श्रानगर | 9-12-82 |

वाई वर्मा प्रशासन उपनिदेशक **कृतें** सहानिदेशक

फिल्म प्रभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 जनवरी, 1983

सं० ए० 20012/20/71-प्रशासन---मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग श्रा नरेन्द्र सिंह कालेका, स्थाया सहायक अनुरक्षण अभियंता, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को अनुरक्षण अभियंता के पद पर 18 दिसम्बर, 1982 से तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> डी० एन० पाण्डे सहायक प्रशासनिक ग्रधिकारी कृतें मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

सं० ए० 19020/2/81-प्रशासन-1-स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने 24 जून, 1982 से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के श्रंतर्गत दन्त सर्जन, डा० एन० के० वर्मा की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।

दिनांक 5 जनवरी 1983

सं० ए० 19019/25/80-प्रशासन-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एन० के० रायसिधानी को 22 जुलाई, 1982 (प्रपराह्न) से 11 प्रक्तूबर, 1980 (प्रपराह्न) तक डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में दन्त शस्य चिकित्सक के पद पर पूर्णसया तक्ष्यं भ्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

2. सरकारी सेवा से त्याग पत्न देने पर डा॰ रायरियानी ने 11 श्रव्यूबर, 1982 (श्रपराह्न) से डा॰ राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई दिल्ली से दन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> टी० सी० जैन उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 4 जनवरी 1983

सं० ए० 19012/5/82-एस० टी०-स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री ग्रार० एल० डाफु को 24 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी ग्रादेशों तक गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर डिपो, करनाल में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर लेखा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

> रमेश **चन्द्र** उपनिदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई विल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० ए० 12023/18/80-एन० ग्राई० सी० डी०/प्रशासन1/पी० एच० (सी० डी० एल०) भाग-2--राष्ट्रपति ने श्री
विनोद कुमार रैना को 24 नवस्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से
ग्रागामी भादेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में
उप सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर शस्थायी श्राधार
पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/18/80-एन० श्राई० सी० डी०/प्रशा०-1/पी० एन० (सी० डी० एन०) भाग-2--राष्ट्रपति ने श्री शिव कुमार को 30 प्रक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग सस्थान, दिल्ली मे उप- . सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर श्रस्थाई शाधार पर नियुक्त किया है।

एन० **बी०** लाल उप निदेशक प्रशासन (पी० ए**प०**)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय भ्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 1 जनवरी 1983

संवडीवपीव एसव/2/1(3)/82-प्रणाव/3-स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक श्रीर स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी-II को राजस्थान परमाणु विद्युत्त परियोजना में स्थानांतरण हो जाने पर उसी क्षमता में 2 नवम्बर, 1982 (श्रपराह्न) में श्रगले श्रादेशों तक के लिए क्रय श्रीर भंडार निदेणालय में नियुक्त किया गया है।

दिनाक 5 जनवरी 1983

मं० डी० पी० एस०/2/15/80-स्थापना/449-परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्रीमनी एस० तिरुवेकटम् को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-12-1982 (पूर्वाह्म) में ग्रगले ग्रादेशों तक के लिए इसी निदेशालय में ग्रम्थायी रूप से सहायक भंडार ग्रिधेकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ प्रणासन मधिकारी

भ्रंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलीर-560009, दिनाक 17 दिसम्बर 1982

मं० 9/146/82-सि० इं० प्र० (मु०)—मुख्य इंजीनियर, सिनिल इंजीनियरी प्रभाग, ग्रंनिरक्ष विभाग, विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र के भण्डार महायक "बी" श्री के० के० गोपाल इंज्यान नायर को ग्रंतरिक्ष विभाग के मिनिल इंजीनियरी प्रमाग में महायक भंडार श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक दिसम्बर, 17, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी ग्रादेश तक नियुक्त करने हैं।

विनांक 20 दिसम्बर 1982

सं० 9/147/82-सि० ६० प्र० (मु०)--मुख्य इंजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रमाग, अंतरिक्ष विभाग, शार केंद्र, श्री- हरिकोटा के भंण्डार सहायक "बी" श्री के० चन्द्रमेखरन नायर को ग्रंतरिक्ष विभाग के लिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक भन्डार श्रीधकारी के पद पर स्थानायल रूप में दिनांक विसम्बर

15, 1982 के पूर्वाह्न से भ्रागामी स्रादेश तक नियुक्त करतें है।

> एल० राजगोपास प्रशासन ग्रधिकारी--II कृते सुख्य इंजीनियर

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-560058, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

म० 20/3(061) ए० डी० 82——निदेशक, इसरी उपन्नह् केन्द्र निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के साममे दिए गए पदों तथा तारीखो के पूर्वाह्म से भंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलौर मे पूर्णतः ग्रस्थायी तथा भनन्तिम भाधार पर ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

| क्र म० स० | नाम | पद | ता रीच |
|---------------------|---------------------|--|--|
| 1 · | 2 | 3 | 4 |
| सर्व | iश्री | | ······································ |
| 1. वि भा | ज्योरी लाल ह | वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी ०'' | 22-11-82 |
| | '० एच० ोनिवास | वैज्ञानिक/इं जी नियर ''एस० बी ०'' | 24-11 -82 |
| 3. Ų | प्त० शरद | वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०'' | 30-11 -82 |
| 4. वी | ० रामा राव | वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी ०'' | 30-11-82 |
| 5 आ | नन्तराम यू०टी० | त्रैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०'' | 4-12-82 |
| 6 के | ० कार्तिकेयन | वैज्ञानिक्त/ इंजी नियर ''एस० बी ०'' | 6-12-82 |
| 7 ψ | सं०वीश्याजी | वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०'' | 4-12-82 |
| | '० ग्रार० मकुमार | वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी'०'' | 13-12-82 |

एस० सुन्नामण्यम् प्रशासन मधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1982

मं० ए० 32014/3/81-ई० ए०—महानिवेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र प्रधिकारियों

| नियुक्ति जारी रखने की स्वीकृति | प्रदान का हः—— | क्र० नाम | दिनांक |
|--|----------------|---|------------|
| क० नाम | <u> </u> | स ० | |
| rio | | सर्वश <u>्री</u> | |
| सर्वश्री | | 44. एम० सी० भट्टाचार्याजी | 31-1-1983 |
| 1. के० सी० विषदास | 18-9-1981 | 45. जे ० डी ० मलिक | 1) |
| 2. वी॰ वी० धियाकर | 18-9-1981 | 46. श्रार० एल० मजुमक्षार | n |
| 3. एस० एल० वि ग् वाभ | 18-9-1981 | 47. पी० के० बेनर्जी | n |
| 4. सी० वी० यदनायक | 18-9-1981 | 48. एभ० डी० भौमिक | 11 |
| 5. ए०मी०दास | 18-9-1981 | 49. एम० के० वर्द्धन | 11 |
| इन्द्रजीत सिंह | 18-9-1981 | 50. ए स० डी ० दुगगल | 17 |
| 7. जी ० बी० भि ह | 18-9-1981 | 51. श्रर्जुन सिह | " |
| 8 जें०पीं०ब्'पूर | 18-9-1981 | 52. जी० ग्रार ० वैं स | ,, |
| 9. पी० एम० धनराज | 18-9-1981 | 53. ए च० बी० राय | ,, |
| 10. एम०एका० सवत | 18-9-1981 | 54. पी० सी० दोरायरा ज | 11 |
| 11. एन० सी० एडबोर | 18-9-1981 | 55. एच०ए भ० हालधर | <i>"</i> |
| 12. ए० सी० जसवाल | 18-9-1981 | 5 <i>6.</i> सी० एल ० डी ० कुन्हा | 11 |
| 13. डी० के० जैन | 18-9-1981 | 57. टी० सी० गुरनानी | ,,, |
| (4. एस० ए० ङुष्णन्न | 18-9-1981 | 58. के० भ्रो० चांध | 71 |
| 15. वाई ० पी० माहानी | 18-9-1981 | 59. एन० सम्बर्शिव राव | " |
| 16. जे० सी ० करनानिया | 18-9-1981 | 60. यू०पी० राव | " |
| 17. एम० एस० मलिक | 18-9-1981 | 61. एम० के० कुरीन | " |
| । । ८. मी०वी० रायसिंघानी | 18-9-1981 | 62. एन० के० जैसवानी | 11 |
| (9. गुरमुख भिह I | 22-1-1982 | 63. एम० भ्रार० चानम | " |
| 20. भ्रार० सम्पत | 28-1-1982 | 64. बी० के० व ाडेर कर | 11 |
| 21. गुरमुख सिह II | 28-1-1982 | 65. श्रार० के० सेन गुप्ता | " |
| 22. एन० वी० सत्यमूर्ति | 30-9-1981 | 66. एम ० के० लोखन्डे | 11 |
| 23. एस० मनियन | 31-12-1980 | 67. ए० के० मजुमधार | ") |
| 24. श्यामल सेन गुप्ता | 31-1-1983 | 68. सी० भ्रार० चक्रवर्ती | " |
| 25. बी० बी० दाम | 31-1-1983 | 69. ग्रार ०एन० द सा | n |
| 26. एन० के० जीं० राय | | 70. घ्रार० के० शर्मा | " |
| 27. एम० एन० सरकार | " | 71. वी० के० मजुमदार |); |
| 28. जे०नी० एम० राय | " | 72. के० के० मजुमधार | " |
| 9. एस० के० सेन गुप्ता | | 73. रतन कुमार | 11 |
| io. एस०पी० रिखी | " | 74. म्रार० रंगाराजन |) ; |
| ा. पी० एस० जयसवाल | 71 | 75. ग्रो०पी० मलहोत्रा | " |
| i2. वी०पी० सैनी | 1) | 76. श्रोंकार सिंह | " |
| 3. ग्रमर चन्ध | 13 | 77. एम० गोरे | " |
| 34. प्रार० डी० बाजपेयी | n | 78. ए० के० भूष्पर | " |
| 5. जी० बी० पुरोहित | 1) | 79. एस० के० देसवाल | ,, |
| ऽ. जा॰ जा॰ उ.⊓हा 6. बी० कुमार | " | 80. के० जी० शर्मा | 11 |
| | " | 81. ए० सी० श्रीवास्तव | " |
| भाबू नन्दन एस० के० देवमान्डल | 11 | 82. पी० ग्रार० पटवर्धन | |
| ८. एस० क० दवमान्डल 9. एन० ग्रार० चौधरी | 1) | 83. के० डी० उथैया | " |
| एन० भ्रार० चाधरा भ्रार० बाई० पांल | n | 84. के ० बी० रघुवंगी | |
| | " | 85. कुलदीप सिंह | 11 |
| हरबंस लाल | 71 | ८६. एम ् चन्द्रशेख र | " |
| 2. ब्रिलोक सिह 3. सी० वी० कालगिरी | 7.7 | 87. जे० शिवराज | " |

| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | |
|---------------------------------------|-----------|
| 2 | 3 |
| 88. एस० एन० चॉ४ | 31-1-1983 |
| 89 एल० राजेन्द्रन | 1 7 |
| 90. श्राई० एस० ढोलकिया | ** |
| 91. एस० डब्ल्यू० मोहन राय | 1.1 |
| 92. प्रविश विश्वास | 17 |
| 93 ज० <i>स्टैनिस (स</i> | 11 |
| 94. एम० श्रो० कुरेशी | 15 |
| 95. ऋरि० एच० श्रय्यर | ,, |
| 96. वी० रंगानाथन | * # |
| 97 एच०एन० विचाल | 1.1 |
| 98. भ्रार० के० कपूर | 11 |
| 99. ऋार० मृत्रु रोडा | 11 |
| 100. ए० श्रार० मित्रा | 1) |
| 101. जी० मी० मरकार | " |
| 102. श्रार० ग्रार० सक्सेना | ,,, |
| 103 के०एस०हजारे | 1) |
| | |

स्रोम प्रकाश जैन, सहायक निदेशक प्रशासन क्रने महानिदेशक नागर विमानन

महानिद्देशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1983

स. ए. 32014/4/81-इं. सी.—महानिदंशक नागर विमानन ने निकालिया संचार सहायकों को, जा इस समय सहायक संचार अधिकारी के रूप मो तदर्थ आधार पर कार्यरत ही, उनके नाम के सामने दी गई तारीयों से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड मां नियमित आधार पर निययत किया है और उन्हों प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टोशन पर तैनात किया है :—

क्रम मं०, नाम तैतावी स्टेशन तथा नियमित नि । वित की तार्राख

- श्रीर एस० के०, वै, सं, स्टेशन, ालक्ता ৪-2-1982 पूर्वीहन चटर्जी
- 2. श्रीआर० टी० ना० वि० प्रशिक्षण 3-5-198**2 प्**र्वाहन सिंह केन्द्र इलाहाबाद

प्रेम चन्द सहायङ निद्देशक प्रशासन कृते सहानिद्देशक नागर विभानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

सं० ए० 32013/1/82-ई० 1---राष्ट्रपित ने श्री बी० एस्० प्रबला, उपनिदेशक उपस्कर को दिनाक 17 दिसम्बर, 1982 (प्राराह्म) में प्रत्य आदेश होने तक निदेशक (प्रशिक्षण ग्रीर ग्रनुज्ञापन) के पद पार स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> श्रोम प्रकाश जैन, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० ए० 120226/1/82-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्तिलिखित वायु-सेना अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई नियुक्ति पर और दी गई तारीख से दो वर्ष की श्रविध के लिए प्रतिनियुक्ति पर नागर विमानन विभाग में नियक्त किया है:—

| | दिनांक |
|---|-------------|
| ा. स्क्वा० लीडर के० भ्रार० पात्रा, | 2-12-82 से |
| पायलट | |
| 2. स्क्वा० लीडर जे० सिंह, | 22-11-82 से |
| पायलट | |
| 3. स्क्वा० लीडर एन० के० सिन्धी, | 14-12-82 मे |
| सन्न-पायलट | |
| स्फ्या० लीडर बी० के० एडविन, | 22-11-82 से |
| सह-पायलट | |
| 5. स्क्वा० ली डर टी० के० मिश्रा, | 23-11-82 मे |
| सह—पायलट | |

जे० सी० गर्ग, सहायक निवेशक प्रणासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

सं० 1/462/82-स्था०--विदेश मंचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री मुरेश कुमार सक्मेना को 2 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म मे श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में सहायक श्रिभयंता नियुक्त करते हैं।

सं । 1/483/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा वम्बर्ट शाखा के पर्यवेक्षक श्री डी० ए० थाली को 10 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न में श्रागामी श्रादेशों तक कलकता शाखा में स्थानापन्न रूप में उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

मं० 1/483/82—स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एनद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक श्री छड़ा को 10 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> पा० कि० गोविन्द नायर, निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय प्रान्ध्र प्रदेश कस्पनी प्रधिनियम 1956 दी ग्राध्रा ल्यूथर्न काफरन्स के विषय मे

हैदराबाद, दिनाक 27 दिसम्बर 1982 मं० 385/टी० ए० III/560—कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख़ से तीन माह के श्रवसान पर दी श्राधा ल्यूथर्न कानफरन्स का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 दि सिरकारस् काफी डिबलपमेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनाक 27 दिसम्बर 1982

सं 1230/टी० ए० III/560—-कम्पनी श्रिधिनयम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन माह के भ्रवसान पर दि सिरकारम् काफी डिवलपमेट कम्पनी प्रार्टवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उन्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ग्रार० बी० मेढी, कम्पनियो का रजिस्ट्रार, ग्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी ग्रीधनियम 1956 ग्रीर भट्टाचार्य राय प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1983

स० 10542/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुभरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माम के अवसर पर भट्टांचार्य राय प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर दि० पि० एक्सपोर्टम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1983

सं० 30423/560(3)—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुमरण में एतद्हारा यह पूजना दी जाती कि इस तारीख में तीन माम के स्रवसर परटी जी एक्स पोर्टम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यन न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और साम एवसपोर्टस प्राईवेट लिसिटेप्ट के विषय में । कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1983

स० 31182/560(3)—-कम्पती श्रिधितियम, 1956 की धारा 560 की उपवारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचा दी जाती है कि इस तारीख से तीन मान के श्रवसर पर भाम एक्सपोर्ट्स प्राइतेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और क्वालिटी होटलस् प्राइवेट निमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाफ 4 जनवरी 1983

मं० 29399/560(3) -- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूना दी जाती है कि इस नारीख में तीत मास के अवसर पर क्वानिटी होटनम् प्रास्वेट लिमिटेड का नाग इसके प्रतिकल कार्ग दींगत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कन्पनी अविनियम, 1956 ग्रीर विन्दिपुर किटारस् मोलाइटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनाक 4 जनवरी 1983

मं० 25742/560(3)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती कि इस तारीख में तीन मास के अवसर पर वन्दीपुर किटारम् सोमाइटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्यत न किया गया नो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

कस्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर लोकनाथ ट्रेडि० कं० श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाक 4 जनवरी 1983

म० 23433/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुभरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माम के अवसर पर लोकनाथ टेडि० के० प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत व किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उस्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और इंडन्या कस मेसिनस प्राइबेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1983

सं० 27029/560(3) → कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख ने तीन मास के अवसर पर इण्डिया कस में सिनस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर रंजीत प्राइनेट लिमिटेड के विषय में।

कलकला, दिनांक 4 जनवरी 1983

सं० 12322/560(3)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्बारा यह सूचना दी जाती कि इस नारीख से तीन माम के अवसर पर रंजीन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृप कारण दिणन न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटिन कर दी जाएगी।

एस० म्रार० वी० वी० मत्यनारायण, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर कोलबम कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, विनांक 4 जनवरी 1983

सं०/एल०/25332-एच०/डी१०/1997-कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की घारा 445 की उपधारा 2 के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रादरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 9 मार्च, 1981 के श्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का श्रादेश दिया है श्रौर राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

> ह० भ्रपठनीय, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, कलकना

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 ग्रौर "एम० जी० गिरामनी टरानक्षपोरटम श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पाडिचेरी, दिनाक 22 दिसम्बर, 1983

सं० 57/560(3)— कम्पनी अधितियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख़ में तं ने मान के श्रवसान पर 'एम० जी० गिरामनी टरानभपोटम प्राइवेट लिमिटेड' का नाम इसके प्रतिकृत कारण धींशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

वी० कोटेश्वर राव, कम्पनियो का रजिस्ट्रार, पा**डिचेरी** ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर भैसर्स मध्य भारत ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 4 जनवरी 1983

मण 465/सीण गीण/3691—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) क श्रनुभरण म एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि गैण मध्य भारत ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिभिटेड का नाम श्राज रस्जिटर में काट दिया गया है श्रीर उका कम्पनी विषटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वानियर

शुद्धि पत्र

लिस्ट विलेख न० दिनौंक भ्रौर ऐ०पी न० अन्तरक का नाम नं० रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी

30 167 दिनाँक 4/82 3683 मोगा

श्री मुकन्द लाल पुत्न श्री लालचन्द वगैरा के स्थान पर मुकन्द लाल पुत्न लालचन्द, गान्ति देवी पत्नी गोप ल शस, खरैती लाल पुत्न कीर पत्नी लारिंग, राम माया देवी वार्स। बस्ती अलीपुर मोगः

प्रश्रम क्ष्य ही ।स्य ग्रन

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) का धारा २69-स (1) की अधान मचना

भाग्न सरकार

कार्यापय, नटापा अस्परा अस्परा (सिरोक्षण)

अर्जन रज पटना

पदमा पर । भीता भीता ।

निवेश 40 III 532/ जिल्लामुख्य ६३ अर मुझे प्रबोध क्रसः दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ि इसम इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है।, जि भाग 269 व के अधीन सक्षा परिकार। का, यह र कास प्रस्ते वा कारण है कि यावर सम्यक्ति, जिसका उचित तानार मृत्य 25,000/- रह से अधिक ही

श्रीर (जसका सुरु पार्ट श्राफ पाट सुरु 970 जात सहा 417 तीर्जा कथा 5174 है तथा जो महल्ला सनपुरा प्रमन कुर्तार याम पारतिपुद्ध जिल्ला पटला साध्यत है (श्रीर रक्षा उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पण रूप से विणित्त) तन्हां हो। र र लालिय पटना म पिर्स्ट -राण आविन्यस १९०४ (१९०८ (१६) व स्थान दिना 1(-1-1984

का प्रांक्ति स्पारत के हिना नागर मन्य से तस के द्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान गिलान से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक है और अतरक (अतरकां) और अतरिणे (अन्तरिणें) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मनिसित उद्देष्य भे उक्त सन्तरण लिखित मा नास्तिक रूप से किथा ने विश्वास्त स्थानिक रूप से किया गया है ---

- (क) अल्लरण स हुई किसी आय की नाभत उदन उपि-नियम के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मा न्द्री राष्ट्रीय चार्मा के स्वीयत्व मा और भी
- (स) एकी किसी आम मा किसी धन या अन्य श्राम्तियों कां., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कत कब, उस्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के क्यीन निम्नलिखित अधिनियमों, क्यांब्रि—

- (1) श्रंमित रमझरं कुलर जोजे-स्व० राग ध्रमुप भिनः (2) श्रामात मोनझर बुद्धर जाजे--श्र नागं नारायण सिन्हा (3) श्रीमित मानवलं कुश्चर नाजे श्रा रागायन निहं भभा वर्त-मान निनास महल्ला कुर्जी (श्रीद्योगिक प्रतिष्ठान क उन उत्तरक) यना द्या जिला पटना (श्रान्यक)
- (2) अ डा०। यो एच्याग ४०० डा० एम० वाई० ।च्याग निहर्सा ३६ पॉटलिया रालोनी पटना १३।

का यह सूचना जारी करके पूर्वायत राम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्धं में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन नहें तारी के से 45 दिन के भीर र उक्त स्थावर सपित्त में हित-बद्ध किसा अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण —— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिकम के अध्याय 20-क में परिभाषिय हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मंदिया गया है।

मन्सूची

जमान मय कच्चा मठान जिसका रक्ष्या 9 डिसमल है तथा जो महल्ला मतपुरा प्रगता फुलवारा थाना पाटलिपुता जिला पटना में स्थित है एव पूर्ण रूप से वसिका सख्या 3391 दिनाद 14-4-82 में विणित है तथा जो जिला अवर निबधक पदाधिकारा पटना के द्वारा पजाञ्चत है।

> प्रकोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेज पटना

दिना ह: 9-12-2982

सकर हूं या शन सक --- --

प्रायकश् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ∠69 के (1) के लागीन मूर्या

भ रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्यन रेज पटना

पटना दिनाक 9 दिसम्बर 1982 निदेश स० III 629/ग्रर्जन/82---83---ग्रतः

प्रवोध कुमार दूबे
आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उद्धतः अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसका स० हो० सख्या 1397 (पुराना) 1694 (नया) वार्ड सख्या 9 है तथा जो महल्ला —गोवालबीघा (बा० एस० श्रार० टे१० स१० बस स्टैन्ड के नजदीक) पोस्ट/ जिला गया में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूच। में (श्रौर पूर्ण घर से वर्णित है) रिजअट्रावर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधी दिनाक 13-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण स हुइ किसी बाद की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में भृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उसन अधिनियम, ता धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया ता का जिल्हा जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग', निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्राः सुसमात चफवर्ती निवासः मानीव सरकार चौक कोनवालः पोस्ट जिला भागलपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रा मदन प्रसाद प्रापराइटर श्रा शवर स्टील इडस्ट्राज निवासी सर्भरतिकया पा०वा० स० 50 पोस्ट जिला गया ।

(श्रंतरित⊦)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना क राजपश मा पकाशन को तारांख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन मया पक्का मकान जिसका रक्वा 3 क्ट्रा 14 घुर है तथा जो महल्ला गेवालबीघा थाना सिविल लाइन जिला गया में स्थित है एव पूर्ण रूप से विसका सख्या 3166 दिनाक 13-4-1962 में विणित है तथा जो रजिस्ट्रार ग्राफ एस्पोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पजीकृत है ।

> प्रबोध कुमार दूबे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजेन रेज पटना

दिनाक:, 9-12-1982

मोहरः

प्रकृष काई टी. एन एस. -----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नास २०५० । ति अधार सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज पटना पटना दिनाक 9 दिसम्बर 1983

निदेण सं० III 630/श्रर्जन/82---83---श्रत मुझे प्रबोध कुमार दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा में अधिक है

श्रीर जिसका संख्या हो॰ संख्या 1307 (पुराना) 1694 (नया) गेवालबीघा (बा॰ एस॰ श्रार॰ टा॰ पं:० सं।० बस स्टैन्ड के नजदीक) पोस्ट जिला गया में स्थित है (श्रीर इम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजर्स्नान कर्ता श्रिषकार। के कार्यालय में रिजर्द्रीकरण श्रिष्टिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक 13-4-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, सिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, सिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, सिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिन विकास स्था से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्धरक के शोकरण में अधी कारमाण उल्लास बचने माँ मिनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिक्रें, अर्थात् :--

- (1) श्राः ईरेश कुमार चक्रवर्ती द्वारा गढ्वाल ट्रास्पोर्ट ित्रासः मृजर्जी मार्ग ऋषिकेण उत्तर प्रदेश। (ध्रन्तरक)
- (2) श्रः मदन प्रसाद प्रोपणाइटर "श्र मांकर स्टेल इडस्ट्राज" निवासी समार तिवया पी० सा० सं० 50 पोस्ट/जिला गया

(ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांक्र बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा ते 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 3 कट्टा 15 घुर है तथा जो महल्ला गैवालर्ब। घा थाना सिविल लाइन जिला गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 3167 दिनाक 13-4-1982 में वर्णित हैं तथा जो रजिस्ट्रार स्राफ एस्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर झायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रोंगे पटना

दिनांक : 9-12-1983

मोहर.

प्रक्प बाइं.डी. एन. एस. -----

ंचकः अध्यानसम् (PSI (1901 भा 43) की गरा ∠69-प (1) के स्थीन स्वना भारत चन्त्रार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजींग रेज पटनाः

पटना दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निदेश सं० III 628 /शर्जन/82---83---श्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लाने क्लाने क्लाने कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्ला 25,000/-रु. से अधिक ही

स्रोर निमकी मं० हो० मंख्या 1397 (पुराना) 1694 (नया) वार्ड मं० 9 है तथा जो महल्ला गोपालबीघा (बं० एम० स्राप्य टा० मं० बस स्टैन्ड के नजदीव) पोस्ट/जिला गया मे स्थित, है (स्रोप इससे उपाबद्ध स्रनुसूची मे स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकार के कार्याल्य कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधान दिनाक 13-4-1982

को पूर्वा कित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, एसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलिचित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिविक क्षेत्र है के अपन करी के कर करा है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त जिभीनयस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में जमी करने या उससे बचने में सृधिया के किह; और/ला
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1077 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जान। अहिए था, किया सिक्या के सिक्या के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियो. अर्थात —

अनुलगनक $^{ m I}$

बेचनेवाले का नाम

- श्रःमति व नापार्नः चक्रवर्ती निवास जे० एन० रोड गोलपाडा स्रासाम।
- (2) श्रीमित इन्द्रा चक्रवर्ती निवासी ग्राम ब्राह्मण-पाडा थाना विलास। पाडा गोलपाडा श्रासाम ।

- (3) श्रामान साविता है चौधरो नियास, 22 सी राजा एग० सा० मिल्लिक रोड याना यादवपुर कलाहता
- (1) श्रामित गायत भट्टाचार्या निवासः संकारंभर ट इस्टैट पा० त्रगणकोट जलपाईगर्रा।
- (5) श्रःमित श्रारतः चक्रवर्ती निवासः भैथन थाना चीरकुण्डा जिला धनवाद ।
- (6) श्रामित मुचेता पाण्डेय निवासः 839/2 लेक टाउन कलकत्ता-55।
- (७) श्रामित शान्ता सेन निवासं 62/जे/1 महाराजा देगोर रोड कराइना-31।
- (8) श्री मिशन भट्टाचार्या जिलास बोर पृक्र रोड राजापुर जिला 24 परगना ।
- (9) श्रं। साम्या भट्टाच।र्या नितारी। बोस पुकुर रोड राजापुर जिला 24 परगना । (श्रन्तरङ)
- (2) श्रामदनप्रसाद प्रोपराटटर श्रं. शंवरस्टेल इङ्ग्ट्रीज निवासी समीर तकिया. पा०वी 92 सं० 50 पोस्ट जिला गया ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजा कित मन्पन्ति के अर्चन को लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राषणत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, उर्धि भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों के कियी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र मो त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति मो हित- बब्ध भिसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्टाक्षरी वे पास निक्ति से किंग आ सकेंगे।

स्थळीकरणः ---इसमें प्रमुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उवत निध-नियम की अध्यार 20-ता में परिशाणित ती, बहुी अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

जर्मान भय पक्तामाणन जिस्ता एकका 5 वटठा 10 घुर है तथा जो महल्ला गेवालबंघा थाना सिवित राइन जिला गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 3165 दिनांक 13-4-1982 में बर्णित है तथा जो रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेन्सेज कलक्सा के द्वारा पंजीखत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष श्रायकर अप्यक्त (रिर्देक्षण) श्रजीके रेज पटना

दिनांक: 9-12-1983

मोहर

प्ररूप० माई० टी० एन० एस०-----

भावकर भ्रिमितियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-थ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पटना

पटना दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 🔢 627/ग्रर्जन/82-83---ग्रतः मुझे, प्रबोध क्रमार दुवे

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० हो स० 1397 (पुराना) 1694 (नया कार्ड संख्या 9 है तथा जो महल्ला गेवालबीघा (बी० एस० मार० टी० सी० बस स्टैन्ड के नजवं क) पोस्ट/जिला गया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्ची में पूर्ण रूप से बर्णित है) रिस्ट्री स्ती श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-4-1982

को पृथोंकन सम्पत्ति हे उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोंकत सम्मत्ति का विषय बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रीत्यत से प्रविक्त है पौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच देसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वृश्य से उस्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित वृश्य से उस्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित वृश्य किया प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या । ससे बचने में सुविधा के िए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
3—436GI|82

(1) श्री निगम कुमार चक्रवर्ती निवासी--हर्टी **बगा**न रोड थाना वदीणापुर कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा मदन प्रसाद प्रोपराइटर श्री मकर स्टेल इन्डस्ट्रीज निवासी समीर ताकया पी० वी० सं० 50 पोस्ट/जिला गया।

(मंतरिती)

को बद्द सूचना आरो करते पूर्वोक्त सन्धनि के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्यत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्यहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रखबा 5 क्ट्ठा 16 धुर है तथा जो महल्ला गेवालबाधा थान। सिविल लाइन जिला गया में स्थित है एव पूर्ण रूप सेविसका मख्या 3164 दिनाक 13-4-1982 में विणित है तथा जो रजिस्ट्रार भ्राफ स्हयोरेसेज कलकत्ता के द्वारा पजीश्वत है।

प्रबोध कुमार दूवे गक्षम प्राधिकार। सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षाण) श्रजन रेज, पटना

दिनाक: 9-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार ए० सी० सं० 388/92—83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

जारा-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का क्रो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट है तथा जो मनाबद्क मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचं: मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीक्कर्ता श्रिधकार्रः के कार्यालय खैरताबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982

को प्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनारी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमिति रूही शेरजीत श्रीर श्रन्य दो घर न० 12-2-158/4 हील्स कालना श्रीलापर्तानगर रीड मर्दापटनम हैदराबाद

(ध्रन्तरक)

(2) श्री हबीब मोही उदीन घर न० 10-5-3/1/1 मसाबटोंक हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्षत सम्मित के अर्चन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रतित के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप-र---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से... 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाल सिचित्त में निष्णा,सकोंगे।

वनुसूची

खुला जम।न सर्वे नं० 27/ए मस।बटेक हैदराबाद विस्तीर्ण 960 चौ० गज रजिस्ट्रं।कृत विलेख स० 909/82 रजिस्ट्रं।-कर्ता ग्रधिकार। खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) अजन रेज, हैदराबाद

विनांक: 14-12-1982

प्रारूप कार्च .टी.एन.एस. -----

काय्कर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भाग्वत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज हैदराबाद

हैदरावा दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सा० नं० 389/82-83---ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० खुर्ला जर्मान है जो मासाबटक हैदराबाद हियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय खरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रश्रैंक 1982

कों क्वोंक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्राचफाल को लिए अस्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करना का कारण है कि यथा पृषा कत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्त्रियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उदते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना नाहिए था, छिएन में मूर्तिधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमण्ज भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :--

- (1) श्रीमिति सिबिहा कमल घर नं० 12-2-458/4 होल कालोनी मेहदीपटनम हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमिति रुकाप्या बेगम पति छेट **बरब**न **खान** 271/ मसाबटक हैदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई" भी 'वाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व खें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्दा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

खुना जमान सर्वे नं० 27/ए मसाबटंक हैचराबाद वितीणं 856 चौ गण एजिस्ट्रंकृत विलेख सं० 910/82 रजिस्ट्रं-कर्ता प्रधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रेज हैदराबाद

विनांक: 14-12-1982

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाट दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० मा० न० 390/82--- प्रत मझे एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसको सं० खुला प्लाट है जो मसाब टैक हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूब) मे श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्राक्ती श्रीधकारों के वार्यालय खैरता-बाद में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन श्रप्रैल 1982 ।

को प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अत्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अत[.] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्सित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रामित मरायम तयास ग्रला घर नं० 12-2-458/ 4 हाल कालोना मेहदापटनम हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रः मोहमद हामः दुल्ला खान घर नं० 20 7-597 इनसाइड फतेदरबाजा हैदराबाद। (ग्रण्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल। जमान सर्वे न० 27/ए मसाबटैक हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख म० 911/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खैरताबाद विक्तीर्ण 880 चौ० गज ।

> एम० जंगन मोहत. सक्षम श्रधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाष

दिनाक 14-12-1982 । मोहर: प्रकृप आर्ड. टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 391/82-83--मतः मुझ, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 10-2-507 है जो असीफनगर, हैदराबाद स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में भीर अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अभैल 1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फला, निम्निसिसित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमांत अमरुनिया बेगम 10-2-507/1, श्रमीफनगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मीरज फतीमा पित श्री मीर श्रब्बास अली राजवा, वा-5, इंटीग्रेटेड मीलक प्राजेक्ट, कॉलना लालपेट, सिकन्दराबाद।

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाकर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्डोकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

धर नं ० 10-2-507/1 श्रमं फनगर, हैदराबाद, राजिस्ट्रीं-क्षत विलेख नं ० 791/82, राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार्रा खैरता-बाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रजन रेज, हैदराबाद

दिनाक 14-12-1982 मोहर: श्रष्ट्य आर्द्र ही. एन. एस. ----

ण्**जायकर अधिनिष**म,, 1961 ग(1961⁻⁵का 43)ल्कीण्<mark>धारा</mark> 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, हैवराबाध

हैदराबाद दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश स० श्रार० ए० सी० नं० 392/82-83--श्रातः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिमकी सं भूमि है जो यत्ला मुडा, हैदराश्चाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रिधकार के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान शर्मल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्निकिंग व्यक्तियां, अर्थात्:—— (1) श्राः श्राइला बाबच्या श्रीर 4 अन्य घर नैं० 8-3-850 यलारेड्डं गूडा, हैवराबाद।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स श्रानिवासा कोश्रापरेटिय हाउस बिल्डिंगस सोसाइटा, बाई श्रीमित एन० वससेला, 11-2-1138 नामपल्लला हैदराबाध ।

(ग्रन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में काई भी अक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हैं तेति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के शास सिसिक में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरमः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 4 एकड़ 28.6 गेड सर्वे नं० 80 से 87 ग्रीर 89 ग्रादापचेरू कमाला बावला गाव यालारेड्डी गूडा रिजस्ट्री-कृत विलेख सं० 873/82 र्राजस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारा खैरताबाद ।

> एम० जेगनमोहन सक्षम प्रधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

दिनांक 14-12-1982 । मोहर

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

अग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कारः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जनह रेंज, हैदराबाद

हैदराबाय, विनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्रार० ए० सो० नं० 393/82-83--म्रतः मुझे एम ० जेगनमोहन

आसमार-विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् - उक्त विधित्तयम कहा गया हैं), की धारा 269 च त्के जिभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह ्विक्खसः करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिल्ला उचिक बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० एफ० नं० 308 है जो हैदरगुड़ा हैदरा-बाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाव ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारा के कार्यालय चोक्क-पल्ला में भारताय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियमः 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन ग्राप्रैल 1982।

को पृथे कित सम्मिरित को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवरित का उचित्र बाकार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; के लिए;
- (क) एसी किसी आग या किसी भने या जन्य व्यवस्तियों को , जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम , 1922 (1922 को 11) या उनते अधिनियम , या धने कर अधिनियम , 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रामित एम० करुनाश्रा पति एम० राजा राम घर नं० 3-6-175/1 हैदरगुडा हैदराबाद। (श्रन्तरिता)
- (2) श्रा मातृम श्री इंजीनियरिग श्राड बिल्डर्स प्रा० लि० 3-5-1783 हैररागुडा हैदराबाद-5000001 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) श्रंहस सृक्तन को राजयन में प्रकातन को तारीक से 4 कि विम की अब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृक्ता की तासील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनक स्थावर संपरित में 'हिस्ट- वहुभ किसी-भन्म व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकता।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभावित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारा सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां क - 14-12-1982

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत भरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० प्रार० ए० सो० नं० 394/82-83--- प्रतः

मुझे एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका मं० एफ० नं० 94/एफ है, जा पंजागहुंटा हैदरा-बाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकार। के कार्यालय, हैदरा-बाद मे भारताय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन श्रील, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कालए, और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ससं विरगो कस्ट्रक्शनः वाद्य वा० एन० रेहुः बजाराहाल्म हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामित टा० रमना पित श्री टी० सा**इ प्रसाद**। प्लात नं० 94/एफ/3 रा फ्लोर, कांक्षा सी**कारा** श्रीपार्टमेट पंजागूंटा हैवराबाद ।

(भ्रन्तरितो)

को यह स्वना चारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 94/एफ० तामरी मंजिल कांती सिकारा अवार्टमेंट्स पंजागूटा हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2838/82 रजिस्ट्रांवर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम भ्रधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरो**क्षण)** श्रर्जन रेंज, **हैदराबाद**

दिनांक 14-12-1982 मीहरः प्ररूप आईंटी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रजन/भोपाल/ 82-83 - मतः म्राहे एन० जेगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000∕-रु से अधिक है

श्रीर सिको म० एफ न० 8/इ है जो पजागुट्टा, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त रापित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ! ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अस अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात --4-436GI|82

(1) मैंससे विरेगीं, कन्स्ट्रकशन बाइ बी० एन० रेड्डी एम० सी० एच० नं० 6-1-1063/बी०/3 राज-भूवन रोड पंजागृद्धा हैदराबाय ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति उषा श्रीनिवास पति कैंप्टन पो० के० एस० राव धर नं० 6-3-668/1/1/9 पंजा-गुट्टा हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकेंगे।

अनुसूची

एक फ्लैंट नं० 8/इ ग्राउंड फ्लोर कांतो सिकारा भ्रापार्ट-मेंट्स पंजागृट्टा हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विशेख नं० 2666/ 82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

विनाक 14-12-1983 मोहर: प्रस्त कार्या टी एन एम -----

नायभर निपित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा

१९० व (1) को गधीन स्वना

भागत मरदार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश म० स्राप्त ए० स\० न० 396/82---83---श्रत मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस' इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स का किन स्टाम प्रतिधवारों का वह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका स० एफ० न० 24/ए है जो प्रजागृहा हैदरा-बाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है) र्राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकार, के वार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजर्स्ट्रीरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन अप्रैल 1982

को पूर्विक्त सपित्त के उचित बाजार मूर्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों स उत्तर अन्तरण लिस्ति में सम्तिक रूप में कांधत नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, ए। धान्तर अधिनियम, ए। धान्तर अधिनियम, ११,७ ११७ १७ का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ६। द दिना उत्तर अस्तर राष्ट्र होता है। विकास सम

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के रानसरण मो, मो, उका अधिनियम की भारा 269-ए की रापधारा (1) के सभीन निम्निक्ति व्यक्तिरयों, अर्थात — (1) श्रा मेसर्स बिरेगो यन्स्ट्रक्शन बाह बा० एन० रेड्डी, एम० सं10 एच० न० 6-1-1063/ब/3 राजभवन रोड पजागद्गा हैदशबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीडा० के० उप्णा वेत्। घर न० 1-1-336/ 80 विवेकनगर हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सुचना जारी करके पृवा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्दर्भ सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित क्यांक्त याँ कर से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे :

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

ननुसूची

एक फ्लैंट 24/ए (ग्राउंड फ्लोर) वार्ता सिकारा श्रापार्ट-मेट्स पंजागुद्धा हैदराबाद रिजर्स्ट्र इतः विलेख न० 2670/82 ग्रागिस्टाकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर्दक्षण) श्रजन रेज, हैंबराबाद

दिनाक 14-2-1982। मोहर. प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत स**र**कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश मं० ग्रार० ए० स०० नं० 397/82-83---श्रतः मुझे एम० जेगन मोहेन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० एफ० नं० 84/इ है जो पंजागुट्टा हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूचा में ग्रीर पूर्णस्प में वर्णित है) रिजस्ट्रावर्ता ग्रीधन रे। के वर्णितय हैदराबाद में भारतीय रजस्ट्रिकरण धिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीक ग्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उथत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

(1) मेससं विरणो कन्स्ट्रक्शन बाइ बी० एन० रेड्डी बंजाराहिस्स हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा खालाल अञ्चुल रहमान केर आफ एम० ए० रहमान घरन० 6-2-11 लकड़ा का पूल हैंदरा-बाद

(श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकरेंगे।

स्माष्टिधिरण. ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

एक फ्लैंट नं० 84/इ तोसरा मंजला, कार्ता मंज्ञार श्रापार्टमेंटस पंजागुट्टा हैधराबाद, रजिस्ट्रेडिन विलेख नं० 2671/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारं हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैक्राबाद

दिनांक 14-12-1982। मोहर:

प्ररूप आइटी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 398/82-83-श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० एफ० नं० 69/बी है जो पंजागुट्टा हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अर्थल, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिए नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा छी लिए।]

बतः अव, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चं, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्ति चित्र व्यक्तियों, जर्थात् ः—— (1) मसर्सा विरगो कन्स्ट्रक्शन बाइ बी० एन० रेड्डी, बंजाराहिल्स हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

'2) श्रीमिति एन० वं।० वियालक्ष्मी पति श्री यन० वी० श्रामोक घर नं० 1-2-299 गगनमहल रोड हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैंट नं० 68/बी दूसरा मंजिला कांती सिकारा श्रापार्टमेंटस, पंजागट्टा हैदराबाद रिजस्ट्रीवृत विलेख नं० 2692/82 रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक घ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1982।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाक 4 दिसम्वर 1982

निदेश सं० म्रार० ए० सी० न० 273/82-83---म्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमा इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गयो हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 55/1 है जो गूनदला विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीवर्ता ग्रीधव रं वेट येट विजयवाड़ा में भारताय रिजस्ट्रवरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन ग्रीपेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मके यह विदवान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पा० परधायय्या (2) पा० रामयराव (3) पी० प्शाप चद्रवो र (4) गा० वे ग्रदेखरा नेहरू (5) पी० चुट्वाराव (6) पा० वसवय्या (7) पी० रामा-गाः पट्याया (क्रांचवादा । (ग्रन्तरक)
- (2) दा० हेल्थ भेडीकरा एम्पलायज को-ग्रापरे-टिस हाउस विल्डिंग सोमाइट, जि० नं० जी० 2676 बाइ अध्यक्षा श्रा के० वकटेश्सर राव पिता लक्ष्मस्या भारदारापेटा विजयवाड़ा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क, इस स्वाः क राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन झार० एस० नं० 55-1 गुनदला विजयवाड़ा विस्तं.र्ण 0.90 सल्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3227/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-12-1982

प्ररूप् बाईं. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 274/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 29/5 हैं। जो गूनदला विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप से विजयवाड़ा में भारताय रिजर्स्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारताय रिजर्स्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधान श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गावा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन निम्नलिखित

- (1) श्रामित पो० वीरासागराराव पिता वेकटेस्वरा राव श्रौर श्रन्य दो गांधीनगर विजयवाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्रा दं । हैल्य मेड । कल एम्प्लायज की-प्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसायट । लि० नं० जं । ० 2676 बाइ भ्रष्ट्यक्षा श्री के० वकटेश्वर राव पिता लक्ष्मय्या भ्रारंदालपेटा विजयवाड़ा ।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूपी

खुली जमीन प्रार० एस० नं० 29-3 और 29-5 विस्तीर्ण 1.00 एकर गूनदला विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 303/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिमांग: 4-12-1982

मोहरः

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० मी० नं० 275/82-83-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० 55/1 है जो गूनदला विजय-वाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूर्य। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीवा श्रीयल 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय~कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात :---- (1) 1. पी० मधुसूरन राव, कनकयाका दतक पुत्र ग्रन्य दो ग्र. मोगलराजापूरम विजयनाड़ा

(अन्तरकः)

(2) दी हैत्थ और मेडीकल इम्प्लाइज को-म्रोपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लि० नं जी० 2676 वाई अध्यक्ष श्री के० वेंकटेस्वर राव पिता लक्ष्मय्या म्रारंदालपेटा विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गन्ना है।

अनुसूची

खुली जमीन आर. एस. नं. 55-।, गुनवाला विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 1-16, सोट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3060/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडी।

> एम . जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-12-1982

प्ररूप आई टी एन. एस - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-८ (1) न्हें अधीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

पर्जन रोग हैदराबाद

हैदरापाद दिनाक । दिसम्बर 1982

निदेश स० श्रार० ए० भी० त० 276/89—83— श्रत मुझे, एम० जेगनसाहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 टा △3) 'जिसे इसम इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० ३ 26-6 र, जारशीनगर बाकी गाडा में प्यित है (श्रीर इसमें उनाबद्ध श्रनगूची में और पूर्ण रप में तर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी व बार्या हम किताल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 190 (1908 वा 16) में श्रिधीत श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गाँउ स्मान यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स. एस दृश्यमान प्रतिफ त का पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और शतिरती (अतिरित्ति)) के बीच एमें जरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिपित उद्, सा स उन्न अतरण लिखित स वास्तिवक रूप से किश्न एने जिल्ला प्राहरी ——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करण या जिल्हें एक न मिसिया के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा पकट नहीं किया गर्या था किया जाना चाहिए भा, स्पिन में सविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की भाग 269 ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम नी भाग 269 घ की उपधार (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तिया, अर्थात —— (1) श्री एम० रामजोगेस्वर राव पिता भीमशेकरम, श्रीनगर, काकीनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 जी भरवस्त्रर राव (2 स्री बाबू पिता श्री जी भन्यनारायण। इद्रापालम घर न० 2 26-6 श्रीनगर काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त त्यिक्ति में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सवती, घर न० 2-2-6, इद्रपालम श्रीनगर, काकी-नाडा, विस्तीर्ण 228 चौ० गज रजिस्ट्रीकृता विलेख न० 2626/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, काकीनाडा

> ण्म० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैसराबाद

धिनाक : 4-12-1982 मोहर

शक्य आई०:टी० एक० एस०---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

निदेश स० ग्रार० ए० सी० न० 277/82-83--ग्रत मुझे, एम० जेगनमोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उर्जित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० 2-26-6 है, जो इद्रपालम काकीनाडा में स्थित है (स्रौर इत्तसे उगाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्मलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गवा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त निध-नियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुमारा प्रकट नहीं किया गमा धा या जिना जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: कथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधण्या (1) के अधीन. निम्नलिकिट स्पितयों, अभीत '--- 5-436GI[82

(1) कुमारी एम० रामजोगेस्वर राव पिता भीमगेखरम, श्रीनगर, काकीनाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० सरसेस्वर राव ग्रौर श्री जी० सूरीबाबू नोनोमी लेट सत्यनारायणा, इंद्रापल्लम के पुत्र है काकीनाडा घर नं७ 2-26-61

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मिति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुन।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना कि तासील से 30 विन की अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षीं।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्तु जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिवा गया है।

वनसूची

घर सम्पत्ति, विस्तीर्ण 228 चौ० गज घर न० 2-26-6, श्रीनगर, सामीनाडा, रजिस्ट्रीइन्त विलेख न० 2651/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 4-12-1982

म्रर्जन रेज, हैवराबाद

मोहर

प्रारूप आइ.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश स० भ्रार० ए० सी० नं० 278/82-83--श्रत मुझे, एस० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी स० एस० न० 46/1 है, जो माघवधारा वैक्षक में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वैक्षक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्ति (अन्तर्गितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अक्षने में मृतिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमति वी० श्रन्नपूर्णम्मा पति छेट गडेप्पा, माधव-धारा विशाखापत्तनम-17 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीनरभिम्हा को-ग्रापरेटिव हाउज बिल्डिंग मोमाइटी, लि०, बाइ मेश्रेटरी, श्री के० गनेस्वर राव, द्वारकानगर, विशाखापसनम-17 । (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यभाहियां शुरू कारता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एस० नं० 46/1, माधवधारा, विशाखापत्तनम, विस्तीर्ण 29745 चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3643/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकाँरी विशाखापत्तनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनहरेज, हैक्साबाय

दिनांक : 41-2-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

निदेश म० म्रार० ए० मी० नं० 279/82-83--म्रात. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट में अधिक है

ग्रौर जिसकी म० 46, 48, 50 में 52 ग्रौर 54 है तथा जो वैझाक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कर से बांगन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अनतरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण स ह्र्इं िक नी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विका के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- (1) श्री एम० पी० वरहालूचेटी श्रीरबी० श्रानक्ष्युमार ऑड को०, विणाखापत्तनम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवासा को० ग्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोमाइटी लि० बाइ ग्रध्यक्ष श्री ए० नरसिम्हाराव, विशाखापत्तनम ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जनिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोक्त . व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीतत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और गर्दो का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अधाय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 5454 चौ० गज एम० न० 46,48, 50 से 52 श्रीर 54, माधवधारा, विशाखापत्तनम', रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4150/82 रिजस्ट्रीकृती श्रीधकारी, विशाखापत्तनम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनाक . 4-12-1982 मोहर प्रक्रम आहर्र. टी. एम. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकार जायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 280/82-83---भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विकास करने का का ए हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पट्टा नं० 131 है, जो ऋषिकोडा विशाखा-पत्तनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विशाखा-पत्तनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अर्थेल 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रिश्मल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूझे यह विद्वास कभने का कारण है कि यथामूबोंक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्वमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है बौर जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने, में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 4---

- (1) श्री एस० भ्रप्पलास्वामी पिता लेट सत्तय्या, ऋषि-कोंडा यंधाडा पोस्ट, विशाखापत्तनम । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्णा को-म्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, लि॰ बी॰-1624, विशाखापरानम-16। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रविकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूत्रमा को राजपत्र में श्काशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बव्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, थो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसकी

बंजर भूमि पट्टा नं० 131, विस्तीर्ण 0 50 सेट्स, ऋषि कोंडा गांव विकाखापत्तकाम, रजिस्ट्रीइत दिलेख नं० 4241/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी- विशाखापत्तनम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी दहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैज, हैदराबाद

दिनांक 4-12-1982 मोहर: प्ररूप नाई. टी. एन. एस.

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

् हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० न० 281/82-83--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. म अधिक हैं

श्रौर जिसकी म० 71/3 है श्रौर 71/4 जो गुनदला, विजय-वाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, विजय-वाड़ा में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रेच 1982

को पृयों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त जीपीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के सिए; जीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वा, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1.022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

वतः। अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री एम० लक्ष्मनस्यामी पिता वेंकटनारायण, पटामाटा, विजयवाङा ।

(ग्रन्तरक)

(2) दी करीन को श्रापरेटिय हार्डाक्षण सोसाइटी लि०, जी० 2770, श्रद्भक्ष डी० लक्ष्मनस्वामी पिता रंगय्या, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधिया तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृथांकत ब्यक्तियों में में किसी क्योक्त द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त म हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम., के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.96 सेट्म श्रार० एस० नं० 71/3 श्रीर 71/4 गूनदला, विजयवाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3320/82 रिजस्ट्रीकृती श्रिधकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 24-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, हैधराबाध

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 282/82-83-भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 9/1 है, जो गूनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुमारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमति वी० जयंती पितः श्रस्थानी कुमार मोगलराजा पुरम, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) दि विदूलता को-म्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लि० बाइ ग्रध्यक्ष श्री के० बालस्वामी पिता जोसेफ, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

· को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुण।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन भ्रार० एस० नं० 9/1, गूनदला, विजय-वाडा, विस्तीर्णा-33 सेंटम, रिजर्स्ट्रीकृत विलेख नं० 3728/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनांक: 24-1-1982

मोहर्ः

प्रारूप आर्ड टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

निदेश स० भ्रार० ए० सी० न० 283/82-83-श्रत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रुक्त से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ग्रार० एस० न० 9/1 है, जो गूनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची मे भ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है ह—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- (1) श्रीमित वी० जयन्ती पिता ग्रस्यानी कुमार मोगलराजापूरम, विजयबाडा ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) दि विदूत्रता को-म्रापरेटिव बिल्डिंग सांसाइटी लि० बाइ ग्रध्यक्ष श्री क० वालस्वामी पिता जोसेफ, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपित के अर्जन के सबध में कोई आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

खुली जमीन श्रार० एथ० न० 9/1, गूनदला, विजयवाडा, विस्तीर्ण 1-33 सेट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3674/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

दिनाक: 4-11-1982

मोहर

प्रस्थ आर्द्धाः एन . एस . *******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निदेण स० ग्रार० ए० सी० न० 284/82—83—--ग्रत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 28/53 है, जो सर्कलपेटा, मछीलीपटनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मछीलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रिप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 (192? का 1।) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सविभा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मूं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री एम० बालाजी रामप्रभाद राव पिता रामाराव, विभाषापत्तनम ।

(ग्रन्तरक)

(2) जयहिंद सेकेंडरी स्कृल एसोसिएशन सेकेंटरी श्रीर करमपोडेट, बाड सेकेंटरी श्री वी० वेकटा नरमीम्हाराव, इनुक्ड्रंपेटा, बंदर।

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्</mark>जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति 'श्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, वो भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

घर की जमीत वार्ड नं० 28/53, सर्कलपेटा, मछीली-पटनम, 2927 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1598/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मछीलीपस्तम ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-12-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

मायक प्रभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीकण)

भ्रजीन रैज, हैक्दराबाक्ष हैदराबाद, दिनांक 6 क्षिमम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 285/82-83--भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रोर जिसकी मं० 62/16 है. जो पेडेती विणाखा पत्तनम में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय विणाखापत्तनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्मान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिता उद्वोदय से उक्त जन्तरण के लिए तम में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- कन्सरण से हुई किसी काय भी अबल सकत तिथ-नियम से स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मृत्यिधा के लिए;

(1) श्री टी॰ रामिलगासेट्टी पिता वेंकटरामनय्या ग्रन-कापल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० हनूमंतराम मैसर्म कीपस थेरापिटीक्स प्रा० लि० विशाखापटनम (38-22-220, मरी-पालम) ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 11.05 मेंटस, भ्रार० एम० नं० 26/16, पेंडेती, विणाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3238/82, रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी, विणाखापत्तनम ।

> एम० जेगन मोहून, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज, हैदराबाद

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 6 12-1982

प्ररूप आईंटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 286/82-83- श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मदाम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्ट. में अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 13-64 है, जो गांधी प्रकाशनगर, राजामुंब्री में स्थित है (श्रौर इसमें उनाबद्ध अतुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजामुद्री में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपृक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रामान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंक्त संपृक्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किँमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री ए० सूर्यप्रकाशराव, (2) ए० राममोहनराव दोनों के पिता श्री ए० पेदस्या, घर नं० 28-4-23, जामपेटा, राजामुद्री।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित एस० उषारानी पति रघुनाथनराव, श्रादे-पल्ली नगर, राजामुदी ।

(भ्रन्तरिती)

को महस्पना जारी करके मूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभीन 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपति घर नं० 13-64, विस्तीर्ण 695.7 **जी०** गज, गांधी प्रकाशनगर, राजमुंद्री, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2689/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, राजामद्रा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रैज, हैदराबाद

दिनांक: 6-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 287/82-83---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी म 178/3, 7, ग्रीर 8 है ग्रौर जो 175/5 विजयानगरम में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाद्यद्व ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, विजयानगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम ग्रिंग 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में संविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तिवाँ, अर्थातः— (1) श्री बी॰ ए॰ मारेम्मा ग्रौर श्री बो॰ कृष्णा, श्री अप्यालास्वामी की पत्नी ग्रौर पुत्र ग्रन्नस्यापेटा, कासीपाड।

(भ्रन्तरक)

(2) विजयानगरम नान गजेटेड एम्प्लायज को-ग्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी नं० वी० ग्रार० 218 बाइ ग्रध्यक्ष श्री श्रार० नोबल जान--पिता जान, विजयानगरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्यों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इरामें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ग्रार० एस० नं० 178/3, 175/5, 178/7, गौर 178/8 विस्तीर्ण 0.84 सेंट्स, विजयानगरम, रिजस्ट्रीकृक्ष विलेख नं० 1493/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, विजयानगरम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, हैवराबाद

विनांक: 6-12-1982

मोइर .

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 288/82-83--म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 178/2 है, जो विजयानगरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयानगरम में भारतीय रजिस्ट्री करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-निर्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,, अर्थात्:—

(1) श्रीमित बी० सत्यवती, श्री बी० श्रीनीवासाराव, गोलाविधी संतापेटा, विजयानगरम ।

(ग्रन्तरक)

(2) विजयानगरम नान गजेटेड एम्प्लायज को-श्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी नं० वी० श्रार० 218 बाइ श्रध्यक्ष श्री श्रार० नोबुल जॉन पिता जॉन, विजयानगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रार० एखं० नं० 178/2, विस्तीर्ण 0.75 सेंट्स, विजयानगरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1389/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, विजयानगरम ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रैंज, हैंदराबाद

दिनांक: 6-12-1982

श्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक दिसम्बर 6 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० मी० नं० 289/82-83--भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 178/6, श्रौर 179/3, है, जो विजयानगरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय विजयानगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रग्रैल, 1982

को प्रविक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री वी० मारया, श्री वी० नारायुडू, दोनो भी श्री राजूलू के पुत्र हैं, श्रयन्नापेटा, कासीपाडू। (श्रन्तरक)
- (2) विजयानगरम नान गजेटेड एम्लायज कोम्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी न० वी० म्रार० 218 बाइ अध्यक्ष श्री आर० नोबूल जॉन पिता जॉन, विजया-नगरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रार० एरा० नं० 178/6 श्रौर 179/3, विस्तीर्ण 1.56 सेंट्स, विजयानरगम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1494/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, विजयानगरम ।

एम० जेगन मोहन ंसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

विनांक: 6-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेण मं० आर० ए० सी० नं० 290/82-83— श्रन: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रियोर जिसकी म० प्रार० एस० न० 178/4, ई, जो विजया-नगरम में स्थिन है (प्रौर इसमें उपाबद्ध ध्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजया-नगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) श्रीमित के० पेडीशाली पति चं:न्नयया, श्रायन्नापेटा, (2) श्री के० चीन्नय्या पिता चीनय्या, श्रायन्ता पेटा, विजयानगरम ।

(भ्रन्तरक)

(2) विजयानगरम नान गजेटेड एम्प्लायज को-ग्रापरे-टिव बिल्डिंग सोसाइटी नं० वी० श्रार० 218 बाइ श्राध्यक्ष श्री श्रार० नोबल जॉन पिता जॉन, विजयानगरम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को कर्जन के हिंगए कार्यवाहियां करता हो।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सरें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रार० एस० नं० 178/4, बिस्तीर्ण 2-66 सेंट्स, विजयानगरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1627/82 'रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी', विजयानगरम ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) ग्रर्जन रैंज, हैदराबाद

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 6-12-1982

प्रारूप बाई.टी.एन.एस. ------

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्राह्म و प्राह्म निवास की श्रीह्म मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश मं० आर० ए० सी० नं० 291/82-83--श्रत मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्च अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण होति के उर स्पर्णक, जिल्ला को व वारार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रार० एस० न० 49/1 है, जो विजयानगरम में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध श्रन्सूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विजयानगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकर्गा श्रधिकारी के कार्यालय विजयानगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैंत 1982

को प्वेंकिन सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियस के अपोन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने म सृधिधा के लिए, और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2⁻¹ के प्रयोजनार्थ अनिरित्ती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दो अधीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री के० ध्राचन्ना धीर के० सन्यासी और के० सत्यनारायणामूर्ती ध्राय्यनापेटा, कासीपाडू, सीवास, विजयानगरम ।

(ग्रन्तरक)

(2) त्रिजयानगरम नान गजेटेड एम्प्लायज कोम्राप-रेटिव बिन्डिंग सोसाइटी न० वी० चर० 218 बाइ मध्यक्ष श्री म्रार० नोबूल जॉन पिता जॉन, विजयानगरम ।

(भ्रन्तिरती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्यन्ध मा कार्ड भी बाक्षप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रार० एग्न० न० 49/1, विस्तीर्ण 0.67, 1/2 सेंट्म, विजयानगरम, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1414/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, विजयानगरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाध

दिनाक 6-12-1982 मोहर . प्ररूप आह^र. टी. एन. एस. - -- -आयकर आँधनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 6 विसम्बर 1982

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 292/82-83--म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिप्तकी सं० ग्रार० एस० नं० 179/4 है, जो विजया-नगरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्य, विजयानगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रशैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाखत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आरित्यों का, जिस्ही भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

नतः नव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रा वी० सूर्या वी० नारायणडू श्रीर श्री वी० कृष्णा श्रीर भ्रन्य, श्राय्यन्नापेटा, पोस्ट श्राफिस, भ्राय्यन्नेपटा विजयानगरमः ।

(भ्रन्तरक)

(2) विजयानगरम नान गजेटेड एम्प्लायज कोन्नापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी नं० वी० श्रार० 218 बाड श्रध्यक्ष श्री श्रार० नोबूल जॉन पिता जॉन, विजयानगरम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

खुँली जमीन श्रार० एस० नं० 179/4, विस्तीर्ण 1.24 सेंट्स, विजयानगरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1679/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयानगरम।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख: 16-12-1982

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश मं० श्रार० ए० मी० नं० 314/82-83---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० धार० एस० नं० 27/2 है, जो पट्टा नं० 43, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन धप्रैल 1982

को पूर्भोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्ष्येष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (वा) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और ∕या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री यू० नी० नगंजनमा राजू पिता नारायणा राजू मृत्यालपाडू, विजयवाडा ।

(धन्तरक)

(2) वि चैतन्या को-म्नापरेटिय बिस्डिंग सोसाइटी नं० 2764 बाइ म्रध्यक्ष श्री वाई० योगीरामा दत्तान्ना-यूडू पिता जगन्नाथराय, विजयवाडा । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति इपारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्मक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्ची

खुली जमीन विस्तीर्ण 2.00 एकड़ घार० एस० नं० 27/2, पट्टा नं० 43, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3022/82, रजिस्ट्रीकर्ता घिषकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

दिमांक 7-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 31/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्नार० एस० नं० 53 है, जो पटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्राकर्ती श्रधकारी के कार्याक्षय विजयवाडा में भारताय रिजर्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्रप्रैंस 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेयों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० पूर्णचंदाराव पितः। रामय्या, पटामाटाः, लंकाः, विजयवाडाः ।

(ग्रन्तरक)

(2) दि चैतन्या को भ्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइट। नै० जी० 2764 बाइ श्रष्ट्यक्ष श्रा वाइ योगी रामा दत्ता-त्रयूडू पिता जगन्नाधराव विजयवाडा । (श्रन्तरिता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्धन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुर्लः जमीन भारे एस० नं० 53, पटामाटा लंका, विजयवाडा, विस्तिर्ण 0.75 मेट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3541/82, रजिस्ट्राकर्ता ग्राधिकार , विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार। हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) भ्रर्जन रैज, हैदराबाद

दिनांक: 7-12-1982

प्रकृप बाई॰ ही॰ एन॰ एस॰-----

प्रायक्तर ध्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाष, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 316/82-83-धातः मुझे, एम० जेगन मीहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं
धौर जिसकी सं० ध्रार० एस० नं० 53 हैं,जो पटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (ध्रीर इससे उपावद ध्रनुसूच। मे धौर पूर्ण

विजयवाडा में स्थित है (भार इससे उपावद अनुसूच। मे भार पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजर्स्ट्राकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अभैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिमफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के बधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने वें सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किमी घन या घम्य भारिक्यों को जिन्हें भारतीय भागकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या त्रक्त जिमियम, या ध्रन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रेयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, क्रिपाने में सिक्षा के निए;

श्रतः श्रव, उक्त समिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त समिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्ष स्थानकर्यों, मुर्थास्य :--- (1) श्री के० पूरनाचंद्राराव पिता रामय्या, पाटामाट-लंका, विजयवाडा ।

(मन्तरक)

(2) वि चैतन्या को-भ्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटं। नं० जी० 2764 बाह भ्रष्टयक्ष श्री वाई०योगी।रामा दत्तात्रयूडू पिता जगन्नाथराव, विजयवाडा । (भ्रस्तरितो)

को प्राप्त सूचना जारा कर हा प्रवीवन सध्यति के अर्थन क लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत भम्पत्ति का अर्थन के भम्बन्स में कोई भी सासेप:--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संत्रंथी व्यक्तियों पर स्चान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ग्रार० एस० नं० 53, पाटामाटा, विजयभाड़ा, विस्तार्ण 0.77 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3454/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैंज, हैदराबाद

विनांक: 7-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1982

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 317/82-83---भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 53 है जो पटामाटा, विजयबाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजयबाड़ा है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के मार्यालय विजयबाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रावीन श्रप्रैल 1982

करें पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारणेया उत्तसे क्कने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिषित व्यक्तियों, अर्थात् .~~

- (1) श्री के॰ पूर्ने पत्वाराव पिक्षा रामय्या, पटामाटा लका, विजयवाडा ।
- (2) दि चैतन्या को-आपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी नं० जी० 2764 बाइ अध्यक्ष श्री वाई० योगी-रामा दत्ताक्षयुडू पिता जगन्नाधनराव, विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उत्कत स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन भार० एस० नं० 53, पटामाटा, विजय-वाडा, विस्तीर्ण 1.04 सट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3106/ 82, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयावाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, हैक्साबाध

दिनांक: 7-12-1982

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। मर्जन रेंज, हैवरामाव

हैदराबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सं/० नं० 318/82-83----श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रीर जिसका सं० श्रार० एस० नं० 53 है जो पाटामाटा विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिक्बास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी आन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- .(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था खिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, पक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रा के० पूर्णाचन्द्रारांच पिता रामय्या, पटामाटा लंका, विजयवाद्या।

(भ्रन्तरक)

(2) दि चैतन्या को-भापरेटिय विल्डिंग सोसाइटी नं० 2764 वाइ अध्यक्ष श्री वाइ योगी।रामा दत्ताना-यूडू पिता जगन्नाधराध, विजयवाडा । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता हू। उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अश्रोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:-- इसमे प्रयुक्तक्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन धार० ए० नं० 53, पटामाटा विजयवाडा, विस्तीर्ण 0.75 सेंटस रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० 3586/82, सेंटस रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रॉज, हैदराबाद

दिनांक: 7-12-1982

प्ररूप. बाइरें. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाध हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सो० नं० 319/82-83---भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० डी० नं० 21/ए2 है जो नलापाडू, गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्यः में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रील 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धनुया अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः जय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री के० कल्याणा पति वेंकटेस्वर राव ग्रांर मूमा-नृती ग्रीर अन्य एक पेसर लेका रेपल तालुक
- (2) श्री जे० पूरनानन्दा वेंकटैसवरा प्रसाद पिता शाम-सुंदर प्रसाद, सागम जागारलमुङी गूटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

खुली जमीन नालापाडू, गूंटूर घर नं० 27/ए2 विस्तीर्ण 582-1/3 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3697/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारोः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, हैवराबाट

विनांक : 18-11-1982

प्रस्प आहू . टी . एन . एस . ------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रैंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 320/82-83---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 107/1 है, जो ग्रार० रावपेट, विजयकाका में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रिधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूथिश केलिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपला अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री पी० कोंडलराव पिता कनकस्या, कालेस्वर राव मार्केट, विजयवाडा-1।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीरामा कोम्रापरेटिक बिल्डिंग सोसाइटी लि० नं० एच० यलूरु रोड, विजयवाडा-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

मन्स्यी

खुली जमीन जिसका विस्तीर्ण 3235 चौ० मी०, राम-लिंगेश्वर राव पेट, विजयवाडा, मूनीसीपल कारपोरेशन, भार० एस० नं० 107/1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3514/ 82, रजिस्ट्रीकर्तौ ग्रिधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स, (निरीक्षण) ग्रंजैन रैंज, हैवराबाद

दिनांक: 7-12-1982

प्रस्य नार्षं. टी. एन. एस.-- ----

भाक्षभार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 321/82-83-ग्रतः मुले, एम० जेगन मोहन ग्रायकर प्रक्रित्सम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जना ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ग्राटिकारी की, यह विश्वास करने का ग्राटकारी कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख 25,090/-वप् से ग्राधिक है

भौर जिसकी सं० 29-11-35 है, जो सूर्यरावपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूर्ची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन ध्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त मंपित के उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पितफल म, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (बन्धर्यका) और अन्तरिक्त (बन्धर्यका) के बीच एस भन्तरिक के लिए नय पाया गया प्रतिफन, निम्निचित उद्देश्य से उचन यन्तरण लिखित में वास्त विक कप से किन्धर नहीं किया गया है:—-

- (क) धक्तरण से हुई किसी प्राय की बाबल उक्क प्रथम निवस के प्रशीन कर देने के धक्तरक के वाध्यस्य न अर्था करने या छस ने बक्ते में सुविधा के किस, के करने ना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण को, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित अमिक्तयों, अभीत् :---

- (1) श्री सी० एच० नागेस्थरी पित तासाराय, के० बी० राव रोड, सूर्यराखपेट, विजयबाडा-2 ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मेसर्स भारत कन्स्ट्रक्शन को-ग्रापरेटिव, यलुरू रोड, विजयवाडा-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजान में एकाणन की नारीय से 45 विन के भीतर उन्त स्थाबर मन्पत्ति में हितबर बिसी बन्ध व्यक्ति हारा अधीहरतासरी के नास जिल्ला में किए जा सकेंगे
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित्र के सीवर उन्तर स्थायर संपत्ति में हितक्ष्य किसी जन्म स्थायर इंगरा अभोहस्ताक्षरी के पास तिवत में किए या सकरें।

स्थव्यक्षिरणः -- इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्ची

षर संपत्ति घर नं० 29-11-35/बी०, सूर्यराव पेट, विजयवाडा-2, विस्तीर्ण 727 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2757/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 7-12-1982 ।

शक्प मार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सो० नं० 322/82-83-श्रत: मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर धिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिविषम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिवेत सक्षम प्रश्निकारी को, यह विक्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

धौर जिसकी सं० धार० एस० नं० 53 है, जो पटामाटा विजयनाडा में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण प्रप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रिप्रैंल 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से ग्रीवक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जनना चाहिए था, छिपाने में सियभा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 8—436GI[82 (1) श्री के० पूरनाचंद्राराव पिता रामय्या, पटामाटा लंका, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) दि चैतन्या को-भापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी नं० 2764 बाइ अध्यक्ष श्री वाई० योगीरामा दत्ता-तायूडू पिता जगन्नाधराव, विजयवाडा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्बन के सम्बन्ध में कांद्रे भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी स्थक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्स में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदों का जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ब्रार० एस० नं० 53, पाटामाटा, विजय-वाड़ा विस्तीर्ण 1.04, सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3512/82 रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनांक 7-12-1982 । मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार**० ए**० सी० नं० 323/82-83--भ्रतः मृ**से** एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बजरंग बली स्टील मिल्स है, जो डायलाइड गवराम स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, राज-मुंड्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्राचीन श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार वीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- (1) श्री श्रार० श्रीरामुलू सूब्झारायुडु, लक्ष्मीवरापूर्पेटा, राजमुंड़ी ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. के॰ वीरभद्राराव ग्रीर भ्रन्य दें, पेदापूरम, इस्ट गोदावरी जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बजरंग बली स्टील मिस्स, इंडस्ट्रियल इस्टेट, डावलाई-णवराम, विस्तीणे 300 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2301/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, राजमुंड्री ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सङ्ग्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 7-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 324/82—83— भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/-रत. से अ**धिक है**

ग्रीर जिसकी सं० 22-2-67 है, जो चौउन्ना, गुटूर में स्थित है .(ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची मे ग्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता, ग्रधिकारी के कार्यालय गृंटूर में भारतीय रिजस्ट्री- करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) एस० त्रोपूरसंदुरी पत्नि भ्रानन्दराव श्रौर भ्रन्य, गृंदूर ।

(म्रतरक)

(2) श्री चौपाला पिता माश्रंतमार्ला, चौत्ता गुंदूर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आहरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्बो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

षर संपत्ति घर नं० 22-2-67 कपड़े का बाजार, 404/6/9 चौ० गज रिजिस्ट्रेंकृत विलेख नं० 4296/82, रिजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-12-1982 मोहर: श्रुरूप् आइरें, टी. एन. एस. +-----

नायक द निभ्नित्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982 निदेश सं० ग्रार० ए० सी'० सं० 325/82-83-ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 476 है जो नलापाडू गुंटूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देवच्यों से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किथ्न नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बी० कोंडलरेड्डी श्रौर ग्रन्य दो नालापाडू गृंटूर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री टी० श्रदिनारायणा रेड्डी पिता ग्रंजी रेड्डी कोथारेड्डी पालम तेनाली तालुक जिला गुंटूर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थावितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुषी जमीन विस्तीर्ण 0.40 सेंट्स श्रौर 1936 चौ० गज नलापाडू गुंदूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4469/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी गुंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **हैदराबाद**

दिनांक 7-12-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं. ग्रार० ए० सी० नं० 326/82-83-

श्रतः मुझे, एम० जेगन भोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 22/463 है जो ऊदनगर चौराला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप सेवर्णित है) रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चौराला मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अतरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आगकी बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री के० वेंकटेस्वरुलु पिता रामय्या चीराला प्रका-शम जिला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० वेंकटेस्वरुल पिता वी० मीरय्या म्राकय्या-पालम कोक्थापेट, सीवार, चीराला तालुक, प्रकाशम जिला।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना कीं तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

घर की इमारत, घर नं० 22/463, ऊदनगर, चीराला प्रकाशम जिला, बिस्तीर्ण 529 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1199/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चीराला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

दिनांक - 7-12-1982

मोष्ठर :

प्ररूप आई. टी. एस. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 327/82---83---भरा: मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ए-4 यूनिट है, जो इंडस्ट्रियल इस्टेट गुंदूर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन स्रश्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूमिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों, अर्थात्:--- (1) मैसर्स भीनियासा वायर इंबस्ट्रिज पार्टनर, भी लिंगममालू रचूकुमार पिता सुब्बारामाराव गूंटूर, भार० भाग्रहारम ।

(धन्तरक)

(2) श्री बी० सूज्जाराव नरसिम्हम का दत्तकपुत्र भौर भन्य दो पार्टनरस इन मेसर्स बी० एस० भार० स्पीर्निंग मिरुस, गुंटर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

प्रापर्टी घर नं० 139/1 ए, 140/3ए, 140/3वी, 142/1, 139/1ए, भौर 140 प्लाट नं० ए०-4 श्रसेंसमेंट नं० 1222, 3887, 1/3 चौ० गज ए-4 यूनिटस इंडस्ट्रियल इस्टेट, भामरावती रोड गुटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3867/82, रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी गुंदूर ।

एम० जेगनमोहन सक्षम प्रधिकारी धहासक ग्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनाम : 8-12-1982

मोहर ः

प्रकृप आइ⁴. टी. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 328/82-83— भतः मुझे, एम० जेगन मोहन ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख ने ग्रिधीम मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिमका उचिम बाजार मूल्य 25,000/- रू० से बिक है ग्रीर जिसकी सं० 16/247 है, जो कटकाराजू स्ट्रीट इस्ट गुंडू स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गुंडू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन के दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीस है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेंग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उपधार्य (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

- (1) श्रीमती ए० कपालेस्वरी पित सुम्बारायडू, नं० 24थ स्ट्रीट, डा० राधाकृष्णा रोड, मयलापोर, मद्रास (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० ऋषिकेशवा नागेश्वरा गुप्ता, पालक श्रीर पिता के० को टेस्वर राव, वेंकटगिरी (श्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

गर संपत्ति घर नं • 16/247 कटकाराजू स्ट्रीट, ईस्ट गुंडूर, विस्तीर्ण 363, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं • 405/62 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुंडूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० घ्रार० ए० सी० न० 329/82-83 '-
ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ

इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रिविक है

भौर जिसकी स० 213/डी है जो गूट्र स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गूट्र मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के जिये अप्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धांचक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबस, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (ख) रमो सिसी आय या किमो धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमित डी० ग्रदिलक्ष्मी ग्रौर ग्रन्य तीन गुटूर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० कोडय्या पिता सीतय्या गूटूर वारी तोटा गुटूर ।

(भ्रन्तरिती)

हो पर मूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत ने प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविष्ठ या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भा
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका
 क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद विश्वमी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगें।

स्पन्ती तरग :---इसमें प्रयुक्त प्रक्तें ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रियिन नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सावल की गिरवी 7वी लाइन नेहरूनगर, गूंदूर, घर नं० 213/डी जिसका नाम जनता राइस मील है, गूंदूर बिस्तीर्ण 480 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4265/82 रजिस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी गुंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

दिनांक 8-12-1982

मोहुर 🗓

प्र**क्त नाइं.टी.ए**न्.एस<u>.</u>------

प्रायक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के धानीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, विनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 330/82~83 :— धतः मुझे, एम० जेगन मोहन जायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित्त वाजार मूक्य 25.000/-द० से अधिक है

मीर जिसकी सं० 24-4-6 से 24-4-10 मौर 24-4-10 ए है, जो गुंदूर स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गुंदूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त तंपील को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिकाल से, एसे क्यामान प्रतिकास का पम्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (कां) बन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के नधीन धिम्मिनिकत व्यक्तियों, क्यीत् :——
9—436 GI/82

- (1) श्री जे० वी० एस० जोसूलू, मूनीसीपाल कोंसलर वार्ड न० 4, 2, लाइन कृष्णानगर, गुंटूर-6 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री इरफान हाणन पिता शिराजूल हासन, केर श्राफ मेससे सीराज श्रीर को० पी० बी० नं० 146, श्रार० श्राग्रहारम, गुंटूर 3 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें त्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिप्तिकम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा तो उस श्रध्याय में विका गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 24-4-6 से 24-4-10 श्रौर 24-4-10ए, ब्लैंक टेंकरोड, श्रार० श्राग्रहारम गुंटूर, विस्तीर्ण 749 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3214/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुंटूर, ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 7-12-1982

मोहरः

प्रकर कार्ष. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भावुक्त (निरीक्षक) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982 निदेश सं० झार० ए० सी० नं० 331/82-83 :---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जियकी सं० डी० नं० 4105 भौर 3702 है, जो गुंदूर स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुंदूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन अप्रैल 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्राव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबेंक्त संयत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयंत्रान प्रतिकत्त से, एसे स्वयंत्रान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचल अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिचाने में जुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त विधिनियम की भारा $269-ग के क्यूनरण के, <math>\mu^0$, उक्त की भीनयम की भारा 259-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मिलिखिस व्यक्तियों, बर्भात् :——

- (1) श्री के॰ रातस्या पिता बेंकटप्पान्मा, पोनेकालू (ग्रन्तरक)
- (2) श्री डी॰ सी॰ कृष्णाय्या पिता वेंगय्या, भारंदालपेटा, गुंदूर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिनां कद्रता हुं।

उन्ह सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्ष्म :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की वविष या तत्सम्बन्धी म्थित्सयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जा भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृजीवल व्यक्तिस्यों में से किमी व्यक्तिस व्यक्ति वारा;
- (व) इस स्वता को राजपण में प्रकाशन की कारील में 45 दिन को भीतार उसत स्थावर संपर्णित में हित-प्राथ किसी पाय कालिए द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के नाव विविद्य में किए पा सर्वाचे।

लक्कोकरणः--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्छ अधिविधम के अध्याद 20-क में ग़रिजाबित हों, यही अर्थ होगा को उस अध्याय हों दिया गथा ही।

अनुसूची

बंजर भूमि पदकाकानी घर नं० 4105, श्रौर 3702, विस्तीर्ण भूमि 1.00 एकर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4105/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी गृंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-12-1982

नोहर:

प्ररूप आर्था: टी. एन. एस.-----

जायकर जार्षिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को जभीन सुचना

भारत बारकार

कार्याचय, तहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 332/82-83 :---

ज्ञतः मुझे, एम० जेगन मोहन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रीता, जिसका उभित बाबार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० डी० नं० 400/ए है, जो भोर 400/1 तेनाली स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अभैल 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सूनिया के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निणिकित करिन्तमों, सर्थात्ः— (1) श्री सी० एव० कोटेस्वरा राव, मोरीसपेटा, तेनली. गूंट्र जिला ।

(भन्तरक)

(2) श्री ए० सीवा नागेंद्रम्मा पति जनार्धेन राव मोरीसपेटा, तेनाली तालुक, गुटूर जिला (ग्रन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कन्दों और पदों का., जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क स्परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग, मोरीसपेटा, तेनाली छी० न० 400/ए और 400/1, मुनीसीपाल बार्ड नं० 4, ब्लाक नं० टी० एस० न० 401, 400/4, 152 चौ० गज ब्रार० सी० सी० एफ०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1527/82 रजिस्ट्रीकर्ता बिलेख नं० 1ताली ।

एम० जेगन मोह्नस सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकार आयुक्त (निरौक्षण) धर्णन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 8-12-1982

मोह्नर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

भारत बुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० म्नार० ए० सी० नं० 333/82-83:---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त जिभिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी० न० 37 है, जो चैंग्रोलू स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चेंग्रोलू मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1982

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण चित्रत में भारतिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायितक में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धिम के लिए।

(1) श्री बी॰ रगाराव पिता कोटय्या, मुरलीनगर, विशाखापटनम

(ग्रन्सरक)

(2) श्री एस॰ जे॰ नरसिम्हा राव पिता लक्ष्मीपति, चेन्नोलू, तेनाली तालूक, गुटूर जिला । (धन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी व्यधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुसा हु⁸।

अनुसुची

67/168 शेर इन राइस मील घर नं० 37, चेन्नोलू गुंटूर जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 772/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चेन्नोलू ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैदराबाद

बतः बन्, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण कों, में उन्त् अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधार्य (1) को अधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 8-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 334/82--83:---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9-11-60 है, जो कोथापेट गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अध्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री एस० लक्ष्मीनारायणा, श्रीमित एस० कामे-स्वरमा का दशक पुत्र कोषापेट, गुंटूर

(भ्रन्सरक)

(2) श्री पी० कोटेस्वरम्मा पति वेकटेसवरलू, रेल-पेटा, गुंटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्दिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्सूची

दूकान धर नं० 9-11-60 कोथपेटा, मेन रोड, गुंटूर 92.6 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3777/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-12-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निडीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 335/82-83---श्रतः मुझे, एम जेगन मोहन

आयकर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्नित्यम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/— देपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12-29-123 है तथा जो गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इसले उपाबद प्रतुसूर्व में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्राकर्ता ग्रधकारी के नार्यालय, गुटूर में रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान तारीख ग्रग्रेश, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने को कारण है कि यथापुर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिजन प्रियक है और अन्तरक (ग्रम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पान गया प्रतिकत निम्निवित्त उद्देश मे उन्त ग्रन्तरण जिल्लात में वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, जक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर वेने के प्रस्तक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-अद अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का .7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीत, निम्मृतिचित व्यक्तियों, व्यक्ति :— (1) बी॰ सरोजिनी देवी पिसा लक्ष्मीनारायण भौर एक सांतापूटा, भ्रोंगल।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी जी० नागपद्मावली पिता वेंकटेस्वर राव लक्ष्मीपूरम, गुंदूर।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वॉक्स सम्यान के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन्व ने 45 दिन की भविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों घौर पदों का, ११ जन्त प्रिविनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

धर संपत्ति घर नं० 12-29-123 शामलावास् स्नाप्र-हारम, वार्ड नं० 8, गुंटूर, विस्तीर्ण 114 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3207/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी गूंटूर ।

> एम० जेगन मोइन स**झम प्राधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-12-1982

मोद्धरः

त्रस्य नार्दे .टी. एन .एस . ------

आयकर प्रक्षितिवम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के घंधीर सुरका

भारत च्याप्तर

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० नं० 336/82—83— झत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क दो अधीन सक्षय प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

घौर जिप्तकी सं० घ्रार० एस० नं० 49 है, तथा जो सोमाधरपाडू यूलूरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय येलूरू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन ग्रप्रैल 1982

को पृया क्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्जाल ह—

- (1) श्री पी॰ ग्रप्पाराव पिता लक्ष्मय्या, येलूरू। (भ्रन्तरक)
- (2) दि येलूरू को-म्रापरेटिव सोसाइटी लिं० वेस्ट गोदावरी 5 कालनी स्कीम, रिप्रेजेंटेड बाइ प्रेसीडेंट ये**लू**रू ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर के प्योंक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीस सं 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

अनुसूची

खुली जमीन सोमावरापाडू, येल्क्, भार० एस० नं० 49, विस्तीर्ण 0.92-1/2 सेंट्स, रजिस्ट्रीइन्त विलेख नं० 3538/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी येल्क ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकाण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8-12-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 337/82-83 श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 49 है, जो सोमावर-पाडू यूलूरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय येलूक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक ग्रंप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्इ है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ——

- (1) श्री पी० ग्रप्पारात्र पिता लक्ष्मय्या, येलूरू । (ग्रन्तरक)
- (2) दि येलूरू को-म्रापरेटिव सोसाइटी लि॰ वेस्ट गोदावरी-5 कालनी स्कीम, रिप्रेजेंटेड बाइ प्रेसी-डेट, येलूरू ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन, सोमावरपोडू, येलूरू विस्तीर्ण 1.50 सेंट्स रजिम्ट्रीकृत विलेख नं० 3536/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी येलूरू ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-12-1982

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंपराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 338/82--83--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्स निर्मात कहा गया है, की भारा 269-अ के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्व 25,000/- रु. से निधक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 83/1 है, जो सोमावर-पोड्र् येलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय येलूरू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का क्रैि16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कन्त्रप्रभासे हुन्दै किसी जान की नाजता उज्जात अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गमा वा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के उधीन. निकासिका स्वितामों, अधीतः :---- 10-436GI/82

(1) टी॰ मीनारत्नम पति सूर्यनारायणामूर्ति येलुरू।

(अन्तरक)

(2) दि० येलूरू को-ग्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लि० वेस्ट गोदावरी, कॉलनी स्कीम, बाइ ग्रध्यक्ष, येलूरू

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जबधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरै अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

खुली जमीन सोमावरपाड़, येलूरू ग्रार० एस० नं० 83/1, विस्तीर्ण 1.20 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2275/82 रजिस्टीकर्ता ग्रीधकारी येलूरू।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी प्रायक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-12-1982

तस्त्री र क्षेत्र मान वस्त

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का ≢3) की धारा २००-३ (1) ८ = वे

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० मी० न० 293/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम धारित की का एह ित्व के अधीन सक्षम धारित कि समावार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ग्रार० एस० नं० 54 है, तथा जो थोट।पोलम विजयानगरम में स्थित हैं (ग्रीर इस रे उपाबद्ध ग्रन्सूची से श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीक्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक श्रिप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान परिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और परिर्ता (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निलिशत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृदिधा के तिए; और/या

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण इ., में, उक्त अधिनियम को शारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्निकिरित व्यक्तियो, अर्थात :-- (1) 1 पीर विजयरामया, 2 पीरु मलीकार्जुन, राव दोनो भी लक्ष्मतस्वामी के पुत्र है, चीनाविधी विजयनमञ्ज

(अन्तरब)

(2) विजयनगरम नाल गेजेटेड का-आपरेटिव बिविडग सामाइटी, व्ही० प्राप्त न० 218, वाइ अध्यक्ष श्री आर० वीयल जींग पिता जॉन, विजयानगरम (अन्तरिती)

को यह सुष्पना जारी करके पृथां क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परिए क अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा अकाशन को तारांश से 45 दिन की अविधिया तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रांकित आक्तियों में से किसी यिक्ट दशाय
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बवभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्क लिसित में किए जर सकेंग ,

स्पास्टीकारण.---इसमा प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जा उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिवा १/मा हो।

अन्स्**भी**

खुर्ली जमीन ग्रारं० एस० नं० 54, थोटापालम के बाहर, विजयनगरम, विस्तीर्ण ६ 00 एकड रिजस्ट्रीहन विलेख न० 1687/82 रिजर्टीकर्ती ग्रिधिकारी विजयनगरम ।

एप० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैंदराबाद

दिनाक 6-121982 गोहर प्ररूप **काइ**ं. टी. एन. एस,-----

आयकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचन।

भारत सरकार

कार्यालय,, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, हैदराबाद

हैदरानाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निदंश स० श्राह. ए० सी० न० 294/84-83 — श्रन भूझे, एव० जेगन महाहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिल इसमें इसके पर्चात् 'उवत अधिनियम कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह व्यवसास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिनकी में स्थार एपर ने 6/8 है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (स्रौर इपसे उपाबड़ भ्रनुमूची में स्थार पूर्णस्प रे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयशड़ा में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिशिन भ्रमेल 1982

को पर्वाक्त सम्पत्ति के पंचत बाजार सूल्य ने कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरिंश की गई है और मंझे यह विद्वास कारन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एमें दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिक्षत से अधिक है और जतरक (अंतरकों) और अर्तारती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण तं हुई किसी आध की बाबय, उक्स विधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने या उससे क्चने में स्विधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरिहर था छिपाने में सुविधा की लिए;

अत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269 न्य के बिक्सरण मो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269 च की जाभारा (।) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) र्या डी॰ व्ही॰ सत्यनारायणा पिता वेकटरामय्या मोगलराजपुरम, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० व्हीं राघवय्या पिता रामथ्या, श्रष्टयक्ष मेशर्म चीटी को-ग्रापरेटिव बिल्डिंग मोसाइटी, लि० घर न० 1842, दुर्गा श्राग्रहारम, यलूर रोड, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूभना जारी करके पूर्वा अत्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया शुरू करता हु।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोब :---

- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो मी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृषारा;
- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बत्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाभ निकार में किए जा सकेंगे।

स्यध्द्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उन्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्पी

खुली जमीन श्रार० एस० न० 6-8, मोगलराजपुरम विजय-त्राडा, विस्तीर्ण 1254 चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1636/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक 6-12-1982 गोहर प्रकृत वार्षः, टी. एतः, प्रकृत------

ग्रायकर महिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्वालय, सङ्घायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० न० 295//82-83---म्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० भ्रार० एम०न० 66/1, है, तथा जो भवानी-पुरम विजयवाडा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन अभ्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्या पावा ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किसित नहीं किया ग्वा है डि--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; श्रीच/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाष्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिष्ठितयम या धन-कर भिष्ठितयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन, जनत मीधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उस्त वीधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीसिधित न्यासितां, नेपाल रू--- (1) श्री सत्यनारायणा राटी पिता लेट श्री मुखदेव राटी, विजयवाडा-1 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० व्ही० राघवय्या पिता रामय्या, श्रध्यक्ष मेसर्स वीटी को-शापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी, लि० घर नं० 1842, दुर्गा श्राग्रहारम, यलूरू रोड, विजयवाङा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब मिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त छछि-नियम, के मध्यात्र 20क में परिभाषित है; वहीं अर्थ होगा जो उस बन्नाय में दिया गया ै।

मन्स्ची

खुली जमीन ग्रार० एम० नं० 66/1, भवानीपुरम विजय-वाडा, विस्तीर्ण 1742 चौ० गज, रजिस्ट्री कृत विलेख नं० 3817/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैदरा**बाद

दिनांक *6*-12-1982 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) क्षे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन २ज. हद बाद

हेदराबाद, ादनाक 6 दिशम्बर 1982

निदेश स० ग्रार० ए० भी० ग० 296/32-83--ग्रतः मुझ, एम० जेगन, बोहन,

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रहा. से अधिक है

स्रोर जिल्ली १० 37ए/1 बी, 38/1 हु, जा पाटामाटा विजयवाडा में स्थित है (स्रौर उनके उपात्रद्ध स्रनुसूर्ती में और पूर्णक्य में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकता प्रधिकारों के कायोलय विजय-बाह्य में रिजिस्ट्रीकरण स्रोधानयम, 1908 (1908 का निर्वे) के अर्थाण अर्थल 1982

को पृशेंक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के कस्ममान प्रतिफल के लिए जन्ति को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से से किथत नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाग या किसी धन या प्रन्य अस्तिया कां, जिन्हें भारतीय जाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त जीभिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. वाई० रामहत्या बाबू पिता लक्ष्मीनारायणा (2) वाई० लक्ष्मीनारायणा पिता रामकृष्णाबाबू, सूर्यारात्र पेट. विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० की० राघवस्या दिन, रामध्या, ग्रध्यक्ष मेनर्स चीटी को-आपरेटिव बिन्डिंग सोमाइटी, ति०, घर न० 1842, दुगा ग्राग्रहारम, यलूच रोड, विजयकाडा ।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना तारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ग्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस राचना के राजपण में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणों के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्वक्षीकरण: -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और प्रदा का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

खुली जमीन विस्तीणं 3-77 सें एकर, ग्रार० एम० न० 37/1 बी, 38/ए, पाटामाटा, विजयत्राङा, 6, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7233/82 रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी विजयवाङा।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 6-12-1982 मोहर: प्रकल आहर्षे. टी. एन. एस. - - - ----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेण मं० श्रार० ए० मी० नं० 297/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269- क जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्णित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अमेपमेट नं० 13722 है, तथा जो धरसेंपती विजयवादा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवादा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के अवसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उजित वाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरम से झुई किसी जाम की बासत, उक्त गिभिनियम के जभीन सर दोने के जन्तरक के खबिल्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकते अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

गतः अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्मतिस्थित व्यक्तियों, अर्थातु :---- (1) श्री टी॰ बाला गौड, जेड॰ पी॰ चेयरमेन निजामा-बाद जिला हीमयत नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इलापुरम वेकष्या पिता रागटपा, म्रारनदेल-पेटा, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्वेगहियां करता हूं ।

उनत सम्बत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की जविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स्) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्शारा मधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वक्तीकरण — इसमें प्रभूक्त कन्दों और पूजों का, जो अक्त जीभीनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया ही।

अनुसूची

घर की जमीन, गांधीनगर, बसेंट रोड, विजयवाडा-2, वार्ड नं० 184, रेकेन्यू वार्ड नं० 8, ग्रसेसमेंट नं० 13722, श्रौर 13723, विस्तीर्ण 2937 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5513/82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (नि**रीक्षण**) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-12-1982

प्रारूप आर्ड टी एन एस. -----

आयक र अधिनियग, 1961 (1961 का 43) की भारा २५६-घ (1) के अधीन गवना

भारत तरकार

कार्याभय, महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निदेश स० ग्रार० ए० मी० न० 298/82-83-ग्रतः मुझे, एम० जेगन भोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 148/17, श्रीर 148/19 है जो य**धा**डा विणाखापटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित), र्राजस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपीत्त का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यसान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उचत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में भीवधा के लिए, और/
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था क किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री जी॰ स्त्याला पिता ग्राप्पालाप्वी यदाडा, विशाखापटनम् ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रांशिन इाविंग कोग्रापरेटिय हाऊम विल्डिंग सोमाइटी, लि० न० 1813, विशाखापटनम । (अन्तरिनी)

को यह सचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप '---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त न्यक्तियो में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपर्तित मे हितनव्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्तर निधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुल्बी

खुली जमीन ग्रार० एस० न० 148/17 श्रौर 148/19, युदाडा, विशाखापटनम, विस्तीर्ण 022 सेट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3450/82, रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी विशाखापटनम

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायका (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, हैदराबाद ।

दिनाक 6-12-1982 मोहर 🦠

प्रस्प माई० टी० एत० एत०----

माप्रकर मिनियम, 1981 (1961 का 13) की उटा २६५-४ (1) के मधीन सूचना भारत नरकार

.....

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजंन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निदेश स०आप्र०ए०मी० नं० 299/82-83--- अत मुझे एम० जेगन मोहत,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इममें इनके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की गरा ४, १-व १ । ती । सिम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका विकत वाजार पुरुष 25,000/- मपने ने प्रधिक है श्रौर जिसको स० ग्रार० एस० नं० 148/1 है जा यदाङा विशाखापत्तनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रन्सूर्च। में भौरपूर्ण रूप स वर्णित है) रिजस्द्रीकर्ती ऋधिकारी के कार्या-विशाखापत्तनम मे रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982 को पूर्वीक्स सम्यनि क उचित बाजार पूला से क्रम के दुष्यनान प्रतिकत के तिर्ध्वन्तरित की गई है मीर मुझे गर विश्वास करते हा हारण है कि यंबापूर्योक्त नागति ज उचित बाजार नृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दुश्य उत्तन प्रतिफल का पण्डह प्रतिशाप से प्रधिक रेग्नीर प्रनारह (जनारतां) तेर अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बोच रेपं प्रनारंग सं निर्मत्य पात्रा गया प्रशिक्षत, निम्तिविश्वत उद्देश्य से उक्त प्रस्तर। लिखित व बास्तविक रूप में कथिए नहीं किया गया है .--

- (के) भ्रत्नरगमे ¦६ किमी प्राय को बाबन उक्त श्रीध-नियम के श्रवीन कर देने के भ्रन्तरक के दाशिर। मैं कमी करन या उससे बचने में युविधा लिए; श्रीर/बा
- (ख) एमी किना आय या किनी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्ने भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम, या धनक रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रमोबनाथ पन्नरिती हारा कहा नहीं किन गमा था य किया जाना जाहिए या, क्रिपाने में सावधान निया;

भ्रत. श्रव, उक्त पंधतियम को धारा 269-ग के अनु-सरण मे, में, उक्त श्रधितियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अभीन, निभ्नतिर्वित्त व्यक्तिकों, अर्थात् ः—— (1) श्रा जीव ग्रवानास्वामी पिता पेदस्या यदासा विशाखापत्तनम ।

(अन्तरक)

(2) पोर्मान दूर्विम का-माणरेटिन हाउम बिल्डिंग मोनाइट। लि० न० 1813 विश्वाखापत्तनम। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके प्रवेकित समात्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपन सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) उप पूजिता के राजपात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविधि बाद में पमाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति भरीत दारा;
- (ख) इप सूचना के राजपंत्र में प्रकागत की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितवड किसी सन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा पर्कोर:

माण्डोकरण:--- इतने अयुन्त राष्ट्रः और पत्ते का, जो उक्त ग्राधि-तिपण के यहनाय २००० व परिभाषित है, बही अर्थ हो ते, जो उस अध्याय ते द्वारा गया है।

मम्स्षी

खुली जमीन श्रार० एस० नं० 148/7 यंदाष्ठा विशाखा-पत्तनम विस्तीर्ण 0.24 मेट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3449/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारं। विशाखापत्तनम ।

> एम० जेगत मोहन सक्षम प्रधिकारी सहापक आयक्त श्रायक्त (निराक्षण) प्रजेनरेज, हैदराबाद

दिनाक : 6-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रारं० ए० सी० नं० 300/82—83-भतः मुझै, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० घार० एस० नं० 148/7 ह जो यंघाडा विशाखापत्तनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्णः में घौर पूर्ण रूप से यणित है) रिजस्ट्रें।कर्ता ग्रधिकार्गः के कार्यालय विशाखापत्तनम में रिजस्ट्रें।करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भन्नैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-11—436GI/82 (1) श्रः वाई० राममूर्ती पिता पालास्वामः यंदाडा विशाखापत्तनमः ।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रोसान क्रांबिंग को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटा लि० नं० 1813 विशाखापत्तनम । (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमान भ्रार० एस० नं० 148/7 यंदाडा विशाखा-पत्तनम विस्तार्ण 0.14 सेट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3448/82 रजिस्ट्राकर्ता स्रधिकारः विभाखापत्तनम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारः सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरंक्षण) स्रजन रोज, हैदराबाद

दिनांक: 6-12-1982

प्रकृष् वार्षं. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधील मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 301/82~83— म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० न० 188/1 है जो गोलापूडी विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री हतीं अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजर्ट्री हरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमा। प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के दीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्त-किक कप से किथिन नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण में क्षुड़ किनी पाय की बादत उक्त कि। नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एमी विसी लाग कि निर्माण आक्रिया करें, जिन्हों भरणतीय र कि प्राणिश्यम, 1922 (1922 का ६४) के उक्त अधिनियस, या धन-एक अधिनियस, अक्किए (१६८७ का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तर के किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के निर्मु

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री बी० पट्टाभीराम गर्मा पिता वेषटसुब्बया गोलापुडी विजयवाष्टा तालुक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० सांबंधियराव श्रीर श्रन्य 16, 11-45-33 तथ्या वारी स्ट्रीट विजयभाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रार० एस० नं० 188/1 विस्तीर्ण 2-59-1/8 मेंटम गोलापूडी गांव विजयवाडा तालुक कृष्णा जिला रजिस्ट्री-कृत विलेख सं० 3594/82 रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी विजय-वाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक: 18-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-षु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश मं० श्रार० ए० सा० नं० 302/82-83--श्रतः मृक्षे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रा. से अधिक हैं.

श्रीर जिपकः सं ० 148/10, 11 है जो यंदाडा विशाखः पत्तनम में क्ष्यित है (श्राप इसमें उपाबद्ध श्रमुमूर्चः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रविस्ट्राइनी श्रीधकारं के कार्यालय विशाखापत्तनम में रिजस्ट्राक्षण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अर्तारत की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग लें अल्सरण मों, मों, राष्ट्र पश्चिरियम की धारा 269-च की उपकारा (1) के अधीन, निरन्तिचित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रः एन० नूक्ष्मा पिता नरसिम्हाराव यंदाडा, विशाखापत्तनमः।

(अन्तरक)

(2) श्रोसिन ड्राइविंग को-आपरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसाइर्टा लि० नं० 1813 विशाखापक्तनम । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुवा शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

खुली जम न आए० एस० न० 148/10, 11 यदाङा विशाखापत्तनम अस्तर्ण 0.25 सेट्प रजिस्ट्रीकृत विलेख ने 3446/82, रजिस्ट्रापता आधा १२ विशाखापत्तनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी पत्थिक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रुजन रोज, हैदराबाद

दिनांक 6-12-1982

माहर :

प्ररूप आई. टी एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनार 6 दिसम्बर 1982

निदेश स० आर० ए० सी० न० 303/82--83---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजिल बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी से श्रार एस न न 148/10, 11 है जो यंदाड़ा विभाग्वापत्तनम में स्थित है (श्रार इसमें उपाबद श्रनुसूर्च) में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रें कर्ता श्रिधकारों के कार्यालय विभाग्वापत्तनम में रिजस्ट्रें करण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रेष्ट 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्लम में वास्तिवक इस से किथत नहीं किया नया है:- --

- (क) अन्तरण से हई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधान कर देन के अन्तरक म दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने म प्रविधा के चिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी उन पर पत्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भ्रम, उमन पविष्तयम की भारा 269-व के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) श्री के० प्यन्ना पिता ग्रपना यदाडा विशाखापत्तनम (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोसिन ड्राइविंग को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लि॰ न॰ 1813 विशाखापत्तनम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुर्लः जर्मान आर॰यस॰न॰ 148/10,11, यंदाडा विभाखापत्तनम रिजस्ट्राङ्गत विलेख न० 3444/82 रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी विभाखापटनम विस्तंर्ण 0,36 सेट्स ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, हैदराबाद

दिनाक: 7-12-1982

मोहर .

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत लंदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सं१० न० 304/82-83--- **प्रतः** मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिनकी मं 148/7 है जो प्रदाडा विशाखापत्तनम में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूर्वः में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रं कर्ता अधिकारं के कार्यालय विशाखापत्तनम में रिजिस्ट्रं करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन अप्रैल 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि थत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूत्रिक्षा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियो, अर्थात् :---

(1) श्रं: बं:० रामराव पितापोलय्या यंदाडा विशाखा-पटनम ।

(ग्रन्तरक)

(2) क्रोमिन ड्राइविंग को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोमाइटं: लि० नं० 1813 विशाखापटनम (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त्रारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षर् के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुधी

खुलि जम।न श्रारं० एस० नं० 148/7 यंदाडा विशा-खापत्तनम विर्म्त णं 0 16 सेट्स र्राजर्स्ट्रहरू विलेख नं० 3442/82 र्राजस्ट्राक्ती ग्रधिकार्रः विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजंन रोंज, हैदराबाद

दिनांक 7-12-1982

प्रकृष काइ. टी. एन. एस.-----

आयक:र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायबर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक, 7 दिसम्बर 1982

निदेश स० श्रार० ए० सी० न० 308/82-83---अत मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० ग्राग्० एस० न० 148/7 है जो यदाष्ठा विशाखापत्तनम में स्थित है (ग्रीग इससे उपाबद्ध प्रनुसूर्चः में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय विशाखापत्तनम में रिजर्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्राप्रैल 1982

को पूर्विश्रत् सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मानास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय अवन्तर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अवः, जक्त अधिनियमः की धारा 269-गं के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपवारा (1) के ज्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रा जीव प्रापलस्थामी पिता पदय्या, यदाङा, विकाखापत्तनम् ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रोसीन ड्राइविंग की-ग्रापरीटब हाउस बिल्डिंग सोसाईटी लि० न० 1813, विशाखापटनम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **खं से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुर्ना जमान ग्रार० एस० न० 148/7 यदाङा विशाखा-पटनम विस्तार्ण 0 15 सेट्स रजिस्ट्रागुत विलेख न० 3470/ 82 रजिस्ट्राप्ती श्रीधकारी विशाखागटनम् ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोक हैदराबाद

दिना २ 7-12-1982 मोहर प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 306/82---83---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं 148/13, 24 है, जो यंदाडा विशासापटनम स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमची मो और पर्णरूप मे विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशासापटनम मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जीव वेशना नूकम्भा पिता दानव्या, यदाडा, विशाखापटनम ।

(भ्रन्तरक)

(2) स्रोसीन द्राइविंग को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोमाइटी लि० नं० 1913 विशाखापटनम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को ग्राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन के प्रकारन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास सिस्ति में किए का सकते ।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जर्मान ग्रार० एस० नं० 148/13, 24, 12 यंदाडा विशाखापटनम बिर्म्तार्ण 0 45 मेंट्स रजिस्ट्रीकृत का लेख नं० 3438/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विशाखापटनम ।

> एस० जेगन मोहन पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 7 दिसम्बर 1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 307/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० ग्रार० एस० न० 148/20 है जो यंदाडा विशाखापटनम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रशैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, गु957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा के० श्रापलास्यामं पिता श्रपन्ता यंदा**डा** विशाखापटनम्।

(भ्रम्तरक)

(2) श्रोमान इत्हिविग को-श्रापरेटिय हाऊस बिस्डिंग सोसाइटी लि० नं० 1813 विशाखापटनम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पाएँ मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्धं किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्ती अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

खुर्ला जमीन ग्रार० ए.स० नं० 148/20 यंदाडा विशाखा-पटनम विस्तीर्ण 0.41 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3460/82 रजिस्ट्राकर्ता श्रधकारीः विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, हैदरा**वाद**

दिनांक: 7-12-1982

प्रकप आई॰ डी॰ एन॰ एस॰ -

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-व (1) के भ्रधीन सुवना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० प्रार० ए० सी० नं० 308/82-83-प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से मिक है

स्रोर जिसकी सं 148/16 है तथा जो यंदाका विशाखापटनम में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद अनुसूर्य) में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक स्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दूक्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है मीच मुझ यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूक्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत प्रस्तरण किखित में बास्तिबक क्य से किंकत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण मं हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिक्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। और/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या का किया जाना जाहिए का, जिनाने में सुविधा के खिए;

ग्रतः श्रज्ञ, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के जनुसरण मं, मैं, इक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निकिश्वर व्यक्तियों, वर्णत् :—— —436GL/82 (1) श्रामं । भाटा पिता चीना साटा मंदाका विशाखा-पटनम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोसिन ब्राइविंग को-श्रापरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि॰ नं॰ 1813 विशाखापटनम । (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की प्रविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि; वो भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताकरी के पास सिकात में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टीकरण--इसमें प्रयुक्त तक्यों भीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिचाणित है, वही प्रयं होता, जो उन ग्राध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ग्रार० एस० नं० 148/16 यंदाडा विशाखा-पटनम विस्तीर्ण 0.46 सेंट्रस् रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3461/ 82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीभकारी विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सङ्कायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 7-12-1982

प्ररूप आहै. टी. एन. एस.----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 309/82-83-ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसका सं० 148/13, 21 है जो यंदाका विभाखा-पटनम में स्थित है (भीर इसरे उपावड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारा के कार्यालय विभाखा-पटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियमः 1908 (1908 का 16) के अधान भ्रप्नैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आम या किसी धन या बन्म अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् ;---

- (1) श्री श्री० श्रपालारेड्डं: यंदाष्टा विशाखापटनम । (झन्तरक)
- (2) म्रोसिन ड्राइनिंग को-म्रापरेटिव हाउस बिरिडण सोसाइटा लि० नं० 1813 विशाखापटनम। (भ्रन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज्यत सम्मन्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण :--इसमें प्रमुक्त जन्दों और वर्दों का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खूली जमीन ग्रार० एस० नं० 148/31, 21 यंदाडा. विशाखापटनम विस्तीर्ण 0.46 सेंट्स; रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3463/8 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, हैदराबाद

विनोभ: 7-12-1982

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (मिरीक्षण) प्रजनरोज, हैसराबाध

हैदराबाद, घिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 310/82-83-मतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं 148/20 है तथा जो यंदाडा विभाख।पटनम में स्थित है श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्र।कर्ता श्रीधकार। के कार्यालय विशाखापटनम में भारतीय रिजस्ट्र।करण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीवा श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिस्सित व्यक्तियों, अर्थात्:---- (1) श्री जी० पेदय्या पिता भ्रपलास्वामी यंदा**डा**, विशाखापटनम्।

(अन्सरकः)

(2) मोसिन ड्राइविंग को-भापरेटिव हाउरु बिल्डिंग सोसाइटी लि॰ नं॰ 1813 विशाखापटनम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

खुली जमीन ग्रार० एस० नं० 148/20 यंदाङा, विभाखापटनम विस्तीर्ण 0.43 सेंट्स् रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3464/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विभाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 7-12-1982

प्रकर मार्च टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निदेश सं० घ्रार० ए० सं।० नं० 311/82—83— घतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसका सं० 148/23 है जो यदांडा विशाखापटनम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूष। में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती धिधकारी के कार्यालय विशाखापटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के धर्षान धर्मेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित मे बालाचिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के निए;

जतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के बचीन निस्नितिक्त स्वक्तियों, सर्वाठ ६—— (1) श्री जी० पेदा ग्रपन्ना पिता नरसिम्हाराव, यंदाडा, विकास्त्रापटनम ।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रोसिन ब्राइविंग कोन्नापरेटिय हाउज बिल्डिंग सोसाइटी लि॰ नं॰ 1813. विशाखापटनम (ग्रन्तरिती)

का यह वृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितवव्ध निक्ती अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्विष्ठ में किए जा सकेंगे।

स्थानिक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्त अधिनिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मनुभूचिः

खूली जमीन मार० एस० नं० 148/23 यंबाहा विशाखापटनमः विस्तीर्ण 0.49सेंटस् रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3466/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकार। विशाखापटनम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मागकर मागुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

दिनांक : 7-12-1982

प्ररूप नाई. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद दिनांक 7 विसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 312/82—83— भ्रतः मुझे एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 148/17 श्रीर 18 हैं को यंधाडा विषा खा पटनम में स्थित है (श्रीर इसस उपावस अनुसूर्ध। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रें वर्ता ग्राधवारी के वार्यालय विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रें।करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री बी० पोलम्भा पति पेदय्या, यंदाडा, विशाखा ५ टनम (श्रन्तरक)
- (2) घोसिन ड्राइविंग को-घापरेटिक हाउज विरुट्ध सोसाइर्ट। लि० नं० 1813, विशाखापटनम (भन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

खूली जमीन भार० एस० नं० 148/17 भीर 148/ 18 विस्तीर्ण 0.44 सेंट्स, यंदाडा, विशाखायटनम, रिजस्ट्री-इत विलेख नं० 3467/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विशाखा-पटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-12-1982

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाध, दिनांक 7 विसम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 313/82---83---भतः मृझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है,, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 27-29-67 है जो सूर्याराव पेट, विजय-वाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारताय रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रील 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) 1. श्रीमती एम० सुब्बालक्ष्मी पति रामकृष्णाराव, हैदराबाद (2) श्रीमती ए. कृष्णाकुमारी पति कामे-स्वर राव, बंगलीर (3) श्रीमती जी० परवत-वरधनी पति सुंदराशमी हैदराबाध।

(ग्रन्सरक)

(2) (1) के० श्रीनिवासा चक्रवर्ती (2) के० राजेंद्रा सीतारामापूरम, विजयवाका ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुची

षर संपत्ति षर नं० 26-29-67 सूर्यारावपेट, विजयवाडा, प्रथम तल 3353.242 आर० सो० सो० रुफ० 63 चौ० फूट, एसी० फीटस् रुफ पहीसी मंजील 96 चौ० फूट, प्रार० सी० सी० रुफ 1743 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3352/82. रजिस्ट्रीकृती प्रक्षिकारी, विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारीः सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 6 दिशम्बर 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 371/82-83:--- भतः मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी भूमि है. जो कलूरू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय करनूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रीत

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेत्र्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :---

(1) श्रीः जे० परमेस्वरङ्कृ पिता जे० नारायणः 46/ 378 बूंधवारपेट कर्नूल ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स श्राबिद ट्रेडर्स मैंनेजिंग पार्टनर एस० रामधा करनूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, कल्लूर गांव, विस्तीर्ण 1.50 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1461/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी कर्नूल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-12-1983

प्रकृप भाषां, टी. एक, एस.—

मायुकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैधराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी०नं० 372/82-83:---ग्रतः मुझे, एस० जेगनमोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- द के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसका भूमि है जो कलूरू में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय करनूल में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनयम् 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कवित नहीं किया थवा है हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/श
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जे० इस्बराम्या पिता बिरन्ना, बुधवार पेट करनूल ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं पर्स स्नाबिद ट्रेडर्स मेनेजिंग पार्टनर एस० रामया, करनूल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विस्तायों में से किसी स्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्यक्षीकरण:----इसमें प्रमृक्त सम्बों और पदों का, को उथत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुवा है।

नगराची

भूमि कल्लूरू गांव करनूल जिला विस्तीर्ण 1.50 सेंटस सर्वे नं० 678, 444, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1462/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कर्नुल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सक्षयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज , हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1982

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैक्षराबाद

हैपराबाष, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 373/82-83:—— धतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचान किन्नु प्रसिद्धियम, अलगारा है) की धारा 289-स

अधिकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास इरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/-इपए से श्रधिक है

श्रीर जिसको सं ० भूमि है तथा जो कल्लूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय कर्नूल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप म कथित नही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----मोहर:

13-436GI|82

- (1) श्री ए० रामेश्वर ग्रप्पा ग्रीर ए० बोजेस्वराप्पा 46/283 ए ग्रीर बी, बुधवारपेट कर्नूल जिला (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स लेपाक्षा ईस्टेट ट्रेडर्स मैनेजिंग पार्टनरः श्री वाइ० ग्राला रेड्डो, 66/45, कोटा, फर्नूल (ग्रन्सरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

भूमि कल्लूर गांव विस्ती,र्ण 1.50 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1456/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कर्नूल ।

> एम० जेगन मोहन स्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1982

प्रकप काइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदरावाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेण सं० ग्रार्० ए० मी० नं० 374/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

अर्गार जिसकी सं० भूमि है, तथा जो दल्त्य में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय् की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री जै० परमेस्वरुलू पिता जे नाराग्रणा, 46/ 348 बुधवारपेट कर्नूल

(भ्रन्तरक)

(2) कर्नृल डिस्ट्रिक्ट गवर्नमेट एम्प्लःयज वेल्फेयर एसोसिएशन श्रष्ठयक्ष के० पदस्या कर्नूल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 10.83 सेंटस करुलूरू गांव बिलेख नं० 1358/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वर्नुस ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक · 14-12-1982

प्ररूप आर्द. टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन तुचना

भारत स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक भायकर धायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेण सं० भार० ए० सो० नं० 375/82—83— अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

श्रीर जिनका में ० भूमि हे जो कल्लूर गांव कर्नूल में स्थित है (श्रीर इसमें उगाबद अनुसूच। में श्रीर पूर्णेख्य से बणित है). रजिस्ट्रींकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिक्ट्रींकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्त- विक कप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई निश्ती शाव की नावत उक्त विध-विवय के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कट्टने ना उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; बॉड्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 कि 11) या जनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- (1) श्री ए० रामेस्वराष्पा ग्रीर ए० बाजेस्वराष्पा 46/283 ए० ग्रीर बो० बुधवार पेट कर्नूल। (अन्तरक)
- (2) मौसर्स छेपाक्षा इस्टेट ट्रेडर्स मैनेजिंग पार्टनर श्री बाइ ग्राली रेड्डी 66/45 कोटा कर्नूल। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समार होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित् में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कल्लूर गांव विस्तीर्ण 1 एकड़ रिजस्ट्रोइत विलेख नं० 1341/82 रिजर्स्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी कर्नुल ।

> एम० जेगन मोहन ंसक्षम श्रधिकारं। सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज हैवराबाद

दिनांक : 14-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० भूमि है जो कल्लूर गाव में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री पी० रामाचंद्रारेड्डी पिता स्वामी रेड्डी दीनेदे-वरापाडू

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स लेपाक्षी इस्टेट ट्रेडर्स मेनेजिंग पार्टनर श्री वाई० मार्ला रेड्डी, 66/45 कोटा कर्नूल (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वज्स्वी

भूमि कस्लूर गांव विस्तीर्ण 1 एकर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1340/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कर्नूल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1982

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सो० न० 377/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं अभूमि है तथा जो कल्लूर गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्र -कर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मैं नम्नीलिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक कप से कीयत मृतीं किया गवा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचुने में सूत्रिभा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

बतः अब, **स्वतः अधिनियम की धारा** 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री जार दाना रेड्डा पिता संर्जावा रेड्डा दीमेदेव-रापाडु गांव कर्नूल जिला ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं छेपाक्षा इस्टेट ट्रेडर्स मैनेजिंग पार्टनर श्रावाइ द्याला रेड्डा 66/45 कोटा कर्नूल । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्मध्योकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भूमि कल्लूर गांव विस्तीर्ण 2 एकड़ रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 1339/82 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कनूल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाव 14 दिसम्बर 1982

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ममीदाला गाव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्ट्यी कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिजर्ट्य करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन अप्रैल 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अध्यत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या ग्रम्थ भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या घन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब., अवस अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-मृक्ती सपुधारा (1) भे सुभीन, निम्निलियित व्यक्तियों,, वर्षाण् (1) श्री पी० नागलक्षमम्मा पिता कंडुकूरी यलय्या पेदपाडुगाव कन्नूल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा ग्रार० राजाम्मा पति ग्रार० जयराजू मम।-दाला गाव स्तानतीन पूरम कर्नूल तालुक। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्त्रव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कमे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कल्लूर 103 सर्वे० न० विस्तिणं 3.70 सेंट्स रिजर्स्ट्राकृत विलेख नं० 1561/92 रिजर्स्ट्राकर्ता ग्रिधिकारी कर्मुल ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, हैदराबाद

विनादाः 14-12-1982

मोहरः

प्रकप आई. टी. एस. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं भ्रार० ए० नी० नं० 379/82—83— भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिलस्ट्रा-कर्ता श्रधिकार। के कार्यालय वर्नूल में भारतीय रिलस्ट्रिवरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के द्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार पूर्य में कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से श्रीधक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अतरितियों) के बांच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियन नहीं या गया है।——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

क्षतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ६० यल्ला गौड पिता श्रायन्ना गौड जोहरा-पूरम कर्नूल जिला ।

(अन्तरक)

(2) मसर्भ श्राविद ट्रेडर्स मैनेजिंगपार्टनरस श्रा सी० राजणेखर ।

(श्रन्तिरती)

को यह तुषना थारी करके पृवॉक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाजन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य त्यक्ति ख्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गणा है,

अनुसूची

भूमि कल्लूर गांव, विस्तीर्ण 1-50 एकड़, रिजस्ट्रीइन विलेख नं 1556/82 रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारी कर्नूछ ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-12-1982

प्ररूप आर्ब. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 380/82-83----भ्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अभि है जो सथा कल्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस प्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधेन श्रिर्ण विश्वी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, स्वक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री जे० इश्वरय्या पिता वीरन्ना 46/518 बुधवारपेट कर्नूल टाउन ।

(अन्तरक)

(2) कर्नूल डिस्ट्रिक्ट गवर्नमेंट एम्प्लायज वेलक्षेयर एसोसिएशन 40/58 ए बंगारूपेटा कर्नूल । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि कल्लूर गांव कर्नूल विस्तोर्ण 10.85 एकड़ रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1777/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कर्नूल ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारीः महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-12-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैयराबाद

हैदराबाय, दिनांक 14 विसम्बर 1982

निदेश सं० प्रार० ए० सी० नं० 381/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कल्लूर गांव में स्थित है (श्रौर इससे जपाब अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रो-कर्ना ग्रिधिकारों के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छ्रमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरणं लिखित में वास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---14—436GI/82 इ० यलय्या गौड,
 69/505, जोहरापुरम, पोस्ट श्राफिस,
 कर्नूल तालुक ।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स वेंकटाड़ी ट्रेडर्स,
मैनेजिंग पार्टनरस
सी० राजसेख भौर भ्रन्य
43/91, एन० भ्रार० पेट,
कर्नुल ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शूरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि कल्लूर गांव विस्तीर्ण 1 एकड़, 41 सेंट्स, रजिस्ट्री-कृम विलेख नं० 1728/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कर्नूल।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 14-12-198)2

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिमम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिन्न ही स० भूमि है तथा जो कल्लूर गाव में स्थित है (स्रौर इपने उराबज अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) र्िजस्ट्री हर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाह स्रत्रेंत, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्निवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री जे० श्राय्य राजू, पिता जे० सी० बसाप्पा, घर नं० 40/421-39, भास्कर नमर, कर्न्ल ।

(भ्रन्तरक)

 न्यू वेंकटचलकी ट्रेडर्स, मैंनेजिंग पार्टनर : के० गुरुवय्या, शाप नं० 29, एस० व्ही० सी० एस०, बाजार, कर्नूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु^क।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

भूमि कल्लूर गांव विस्तीर्ण 0.45 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1717/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कर्न्स।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैबराबाद

तारीख: 14 विसम्बर, 1982

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सञ्जयक भायकर बायुक्त (निरीक्तक)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 383/82-83—म्रातः मुझो एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कर्नूल में भारतं य रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रिपेस. 1982

को पूर्णेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्ता उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्ता प्रतिफल का पन्ता प्रतिफल का पन्ता प्रतिफल से अधिक है 'और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत बन्तरण लिखित में बाद्यविक हुए से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उचत अधिनियम के बंधीन कर दोने में बन्तरक के यायित्व में कमी फरणेया उससे बंधने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में सूचिया के लिए:

क्षः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के क्लूबरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्रीसती कोतंबी पित फकीर ग्रहगद और अन्य 7, 11/116, पेटा, कर्नुल ।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स श्री विनायक ट्रेडर्स, मैंनेजिंग पार्टनर : एस० जी ग्रमरनाथ, 67/90, कोटा, कर्नूल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कित व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि कल्लूर गांव, विस्तीर्ण 80 सेंट्स, रजिस्ट्री इत विलेख नं० 1695/82, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी 1695/82।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14 दिसम्बर, 1982

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 384/82-83--श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कल्लूर गांव में स्थित (श्रौर इसमे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रेप्रैल, 82 को पूर्वों क्स सम्परित के जीवत बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

वतः अव, उक्त वीधीनयम की भारा 269-म के वनुसरण मों, मीं, उक्त विधिनयम की भारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती कोसंबी पति फकीर श्रहमद और श्रन्य 7, 1 1/116, पेटा, कर्नूल ।

(भ्रन्सरक)

2. मैंसर्स श्री विनायक ट्रेडर्स, मैंनेजिंग पार्टनर, एस० जी० श्रमरनाथ 67/90, कोटा, कर्नुल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्त्वयों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि कल्लूर गांव विस्तीर्ण 80 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख न॰ 1621/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कर्नल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैकराबाद

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैधराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश० भार० ए० सी०नं० 385/82-83--भातः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कल्लूरु में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भिधकारी के कार्यालय करनूल में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक भ्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जे० परमेस्वरुडू पिता जे० नारायणा 46/348 बुधवारपेट करनूल ।

(ध्रन्सरक)

 मैसर्स घ्राविद ट्रेडर्स मैनेजिंग पार्टनर : एस० रामया 67/21 कोटा करनूल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

भूमि कल्रु गांव रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1520/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी करनूल विस्तीर्ण 1.50 सेंट्स ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद विनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 386/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमी है तथा जो कल्लूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कर्नूल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक भ्रत्रैल 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की यायता, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्निनिष्ठित स्वितियों, अर्थाव्यक्त श्री जै० इस्वरय्या पिता वीरन्ना 46/518 बुधवारपेट कर्नूलः।

(मन्तरक)

 मैसर्स भ्राविद ट्रेडर्स मैनेजिंग पार्टनरस : एस० वेंकटरामय्या 67/21 कोटा , कर्नुल ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हैं।

उक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी हा से 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

भूमी कल्लूर गांव विस्तीर्ण 1.50 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1519/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कर्नूल।

> एम० जेंगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, हैदराकाद

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 विसम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 387/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 11-4-6-51 है, जो लकडीका पुल, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैं स, 1982

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन सा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

१ श्री मीर **प्रहमद घली खा**न नं० 1**7 घाली घास्कर** रोड, बगलौर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री भनवर बाली और भन्य 8, बी-177, ग्रेटर कैलाश, नई दिस्सी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यम्नाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर मूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्फटीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भर नं 11-4-651, लकड़ी का पुल, हैदराबाद , रजिस्ट्री-कृत िषलेख नं 734/82, रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीज 14-12-1982

प्रक्प बाइं. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक भावकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदेश सं. श्रार० ए० सी० नं० 330/82-83—श्रतः मुझे रुम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

जिसकी सं० फ्लट है, जो श्रीनाथ काम्पलैक्स, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक श्रील, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप स किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संसुदं किसी थाय की वायत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ग को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती प्रभावती पति शशीकान्त कारसोनजी, सब्सीटीयन रोड, सिकन्दराबाद।

(भन्सरक)

2. श्रीमती शोभा रमेश चूगानी, पति रमेश चूगानी श्रीमती श्रनीता लक्ष्मन चूगानी पति श्री लक्ष्मन चूगानी 15 जनरल बाजार, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजाण में प्रकाशन का तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 404, श्रीनाथ कम्पलैक्स, सरोजिनी देवी रोड, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 305/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 2-12-1982 मोहर :

बुक्य बार्च. टी. एन. एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 331/82-83— धतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर श्रटीतोटा है तथा जो नंसौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में गौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नेसौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात उद्देश्य से उन्त अंतरण निष्ति में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- .(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में न्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिकित क्यक्तियों, अर्थात्:---15---436GI/82

 श्रीमती पी० पद्मावती केन्नरमाफ पी० श्रीनिवासूलू पद्मा टेक्सटाइल्स, भ्राचारी स्ट्रीट, नेलौर,-520 001 ।

(भ्रन्तरक)

 श्री वाई० वानुवेल नारायण रेड्डी, केश्वर श्राफ वाई० काता रेड्डी,
 20/10, राजागरी स्ट्रीट,
 मूलापेट नेलौर-524 003

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सुम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शह लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाका करण :----इसमें प्रयुक्त शृज्यों और पर्वों का, थी उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में विवा गया है।

अनुसूची

घर नं 0.16/450, भ्रणीयोटा श्राग्राहारम, नेलौर-0.524001, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 0.1430/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी नेलौर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंग, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० प्रार्थ ए० सी० नं० 332/82-83--प्रत मझे, एम० जेगन महिन,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नेलीर में स्थित है (चीर इसमें उपाबद्ध सन्सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्र -कर्ता स्रधिकारी के ायिलय नेलीर में रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांत स्प्रीत 1982

को पूर्वितन संपन्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई हैं और स्पृष्ट गह विश्वास करने का कारण है कि सथापवीक्त संपन्ति की उत्ति । बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितित्वत उद्दश्य में उद्दर्भ जनरण लिखित में वास्तविक रूप में किंपत नहीं कि या गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मिगों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलाने को ग्विका के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुभरण मो, मी, उत्त अधिनियम की धारा 269-ए जी उपनारा (1) के अधीन, निम्निणिषित व्यक्तियों, अर्थात् .---

 अध्यतः एच० वरलक्ष्मा पति आ एच० यनदय्या आएम० राज्योखरम पिता आ एच० यनदय्या, पाटेखलपेटा, नेर्णांग ।

(भ्रन्तरक)

2. थ्री: इ.० बालरामारेष्टु, पिता नरायना रेष्टु थ्री: इ.० तारायणा रेड्ड पिता इ.० सुधाकर रेड्ड मानम, नेलौर ।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपण मा प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविधि या तत्मंबिंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्रंस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (म) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षण के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी नेलीर बाट एक मी०ए एस० नं० 539 विस्तार्ण, 2202 चौ० गज, रजिस्ट्रीन विलेख नं० 1544/82 रजिस्ट्रीन कर्ता अधिकार नेलीर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायय प्रायकप क्रायक्त (निर्रक्षण) क्रजन रेज, हैदराबाद

नार[ी]ख : 4-12-1982

मोहर ,

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश में० श्रार्व एवं मंद्रवर्ग 333/82-83—स्तः मुझे, .एमव जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसके स० घर है जो णोधन नगर नेलीर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूच में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नेलीर में रिजस्ट्रीयरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अल्लिन की गई हैं और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में एमें द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीयन व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रः प्रयोपतः सुब्बारामय्या पिता सुब्बटयः, सोधन नगरः, नेलीरः।

(ग्रन्तरक)

 श्रः रामधेनु जगनमोहना राव पिता सुर्या राव पांगाटोटा, नेलीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना क राज्यक्ष मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अब्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

घर संपता घर नं० 1227/13 सो, साधन नगर, नेलौर, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1187/82, राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी नेलौर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

नारीय: 4-12-1982

प्रकृष् वार्षः दीत् एवतः **एक**्-----

भावकर अधिनिय्त, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर, 1982

्र निदेश सं० ग्रार० ए० सं१० नं० 334/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति वाबार मृस्य 25,000 रंज से विश्व हैं

भौर जिसको सं० राइस माल है, जो पालकृतीं, गाँव में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय करी मनगर, में रिटर्स्ट्र दरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्जेल 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से काम के रूर्यमान प्रतिफस के सिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वात करने का कारण है कि समापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूस्च, उसके रूपमान प्रतिफल ते, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का धनदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक क्य से अधिक नहीं किया ज्या है :--

- (क) जन्तरण में हुए किसी बाब की बाबत, उक्त वर्षितियम के जमीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कभी कर्म या उससे बचने में सुविधा के सिए; माँद/या
- (क) देसी किसी भाग या किसी घन वा जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जृषिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के किए;

बरु: कव, उपरं जीवनिष्य की भाष 269-न के जनुकरन में,, में, उपरं व्यक्तियम की भाष 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निक्तिविद्या व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रा पोटलूर बेंकटा पापस्या पिता नारायणाप्पा, अगुट्द गनावरम तालुक, जिला कृष्णा।

(भ्रन्सरक)

 श्री पी० बापू सेट्टी, पिता राजेशम और अन्य आठ पालकूर्ती पेदापरेली तालुक, जिला करीम नगर।

(श्रन्तरितो)

को वह सूचना भारी करके पूर्वों क्य सुन्तिक के नर्धन के सिए कार्बधाहियां करता हुं।

उक्त संबत्ति के अूर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध याद को जनाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरणः - इतमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवक के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसुची

राइस मील पालकुर्ती गांव धर नं० 9~71 पेदापल्ली ताल्लुक, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 1505/82, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो करीमनगर।

एम० जेगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीव : 2-12-1982

मोह्नर:

प्रकथ ग्राई० ढी० एन० एस०---

नायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के समीन सूचना

भागस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० श्रार० ए०सी० नं० 335/82-83--- अत. मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर मिलिनम, 1961 (1961का 43) (जिले समें इसके परचाल् 'उन्दे अधिनिमा' कहा मया है), की धारा 269-ख के भाषीन सक्तम प्राक्रिकारी को, यह िश्वास करने का कारण है कि स्वावार सम्पन्ति, जिलका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- कव से मिलक के

स्रोर जिसकी स० भूमि है तथा जो वेस्ट मारेडपल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भदनाक अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिये जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण ट्रिंग यथापूर्वेक्त पश्यति प्राविधिक द्वारामा मूल्य, उसक दूशर राज प्रतिकल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का पश्यद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरन (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे ऐसे सानम्य के जिट्टार पाया गया प्रतिकाल रिस्तित राज उद्देश्य प उसक अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की बाधत, सक्त जिथ-नियम के जधीण कर दोने के जंतरक के दायित्व के कमी करने या उत्तर्ध ब्यने में सूविधा के स्मिए; जीइ/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय नायकर विजिन्छन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

असः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिरिक्त ज्यक्तिकों अर्थात्:—

1 श्री बी० के० शेश पिता बी० कृष्णा भ्रायंगार, कृष्णा भन्न, मोरेडपल्ली, शिकत्वराबाद।

(ग्रन्तरक)

2 सिडीकट बैक एम्पलाइन हार्जामग सोसात्टी. पी० एण्ड टी० कोलोनी,, पोस्ट गङ्डीश्रनारम, हैदराबाद-500 660 ।

(भ्रन्तरिती)

को या गुरता सरो सरके पूर्वोस्त अपनि के **मर्ज**न के लिए कार्ये**शक्षि**मी करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को लाराख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जन्द में समस्त होती हो, को भीतर प्वक्ति स्थानस्त होती हो, को भीतर प्वक्ति स्थानस्त होती हो,
- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की अरीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर बंगिस्त में हित-बद्ध किकी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कि में कि में कि में

स्थव्योकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो बा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

खुली जमीन विस्तीर्ण 5412 चौ० मी० सर्वे नं० 17 से 20 श्रीर 22 से 23 मारेडपल्ली वेस्ट सिकन्दराबाद कंनटोमेंट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2861/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद, ।

एम० जेगन मोहम सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 2-12-1982

भोहर:

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेण सं० त्रारु ए० सी०नं० 336/82-83—- प्रन मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं अमि है तथा जो वेस्ट मारेडपल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपातक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीनर्का श्रीधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 श्रा 16) के श्रधीन श्रश्रेल, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखत उद्ववश्य से उक्त बंतरण लिखत में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मे, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात .——

- श्री वी०के० श्रीनिनस, 3-9-105, कृष्णा भवन, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. सिडीकेट बैंक एम्पलाइज हाऊसिंग सोसाइटी पी० एण्ड टी० कालोनी, पास्ट गङ्डीग्रनारम हैदराबाद-500 660 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

ननुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5412 चौ० मी० सर्वे न० 17, 18, 19, 22, ग्रीर 23 कृष्णा भवन, वेस्ट मार्ग्डपल्ली, सिकन्दराबाद, कोंटेंनमेंट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2862/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकिशरी, हैदराबाद ।

एम० जेगन भोहन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरानाद

तारीख: 4-12-1982

प्ररूप आई टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 2 दिसम्बर, 1982

निदेश स० श्रार० ए० सी० न० 337/82-83---यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लेट है तथा जो बेगमपेट, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्णरूप विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरेण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रीर्थल 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—- मैंसर्स दीलू भ्रपार्टमेंटस बाई श्रीमती दीलधर बान, धर नं० 4-1-877, तिलक रोड, हैदराबाद !

(ग्रन्तरक)

2 श्री श्रोमर हादी पिता श्री एम० ए० हादी.
20, मे० फेर, चर्चगेट, बाम्बे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी किए जा सकेगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसची

फ्लेट नं ० ए 2 दील श्रापार्टमेट्स वेगमपेट सिकन्दराबाद, र्राजस्ट्रीकृत विलेख न ० 2837/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मीहन सक्षम ऋबिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज हैदराबाद

तारीय: 2-12-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 2 दिसम्बर, 1982

निदेश जिसकी स० ग्रार० ए० मी० न० 338/82-83---ग्रतः मझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के जधीन रक्षम प्राधिकारी को बहु विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुख्य 25,000 ∕- रा. से अर्थिक हैं"

भौर जिसकी सं० 6-3-879 भौर भौर 879/वी, बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची के अगर जा पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनाक मप्रैल, 1982

को पृवाित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यभापवींवत संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि।तया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण लिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से **हुइ किसी नाम की गाम**त, उनक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिवधा के लिए: और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. फिपाने में स्तिधा के लिए.

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियो, अर्थात् ---

1. श्री जी० पुल्ला रेड्डी श्रीर भ्रन्य बारह, 11-5-452, रेड हील्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैगर्स कस्तुरी ग्रौर सन्स लि०. 859 ग्रीर 860 कस्त्री बिल्डिंग्स, श्रन्ता सनाई माऊट रोड. मद्रास-600 002

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओं :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी क्येक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 6-3-879, श्रौर 879/बी, विस्सीर्ण 5622 चौ० गज, श्रोर 2820 चौ० गज बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्टीकृत विलेख नं० 3114/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> ण्म० जेगन मोहन ैसक्षम श्रक्षिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० आर ए० मी० नं० 339/82-83—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० आफिस है तथा जो रानीगंज, सिंकन्दराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वाल अधिक हूँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २,69-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २,69-ए की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---16---436GI/82 मैसर्स बाबू खान बिल्डर्स, 5-4-86/92, रानी गंज, मिकदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हिन्दुस्तान टूबलेट्स, फार्मेसीटीकल, मैन्युफैक्चर्स, नाचाराम हाय रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत,र उक्त स्थावर सम्पित्त में हित-बद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 332 और 333 करीम ट्रेड सेंटर, रानीगंज, सिंकदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3024/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 2-12-1982

प्ररूप आहुर.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर, 1982

निदेश म० आर० ए० मी० नं० 340/82-83—अतः, मझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु0से प्रधिक है

और जिसकी म० 5-2-183 है, तथा जो आर० पी० रोष्ठ, सिकदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

का प्वोंकत सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नत मे वास्तिवक रूप मे कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त सधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करतेया उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जाना चाहिये था, हिपाने में मिविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग को अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री रमेशचन्द्रा प्रेम जी पिता प्रेम जी लाल जी, 6-3-63, पजागृष्ट्रा, हैदराबाद-500 034।

(अन्तरक)

2 मैंसमं के० टी० असोमंत्ट्स, 5-2-183 और 5-2-184, राष्ट्रपति रोड, सिकदराबाद।

(अन्तरिती)

को **यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए** कामवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृत्यता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाश्रम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की नारोष्ट्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1878 55 चौ \circ ृगज, एम नं \circ 5-2-183 और 184, राष्ट्रपति रोड , सिकदराबाद , रजिस्ट्रीकृत विलेख न \circ 322/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकदराबाद ।

एम ० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 2-12-1982 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 341/82-83 —अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० पलाट है जो कलामेनशन एम० डी॰ सिकदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य म कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुफे यह जिश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से इर्ड किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (स) एंसी किसो आय या फिसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः मस्, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिबित् व्यक्तियों, अधीतः—

 श्रीमती विजयालक्ष्मी पति श्री एन० कृष्णा मूर्ति, धर न० 1-1-711/ए, सद्गुक्कृपा, गांधीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्री ताहीलराम जेसा राम पिता जेमाराम,
 टी० श्री चाद पिता ताहीलराम,
 7-2-187, घासमंडी, सिकदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त रुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाज्य आधा भाग फ्लेट,ब्लाक नं० 1, फ्लेट नं० 602, 5 वीं० मंजिल, विस्तीर्ण 750. चौं० फुट, एम० नं० 1-2-257 और 261. सरोजिनी देवी रोड, सिकदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 357/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख**: **2-**12-1982

प्रकृष बार्च.टी.एन.एस.------

नायकर श्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 342/82-83—अत:मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1-2-257 है जो एम० डी० रोड, सिकदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अपिस्तयां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधित्ः—

- श्रीमती वसंता (प्रीया नाम से भी प्रसिद्ध है),
 पित के० राम मोहन,
 1-1-711/ए, सद्गुरुकृषा, गांधी नगर,
 हैदराबाद।
 (अन्तरक)
- श्री ताहीलराम जेसाराम पिता जेसाराम,
 टी० श्री चांद पिता ताहीलराम,
 7-2-187, घासमंडी,
 सिंकदराबाद । (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धे व्यायनयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना कं राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरण -- इसमें प्रयुक्त जन्मी कौर एवा का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

अविभाज्य आधा भाग, फ्लेट नं० 602, 5 वीं मंजिल, विस्तीर्ण 750 चौ० फीट, एम० नं० 1-2-257 और 261, सरोजिनी देवी रोड, सिंकदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 358/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिंकदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-12-1982

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर श्राष्ट्रातथम, 1961 (1961 का 43) की धारा ...30-ध(1, है प्रधील सुकता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्यः 1962

सर्वे आर्याप्रकृतिकार्वे । अ/82~ त.उ——श्रवः मुले एमर्वे जेगन मोहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त मांभनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का

25,000, रिंस से अधिक ही

ब्रार जिसकी गं० 1-2-257/261 ते जो एया जीत राह, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (ब्रार इसमें उपावद प्रमुखं में ब्रार पूर्ण क्य से विणित है), रिजिन्हीकक्ती अधिकारों के कर्कार सिकन्दराबाद में रिजिन्हीकरण पश्चित्यम 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन अपैत, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के डिनिट बाजार मुख्य से उप के डिएएअन प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है आर गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हो और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रीत-फल, निम्बलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक के बारियरंग में कमी करने या उससे बनने में सृविधा के लिए: और/मा
- (स) एमी किसी बार या किसी धन या अन्य अस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्ति र्यारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के जिल्हे

अतः ब्रह्म. उन्त अधिनियम की धारा 269-य की, अन्सरण जों, मी उन्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के संधीत निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थातः--

- (1) मैसर्स उमाकरन तेजकरन S--2-547 बंजाराहील्स्, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० ग्रार० माधुर 1-2-18/14/7 शामनगर, ग्रापोजिट पालि टैंकनिक हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को ४ह सूचेना जारी करके पुर्वेक्ति सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षोप.-

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन को तारी का कि 45 दिन की अविश्व या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त का कि कि की की भी में कि कि जो की की कर गा
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 15 दिन के भीतर प्रकारणातर स्मानित में विद्याद्ध किसी अन्य पिक्त द्यारा, अबोह्नादिसी के पास निस्ति में किए जा स्कोगे।

स्पध्नीकरण—=इसमा प्रमुक्त शब्द। और ५द। का, जा अक्त अधिनियस को सम्याय 20-क मी हिस्साबित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया हाँ।

वनुसूची

प्रेमीमेस नं० 1-2-257/261 एस०डी० रोड, सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 379/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**ः 2–12–1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश स० आर०ए०सी० नं० 344/82-83—-श्रन मुझे, एम० जेगन मोहन

न्नायकर न्निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या खुली जमीन है जो शशाधारी स्ट्रीट कवाली में स्थित है, (ग्रॉर इससे डिपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कवाली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रिप्रैल, 1982

को प्वेंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निक्नितिस्तित न्यक्तियों, नर्भात् :-- (1) कोटी रेड्डी विष्ण्पिया, पिता मलीकार्जुन रेड्डी पालक श्रौर पिता श्री मलीकार्जुन रेड्डी, 1 वार्ड, कवाली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो पून्रक हेमावनी पति रंगारेड्डी ग्रौर ग्रन्य तीन रुद्राकोटा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, पे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्षत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गवा ही।

जन्सूची

खुली जमीन शशाचारी स्ट्रीट कवाली मुनीसीपालीटी बीट 11, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 448/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कवाली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-1982

प्रकृप आइ. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 345/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो शशाचारी स्ट्रीट कवाली में स्थित है (श्रीर इमने उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कवाली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत तारीख श्रील, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफस का पंचह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफस, निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफस, निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफस, निम्नितियां उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्याना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कथीरेड्डी मलीकार्जुन रेड्डी पिता बैंकटरेड्डी 1 ला वार्ड, कवाली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पून्क हेमावती पति रंगारेड्डी ग्रौर प्रत्य तीन रुद्राकोटा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मन्सची

खुली जमीन शशाचारी स्ट्रीट कवाली मुनीसीपालीटी, बीट 11 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 447/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी कवाली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 4-12-1982

प्ररूप श्राई० टी• एन•एस०----

स्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1991 का 43) की धारा 269व(1) ८ अीन सूबना

भारत मरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज; हैदराबाद

हैदर।बाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

सं० म्रार० ए० सी० नं० 346/82-83--म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

स्रोर जिसकी स० खुली जमीन है,जा शशाचारी स्ट्रीट कवाली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कवाली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रिष्ठेल. 1982।

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफन के लिए अपारित की गर् है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उपक पुण्यमान प्रतिफत ने, ऐने बुश्यमान प्रतिक्त का उन्तर परितर विश्व के और अन्तरक (अन्वरको) प्रोर भन्तिया (यन्तरितिणों) के बाव ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिकृत निम्मलिति पहेंक्य से स्वक्त भन्तरण लिखन में वास्तरिए कर के विष्ट के लिए हर है जिस हर है

- (१) प्रत्तरम में हु[†] किसो आय को बाबा, उक्ष भाध-नियम के अधीन पर के के अलादक के दाधित्व में कबी करन या उपने बचने में मुविधा के लिए, बीद/या
- (खा) ऐसी किसी ब्राय या किसी वन या सम्य आस्तियों को, कि नारती काम स्व अधितियम, 1922 (1942 में 11) या उस्त प्रश्चित्तियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंभा या गर किया जाना चाहिए था, छिपास में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्रीमती कथं रेड्डी सरोजम्मा पति वेंकटरेड्डी, 1स्ट वार्ड, कवाली ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुन्क हेमवती पति रंगारेड्डी श्रौर श्रन्य तीन स्टाकोटा ।

(भ्रन्तरिती)

को पह सूबका बारी करक इबौकर उन्छोत के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करना है।

उक्त सम्बन्धि के प्रचीत के प्रस्तन्त्र में कीई भी याखेंप :--

- (क) उत्त पुंचतः । गागत नं रागमत को ताराख से 45 जित का प्रति गाँ प्रकारी क्यक्तियो पर पूजता की सानोत के 30 दित को पर्काट, को भी अरिध चाद संसम्भव्त होती जो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुत्राः के राजात्र पंत्रकाणन की नारीख सें 45 दिन के जीतर प्रश्त स्थावर नम्पत्ति में हितबब किमा प्रता कारित हार। ज्यांत्रस्तआरी के पास लिखित में किए जा महेंगे।

म्राज्डोतरणः ---इनमें श्रयसर णङ्गी परेश पर्धा गा, जो जकत स्रक्षित ित्रमा के बध्धास 20-क ग्रीपरिमाणिया है, वही पा होगा, जो तम अध्याप में दिशा गया है

अनुसूची

खुली जमीन शशाचारी स्ट्रीट कवाली बीट सेंकेन्ड, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 451/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी कवाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन, रेंज हैदराबाद

तारीख: 4-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रजीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

सं० म्रार० ए०मी० नं० 347/82/83—म्ब्रनः मुझे, एस० जेगन मोहन,

म्रायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अत्रीर सन्नम अधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मृत्य 25,000/• वपये से प्रिष्ठिक है

भौर जिसकी सं० खुर्ला जमीन है, तथा जो गणाचारी स्ट्रीट कवाली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकार। के कार्यालय कवाला में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अभैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिंबत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृहो यह विश्वास करने तो कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से धिषक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के श्रीच ऐसे अन्तरिण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य मे उक्त अन्तर्ग लिखित में शस्तिवह इप से किया वया है:—

- (क) मन्तरण सं तुई किसी भ्राय की बाबत धनत प्रक्रि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिख म कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के सिए । भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रिविनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त प्रविनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः त्रम, उक्त श्रीकिनियम की धारा 269-म के सन्धरण में, में, उक्त प्रतिविद्यम की घारा 269-म की उनकारा (1) क्रो अपीतः, निम्नसिम्बु ब्युक्तियों , व्यक्ति ह— 17---436 QI/82 (1) श्रामतः कथारेड्ड। सीतारेड्डः पति मलीकार्जुन रेड्डः 1स्ट वार्ड कावली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो पुन्ह हैमबर्ता पति रंगारेडडं। श्रीर श्रन्थ तीन रुद्राकोटा ।

(ग्रन्थरिती)

को यह सूचना जारा करक पूर्वीक्त सम्पन्ति के श्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत तम्मलि ह अर्जन ह सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, है भी तर पूर्वी बन व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस न्तान के राजपत्र में प्रधानन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य अवित द्वारा, प्रशीहरू शक्ती के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हरवदी तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उक्त भांध-नियम क सम्बद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्युपी

खुलो जमीन शशाचारो स्ट्रीट कवाली बीट सेंकड, रजि-स्ट्रीकृत विलेख नं० 452/82. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कवाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-1982

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रेज, दैदराबाद

हैदराबाद, दिनांब 2 दिसम्बर 1982

सं० आर० ए०मी० नं० 348/82-83--अतः मुझे,एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्तत अधिनियम' यहा पदा हैं), की पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगतित, जिसका उचित वाकार मल्य 25,000/- का से अधि हहें और बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है योग जिसकी सं० पलेट हैं जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्राँग इससे उपावद्ध अनुसूच में ग्रींग पूर्ण रूप ने विषत है) रिजर्स्ट्रीप्ली प्रधिकार्र के पार्योत्तर रंगारेड्ड में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 पा 16) के अर्थन ग्रंपेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बाजारित की गर्च है और मध्ने यह निज्ञाम करने का कारण है कि यथान्वेदित संपत्ति का उपित नाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अनरक (अनरको) भेर अंत-अन्तरिती (अतिरितियों) के ग्रीव एसे अन्याण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में रक्त अन्तरण लिखत में वागाविक रूप में किथन नहीं निराग्या है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीग कर दो के अन्तरक के नियत में कभी करों गा उसम तक्त में सितिश के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य प्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अत जब, उत्तर अधिनियम की धारा 260-ग के, जनसरण में, में, जल जिंगीनान की धारा 260-घ की ज्यधारा (1) के जिथेन कि कि कि कि कि कि

 (1) श्रं मती उमागरन तेजवरन 1-10-170/206, येगमपेट टीक्रावस्ट

(अन्तरक)

(2) श्रार० एम० खन्न 5-9-200 राज्य मुजिल चंशाय श्रुली लेन हैटराबाद

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त गपत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अिशनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याप मे दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं 0.301 तीमरा तल बेगमपेट रिजर्ट्र कृत क्लिख न 0.50/82 रिजस्ट्री ती श्रीधकारो रगारेड्र

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर सायुक्त (निरीक्षण), अर्जन राज, हौगाबाद

तारोख : 2--12-1982 मोहर .

प्ररूप भाई• टी• एन॰ एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

हैदराबाद, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

सं० म्रार० ए०स 1 ० न० 349/82-83—म्रत मुझे, एम० जेगन मोहन,

प्रायकर प्र'मं नियम, 1961 (1961 ना 48) (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उनर अधिनियम' कहा गया है) को आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,333/- ६० से ग्रिविक है ग्रीर जिसको स० 12-2-718 हे, जो गड्डीमलकापुर हैंदरा-बाद में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हे), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकार्र, के वार्यालय हैंदराबाद में रजिस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन ग्रीन, 1982

को पूर्वीका समाखि के उत्ति का जार क्या न कम क दृश्यमान प्रिक्ष फल के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करत का कारण है कि यथापूर्वोचन सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत त्या गन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तर्य (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरा के लिय तय समाग्या प्रतिकल, निम्तिरिजित उद्देश्य न उक्त अन्तरा शिखा में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया त

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए या, 'ख्याने म सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:——

(1) मैसर्भ एस० जकर एड ५म्पन घर नं० 14-11-53 ामतीपुरा, मगहाट, हैदराबाद

(अन्तरक)

(1) श्र मोहम्मद अब्दूल न्रीम ग्रार ग्रन्य 30, घर न० 1-4-812/1 वाकाराम मुसाराबाद हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वेबाहिया करता हू:

उन्त मम्यनि ह अर्बन क सम्बन्ध में होई भो आक्षेप '---

- (क) इस नूजना क राजपत म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 भूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) र एक र सत्तात्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दित के भीतर क्का स्थावर समानि में हिनवद्ध किसे प्रमा व्यक्ति एक, श्राहस्ताक्षरा है पान निश्वित में किए जा सकेंगे:

स्वदशकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिकाषित है, बही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस ची

घर नं 12-2-718 गड्डीमलकापुर, हैदराबाद का भाग रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1087/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधका ी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-1982

त्रक्ष गाइ . टा. एम्. एस. -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

मं० ग्रार० ए०सी० नं० 350/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० 10-4-41 है, जो समाबटेक हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हत्ती प्रधिकारी के कार्यालय मौजमजाही मार्केट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान प्रभैत, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धन्कर अधिनियस या धन्कर अधिनियस गा धन्कर अधिनियस गा धन्कर अधिनियस गा धन्कर अधिनियस गा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत् :—— (1) श्रो राजस्या सीतारामसाग हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) तलवार फैमार्ला ट्रस्ट बाई० श्रा के० ग्रार० तलवार, तलवार ग्रंपार्टमेंट, चीराग ग्रली लेन, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिटित में किए जा सकींगे!

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

घर नं० 10-4-41 मसाबटेंक हैदराबाद का भाग रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 3692/82 रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी मोजमजाही मार्केट, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैंदराबाद

नारीख : 2-12-1982

प्ररूप बाई. टो. एन. एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

स० म्रार० ए०सी० न० 350/82-83--म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अल्थ 25,060/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 10-4-41 है, जो मसाबटेय हैदराबाद में स्थित है (ग्रोर इसके उपाबद्ध अनुसूच में ग्रोर पूर्ण रूप के विणत है), रिजस्ट्री क्ती प्रधिकारी के कार्यालय मौजमजाही मार्केट में रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रिप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रो राजय्या सीतारामवाग हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) तलवार फैमार्ला ट्रस्ट बाई० श्रा के० ग्रार० तलवार, तलवार ग्रेपार्टमेंट, चीराग ग्रली लेन, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में बिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-4-41 मसाबटेक हैदराबाद का भाग रिजस्ट्राइक्त विलेख न० 3692/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी मोजमजाही मार्केट, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैंदराबाद

तारीख : 2-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

*ग्र*र्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

स० म्रार० ए०सं।० न० 351/82-83---म्रत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० 10-4-41 है, जो मसाबटेक हैंदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकार। के कार्यालय मोजमजाहा मार्केट मे रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रामर्ता टां० शोभा देवा पति टा० रमेश रेडडी, घर नं० 4-1-1046, बग्लकूटा, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रा तलवार फैमीली ट्रस्ट, वाई० श्रा के० ग्रार० तलवार, तलवार ग्रपार्टमेटस् चाराग श्रली लेन हैदराबाद

(ग्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-4-41 मसाब टेक हैदराबाद रिजस्ट्रीष्ट्रत विलेख नं० 3581/82, रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकार मोजमजाही मार्केट,

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, हैंदराबाद,

तारीख: 2-12-1982

१रूप धाई० टो॰ एन● एस०--

यायकर प्रावित्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीत प्वना

ारत सरकार

कार्यात्रय, पडारड तराकर प्रायक्त (विरीक्षिण)

अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश म० मी० जार० ५2/34884/82-83/एक्यू०/ बी—स्त मुझे मनु माध्यन ध्रायकर प्राःभावतम् १५७३ (१९५ छ ४३) 'जिस इसमे इसके रणका व'रतन प्राःग प्रते गढ्द गया है), को प्रारा 269-ख के प्रधीन प्रथम प्रायत रीको पर जिल्लाम हस्ते का करण है कि स्थावर सम्यति । १० ४१ एउट । स्व 25 000'- राष्ट्रे से श्रिधित है

और जिसकी संघ 26 बी है, तथा जो साकी राइ, बेमलूर-52 में स्थित है (और उसमें उपाब अनुसूची में और पूण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालण गांधी नगर में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अप्रैल 1982

को पूर्वान सम्पत्ति के उति। आलार मृत्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए भरतिर को पई है प्रोर ४२ प्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्मति का प्रति। ते कार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल प्रति र श्वामा रिका का परा प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरक (प्रत्तरकों) और अन्तरती (अन्तरितियो) क बीच ऐस प्रन्तरण को तय तम पाया गया प्रतिफत, निम्निलिखन उद्देश स प्रक्त अन्तरण निल्वित ने वास्त्रविक्त रूप स क्यात नर्ना किया गया है।——

- कि) प्रतिराह में हुई किया साथ को बाबत उक्त प्रिष्टिक रेटम है प्रतिराह हो र प्रान्तिक के प्रयिष्ध में कमो करते या हुन करते । सुधिया है जिल बीर्यंग
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या ग्रन्य प्रास्तियों
 र जिल्ह भारतात पर्य तर तिरित्यम 192?
 (1922 ते 11) में हरते प्रधितियम, पर् भन-कर पिधितियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थ प्रनारिती टारा प्रकट नहीं किया गया प्रयोजनार्थ क्वा जात बाहिए या किया। में मुविधा के लिए :

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---- 1 श्री दिवाकर एस० सेठी मैसर्स फैबर फाइली प्राइवेट निमिटेड ५० 58, एग० ए० डी० मी० अदेशी, बस्बई।

(अन्तरक)

2 श्रीमिनी जयसरथा बालराज 42, देविस रोड बेगलूर-84।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हं।

उस्त उम्मति, हे प्रजेत के सम्प्रत्ये म कोई भा आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नागील में 45 दिए की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की श्रविधि,जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किंगी व्यक्ति द्वारा,
- (अ) इप नुचना र राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्रिने का सकेरी।

स्यव्दीकरणः -- -इसर्वे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 363/82-83 ता० 29-4-82) सम्पत्ति है जिसका स० 26 बी० जो साकी रोड, क्रेगलूर-मे स्थित है।

> मज माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

तारी**ख** 8-12-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/35484/82-83/एक्यू०/ बी——यन मुझ मजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. मे अधिक हैं

और जिसकी सं० 7 पोरशन है, तथा भुल टेम्पल रोड बसवन गुडी बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 जुलाई 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है बरि मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिकल का निम्नितिस्ति उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्दू किसी जायकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यमें में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एंनी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियान में सृविधा के लिए;

- श्री हरीण चन्द्र के० कार्वे श्री दिलीप हेच कारवे न० 7/1 भुल टेम्पल रोड बसवनगुडी, बेंगलूर। (अन्तरक)
- 2 श्री एम० सत्यनारायणा नं० 56, 1 प्लोर, 11 स्ट्रीट, सकेटेरियट कालोनी, किलपार्क, मद्रास ।
 2. श्री उमाप्रकाण नं० 25, गौरी सदन गंकर पुरम, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी लन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन<u>ु</u>त्वी

(दस्तावेज सं० 1156/82-83 ता० 7-8-82') सम्पत्ति है जिसका सं० 7 जो भुल टेम्पल रोड, बसब्रन-गुड़ी बेंगलुर में स्थित है।

> मंजू माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

नारीख . 4-12-1982 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० सी० आर० नं० 62/3590/82-83/एक्सू०-बी०—यतः मुक्षे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, 8, और 9 है, तथा जो आरकाट श्रीनिवासा-चार स्ट्रीट डिबीजन नं० 18, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26 अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :——
18—436GI/82

 श्री एस० आर० कृष्णस्वामी नं० 256-एन०, 1 ब्लाक, राजाजीनगर बेंगलूर-560010।

(अन्सरक)

2. श्री जी० पी० श्रीनिवासय्या सेठी और कुछ लोग नं० 8 III कास 1 ब्लाक जयनगर बेंगलूर-11। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त प्रक्षों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुज्ञी

(वस्तावेज सं॰ 1500/82-83 ता॰ 26-4-82) सम्पत्ति है जिसका सं॰ 7, 8 और 9 जो आरकाट श्रीनिवासाचार स्ट्रीट डिवीजन नं॰ 18, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 8-12-82

प्ररूप आईर. टी. एक. एस. -----

आसर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्स 269-क (त) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आधकार बायुक्तः (निरक्षिकः) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० नं० सी० आर० 62/34314/82-83/एसी०क्यू०/

बी॰ -- यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 17 पुराना सं० 11 हैं, तथा जो टेम्पल स्ट्रीट, (नजदीक) काडामल्लेशवरा टेम्पल मल्लेशवरम बेंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तीरीक 1/2 अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एंसे रूपमान प्रतिकाल के पेक्स प्रतिकात अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को बिए; और/था
- (का) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिक्ट।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अद्भूतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री एस स्थ्यमारीयणा राव श्री एस० कृष्णमूर्ती, हम्भाल बेंगल्र-24।

(श्रन्तरक)

 मैससै विक्रम बिलडर्स सिविल इंजीनियर्स और कांट-राकट्रसे पुराना सं० 62/1, 6 टेम्पल रोड़, नया सं० 17, 7 टेम्पल रोड़, मल्लेशवरम बेंगलूर-3। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशक की तार्थी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी मलिथ कार में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यां कर मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत ए उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वापा अधोक्क का के प्राप्त कि की प्राप्त किकी के में किए जा सकी।

स्वेक विश्वपंत्रः -- हसभौ प्रयुक्त यक्तों और पर्यों का, जो उक्त अधिकियंक, के अध्याम 20-क में परिभाषिक हैं, यहाँ जब होगा जो उसा अध्याम में दिया गर्यों हैं।

अन्स्ची

(वस्ताचेक संद 134! 8:2—8:3 विनांक 1:2-4-82) सम्पत्ती है जिसका संद 17 (पुराना संद 11) जी III टेंम्पल स्ट्रीट (नजवीक) काडुमस्लेशवरा टेंम्पल, मल्लेशवरम, वेंगलूर -3

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सद्यायक अध्ययकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलुर

तारीच: 7-12-72

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूमीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भागकर भागक (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बेंगलूर
बेंगलुर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्देश सं० सी० म्रार० नं० 62/35217/82-83/एक्यु० बी०—यतः मुझे मंजू माधवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्यामें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अस्ति वाकार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2/ए है, तथा जो चानि किलास रोड़ बसवन गुड़ी केंगलूर-4 में स्थित है (भीर इससे उपाबंद प्रनुस्ची में भीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बसवनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन तारीख 13 मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निश्चितियों कर्वित त्याया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, जक्त विधिनयम के अधील कर दोने के बस्तुरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उच्चत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ अवस्थिती ख्वादा प्रकट अक्ट्री किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृतिभा के लिए;

अतः अवा, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपभासा (4) के सभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष— 1. श्री जी॰ मार॰ उत्मामंकर 2(151) वानीविलास रोड्, यश्वसवनगुढी बेंगलूर-4।

(भ्रन्तरक)

श्री बी० महाबलेगवर सम/ ग्राफ लेट बी० जोगप्पा
 2(151) वानी विलास रोड़ बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्रत अक्रांक्तिको कार्यम के सम्बन्ध में कोर्डभी आक्षेप :---

- (का) इस अपूथना के प्राज्यत्र में प्रकाशन की आपरीचा हो 45 नेवन को भीतर सकत स्थावर सम्माति को निवृत्तकाल किसी बन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्मध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्पक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

ममृत्यी

(वास्तावेण नं० 909/82-83 तारीख 13-5-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 2/ए, जो वानींविलास रोड़ बसवनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

सर्गाय: 4-1/2-/1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज , बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 दिसम्बर 1983 निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 35216/82-83---यतः मुझे मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 26 नया सं० 37 है, तथा जो मारीमुनियन्ना लेन, नगरत्पेट कास गानिगरपेट, बेंगलूर में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण मिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जन 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिन में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन क,र दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ु अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरणे में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री घार० पारवतम्मा, नं० 37 मारीमुनियन्ना लेन, नगरत्पेट क्रांस गानिगरपेट, बेंगलूर-2। (धन्तरक)
 - 2. (1) श्री सोष्ट्रनलाल।
 - (2) श्री रिकाबचन्द सोलांकी।
 - (3) श्री किशोर कुमार सोलानकी।
 - (4) श्री सुरेण सोलान्की नं० 37, मारीमुनियक्षा लेन, नगरतेपट कास गानिगरपेट, बेंगलूर-2। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकी।

स्पर्वशिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसर्ची

(दस्तावेज 830/82-83 ता० 15-6-82) सम्पत्ति है जिसका सं० (पुराना) 26, नया सं० 37 जो मारीमुनियक्षा लेन, नरगत्पेट कास गानिगरपेट, बेंगलूर।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आमकर आमृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 62/464/82-83---यतः

मुझे मंजु माधवन

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 155, 156, 157, 162, 163, 164, 165, 182, 183, 192, 193, 221, 222, 161, 160, 224, 225, 270 श्रीर 160 है, तथा जो सकलेशपुर, चिक्कमगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चिक्कमगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30 श्रुप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास क,रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल लो, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उद्यत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अचने में स्रुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनाथ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में स्रुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग कें. अनुसरण कें, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स सेंट मेरी कालमने झौर झरेकल एस्टेट्स बै इट्स एम० पी० जे० आर० प्रभु झौर कालागृंडी एस्टेट बैपीटर जे० झार० प्रभु भलमट्टा रोड़ मंगलूर, बौते रेप्रेसेन्टेड बैके० सुन्दर झाफ बाजपे।
- 2. श्रो तिरुमै एस्टेट्स बै एन० के० टी० एम०, तावमनी भौर श्रीमती पोस्नुतायम्माल सुन्डहल्ली एस्टेट, बेंलगोडु पोस्ट सकलेशपुर।

(भग्तरिती)

(ध्रन्सरक)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारांच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताकारी के पास निसित में किए जा सकरें।

स्यक्तिक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उत्त अध्याय में किका गवा हैं।

क्षमं सची

(दस्तावेज 193/82-83 ता० 30-4-1982) सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 155, 156, 157, 162, 163, 164, 165, 182, 183, 192, 193, 221, 222, 161, 160, 224, 225, 220 भौर 160 जो सकलेशपुर जिमकमगलूर में स्थित हैं।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 9-12-82

प्रस्प आर्थः टो . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलुर, विनांक 9 विसम्बर 1982

निर्देश सं० नं० 62/463/82-83—क्तः मुझे मंजु माध्यन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 3502/4 है, तथा जो कास रीड़ भाफ पी० बी० नाभनल हैंबे उनाकाल हुबली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रीकरण भिक्षित्यम, 1908(1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 17 मई 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान श्रीतकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यान प्रतिकल से, एसे स्वक्षान प्रतिकल का कल्स्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से कथित कहीं किया गया हैं।—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी वन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-्ग के अनुसरण भें., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग की उपधीरा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री पाश्रेतच्या भीमप्या श्रांतिगैरी, उनाकल हुबली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री चन्नप्यास्वामी श्रल्लमप्रभु पुरानिक, इंगलेंड, बैं पावर ग्राफ श्रटारनी होलंडर श्री जी० ए० पुरानिक ग्रिसस्टेंट एक्सेक्युटिव इंजीनियर के यू० डब्ल्यू० एस० ग्रीर डी० बी० सब डिबीजन नं० 2। गदग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथितत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरुत करता हुं।

- श्रेक्त' संस्पेरित 'के॰वर्षन के सम्बरभ 'में कोई भी 'काक्षेप:---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारीच'से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में विहत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के शवस चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नदुस्वी

(दस्तावेज 419/82-83 ता० 17-5-82) संस्पॅिस है जिसका सर्वे सं० 3592/4 जो ऋस रोड़ आफ पी० बी० नागनंल हैवे, उनाकल हुबली।

मुंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

'तारीख: 9-12-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सुभना

भारत सरकार

नायरिवय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सी ० जार ० नं० 62/462/82-83---यतः, मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 159, 160 भौर 161है, तथा जो जावाली मुडिगेरे, तालूक में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्गणत है), रिजस्ट्रीकर्का श्रिधकारी के कार्यालय, मुडिगेरे में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 1 भ्रभैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और द्यम्ब-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुजिधा के लिए, और/या
- (क), एंसी किसी जाय या किसी भव का अन्य आस्तियों को, फिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या भन-कर अधिनियभ, या भन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण (माँ, माँ उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित स्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती जानकी पत्नी श्री श्रोणिगरी राव, जावाली, जावाली पी० श्रो०।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री आस्करडी० सिल्लाः

(2) श्रीमती मालिनी डी० सिलवा, पी बी० नं० 47 किन्डर गारडून काटार, भोहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृथंचित सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिस्स करतम् हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्यों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (क) इस स्थान के राज्यक को प्रकासन की तादीस से 45 बिन के भीतर उकत स्थावर सम्मस्ति में हिराक्चव किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्कटीकलंगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त जिथितियमः के जध्याच 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस जध्याच में विधा नवा है।

वमुस्ची

(वस्तावेज 2/82-83 ता॰ 9-12-82) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं॰ 159, 160 छौर 161 जो जावाली मुडिगरे, तालूक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी स्रष्टायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, क्यालूर

तारीख: 9-12-1972

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
भर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सी० झार० 62/461/82-83/एक्यू०० बी०— यस:, मुझे, संजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्क्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 990 सी० है, तथा जो ग्रन्धाटगेरी श्रोनी, हुबली में स्थित है (भ्रौर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1 ग्रप्रैल, 1972

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कारने या उससे बचने मं सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) श्री इसरेल।
 - (2) श्री फीन्सिस।
 - (3) श्री साम्युयल एम वि टी० एस० रेलवे कालोनी, हुबली।

(अन्तरक)

 श्री तुलजप्पा रामचन्द्रा हबीब झरक मरचंट, जनता बाजार के पास झन्चाटगेरी झोनी हुबली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

(दस्तावेज 7/82-83 ता॰ 1-4-1982) सम्पत्ति है जिसका सं॰ 990 सी॰ जो ग्रन्चाटगेरी ग्रोनी, हुबली में स्थित है।

> मंजूमाधवन सक्षम प्राधिकारी **बह्**ायक क्षायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **धर्म**न रेंज, बंगलुर

तारीख: 9-12-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/460/82-83——यतः, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं.

श्रौर जिसकी सं० मेट्रीस सं० 1992 है, तथा जो माफसा, सब डिस्ट्रिक्ट ग्राफ मारडेज डिस्ट्रांक्ट ग्राफ गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय माफसा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 21 ग्रुपेल 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः—-19---436GI/82

- श्री मधुकर विनायक सिनाय माटमो श्रीमती, मालती बाई मधुकर सिनाय, माटमो, पनजी, गोवा। (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्री हनुमत महदियो नारवेकर श्रिलियास शिरोडकर।
 - (2) श्री शकर भ्रात्माराम नारवेकर श्रलियास शिरोडकर।
 - (3) श्री तुलसीदास श्रात्माराम नारवेकर श्रलियास शिरोडकर, माकसा, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास, लिसित में किये जा सर्कोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यो

(दस्तावेज सं० 293/82-83 ता० 21-4-82) मर्म्पात्त है जिसका मेट्रीस सं० 1992 जो सरदार गृहा नाम से परिचित है ग्रौर माफया , सब डिस्ट्रिक्ट श्राफ मारडेज, गोवा डिस्ट्रिक्ट ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक लायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 9-12-1972

प्ररूप आई. टी. एन इस. -----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

बंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1982

निर्देश स० सी० ग्रार० 62/34275/82-83—यत. मुझे मंजु म्यध्वन

आयं कर अभिनियम, 1001 (1001 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमाद 'रास्त अधिनियम' रहा गया हैं), की धारा १००-च हो गीन मक्ष्म जिल्लामी हो, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थार संपति, जिसका उचित बाजगर पूल्य 25,000/-र. से अधि है

ग्रौर जिस्की मं० 45ए है तथा जो स्टिफन्स रोड, फ्रेसर टौन बेगल्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से जीत है), रिनर्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर से रिजस्ट्रीकरण शर्धिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7 अजैन 1972,

को पूर्वीचित सपित का प्रतिय नाजार तथा में क्स के हहत्यान प्रतिकत हिला ति ति नहीं गर्न ही नांग प्रकेष के निश्वास दें, का नाण है के प्रतिय निश्वास प्रति ता किया है के प्रतिय निश्वास प्रतिय ते किया है के प्रतिय निश्वास प्रतिय का प्रतिय है के प्रतिय निश्वास प्रतिय का प्रतिय का प्रतिय किया है किया प्रतिय प्रतिय प्राय प्रतिय प्रतिय किया प्रतिय के निष् तय प्रया प्रतिय प्रतिय किया प्रतिय के किया प्रतिय के किया के किया निश्वास —

- (रा) राज्या ने पार्ट राइनी राष्ट्र की पांतत. उक्त आ रिवर के अभिन कर दले के अल्पक के ए राह्य संस्थितिक के समें सविधा के जार के रीक
- (स र्गः, नसो अगर या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1992 का 1:) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मो स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री डेनिसिल नारमन वैट पुत्र स्वर्गीय हेर्नी नारमन वैट नं० 45 स्टीफन्स यड फेसर टौन, सिविल स्टेशन बेगलूर-5।

(लन्तरक)

2 श्री श्रवती भोतिराम श्री चन्द्रू लकानी प्लाट न० 3 श्रशोका ग्रपारटमेंटस वीलर रोड़ क्रास सिविल स्टेशन, बेगलूर-560005.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरमक्बन्धी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीना पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस सचना के राजपत्र म प्रव शत की नारीस से 45 दिन के भीना उपन म्थानर सम्पत्ति म जिल्डान्ध किसी अन्य व्यक्ति त्यारा अगोनस्ताक्षरों के पास लिसित म किए जा सकता ।

स्पष्टीवारण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो थाँर पदो का, जो जित अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

अनुस्ची

(दस्तावेज मं० 80/82-83 ता० 7-4-92)) सम्पत्ति है जिसका सं० 45/v, जो स्टीफन्स रोड, फ्रेसर टौन बेगलूर में स्थित है।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख . 20-12-82 मोहर : प्ररूप कार्ड ती तन एस -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा 269-व (1) के पश्चिम स्वास

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 16 दिसम्बर 1982

निर्देश स० जी० ग्राई० ग्रार० एस०-249/ग्रर्जन—यत मझे, ए० प्रसाद,

न्यानिक अपनिवास, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें स्वादे गर्मा तक विश्वीसाम महा यदा है), की धारा 204- के अधीन काम पाधिकारों का यह विश्वास काम का कारण है कि स्थापर संव्याति विश्वास काम कर 25,000/- रु से अधिक ह

पौर जिसकी स० भूमि है तथा ता उम्लामवाडी लखनऊ में म्थल है और उसने उपाव, मानूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिक्टोकतों आं कारी के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख 28 पर्ये 1982

भाषा प्रतिकत सम्पत्ति क अित् नातार सन्य स कम क द्वरामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विषयास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकास स आधक है और अतरक (अतरकों) और अतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्रीमती श्यामगतो देवी
- 2 मैंसर्म सादाब महकारी गह गार्मण निमित्त लि० लखनऊ श्री एजाज ग्रहमद प्रेसाउंन्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक वर्षान सम्पति क राज्यान कार्यवाहियां करता हु '

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध न कार्ज भार कार्ज

- (का) इस सृजना क राज्य क अकानन का वास म 45 दिन का जनिए एा न्यानक अधिकार क पृचना की नामार म 31 के प्रतीय अ अविध दाद स्वीया (हतो कु का क्यों के का क्यों के का क्यों के का
- (ख) इस स्ना को शल्पन न प्रकाशन को नारास्त के 45 दिन के साल प्रदान के विद्य किसी न प्रचारत के वास निकास के लिए का नकों में

भनस्य ।

भिम जोकि इस्त्रामवाती लकार म स्थान है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 म स्थान 90. 22 प विणित है जिसका पजीकरण सब रिजरटार लखनऊ के सायोलय मे किया जा चुका है।

> ग० प्रसाद ५४मा साहित्यारी महायक पायकर शायक निरीक्षण, प्रकृत अत्, नखनुरु

तारीख · 16-12-1982 मोहर .

प्रकप माडै. टी. एन. एस. - - - -

श्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

निर्देश स० जी० भ्राई० म्रार० एन०-52/म्रर्जन---यत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राराजों है, तथा जो उदयपुरखास श्रन्दर चुगो, बरेली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वींणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम् के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- 1. (1) श्री प्रदीप कुमार भ्रमवाल।
 - (2) श्रीमती प्रेमिला ग्रग्नवाल।
 - (3) श्री गोपाल कुमार ग्रग्रवाल।
 - (4) श्री प्रवीन कुमार श्रग्रवाल।
 - (5) कुमारी शोभा श्रय्याल।

(भ्रन्तरक)

 सरदार नानक सिह श्रीमती मन मोहन कौर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

श्राराजी पैमाइशी 1644 वर्गगज वाके उदयपुर खास श्रन्दर चुगी बरेली व वह मारी सम्पत्ति जो मेलडीड तथा फार्म 37-जो संख्या 1813/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 22-4-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तानीख 17-12-1982

प्रकप भाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(म्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निदेश स० जी० म्राई० म्रार० मंख्या एस०-250/ भर्जन---यतः मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० भूमि फीहोल्ड है तथा जो इस्लामवाडी लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 28 अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क आधानयभ के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूर्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 वा 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती स्थामपती देवी श्रीमती रानी देवी

(भ्रन्तरक)

 सादाब सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि॰ लखनऊ द्वारा श्री एजाज श्रहमद प्रेसीडेन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि जोिक इस्लामवाड़ी लखनउन में स्थित है जिसका सम्पर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1902/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनउन के कार्यालय में किया जा चुका ही।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 16-12-1982

मोहरः

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाजक आध्कार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, दिनाक 13 दिसम्बर 1982

निदेश मं० जी० प्राई० प्रार० प्रर्जन—यत भुक्के, ए० प्रसाद,

आयकर अभिभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनसे इसके परचान 'इक्त विभिन्यम' कहा गया है), की भाग 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकत्यों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पोत्त अभका अभका अभिनास मूल्य 23,000/ क. म अभिक्त ही

श्रीर जिसकी सा की होल्ड नाम ने क्या जो इस्लायबाड़ी लखनऊ म स्मित है (श्राम इसम उपाद्य श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से भीणत है), र्याप्तिनों अधिकारी के कार्याम लखनऊ में राजस्ट्रीकरण अभिनयम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख 28 अभैन, 1982

को पूजोबर सरारित के राजा बाजार भूत्य से कम के क्रमार प्रतिफल को लिए अन्तरित जी गई हैं और मुझे यह जिस्वास करने का कारण है कि मथापूजीक्स सम्मित का किंवत बाजार भूत्य, जसक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल फत निम्निविस उद्देश्य से उक्त अंतरण निविद्य में वास्त्रिक हम्म से किंवत नहीं किया एवा है :—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की गायत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरन के दायिएन में कभी करने या उससे तचने में स्विधा के तिए और/७।
- (क) एसी किसी आय या किसी १ वा या तस्य आरिस्सी की, चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिआ के लिए:

अतः अब उनतः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती स्याम पती देवी श्रीमती रानी देवी।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स सादाज राहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनऊ द्वारा श्री जाज श्रहमद प्रेसीडेन्ट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सबक्ष मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारिक स 45 दिन की अर्थाध या तस्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अयिष बाद में सम्राप्त हारेती हो, के भीतर प्योकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त में हित-बद्ध किसी आय व्यक्ति द्वारा अधोहरताअगी प पात्र सिक्ता में किए जा सकेंगे।

स्थार्थ्याक्षारणः -- इसमा प्रयम्बन कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यः मा दिया गया है।

धनुसुची

की होल्ड न्सि जो कि इस्तामकाडी लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण कितरण सेलडीड व फार्स 37-जो मंख्या 1903 82 में वर्णित है जिसका पजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षक) श्रजेन क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 16-12-1982

मोहर 🖟

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० एस-252/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फी होल्ड भूमि है तथा जो इस्लामवाडी लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 ग्रप्रैल 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. स्वक्षे दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिक्षत में यधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिचितिकों) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक एप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— श्री लाल चन्द्र
 श्री लक्ष्मीचन्द
 श्री जवाहर लाल रस्तोगी

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स लादाब सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनऊ द्वारा श्री जाज श्रहमद प्रसीडेन्ट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि (फी होल्ड) जोिक इस्लामवाडी लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1904/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 16-12-1982

प्रस्पृ काई. टी. एन ु एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० एस०-253/श्रर्जन— यत मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/ रा. संअधिक है

भीर जिसका सख्या फी.होल्ड भूमि है तथा जो इस्लामवाडी लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप सं विणित है) रिजर्स्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजर्क्ट्रारण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 28 श्रील 1982

को प्रवाकित सपितत के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइं किसी लाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने, में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने मासविभा के लिए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— 1 श्री नरेन्द्र कुमार रस्तोगी।

(ग्रन्तरक)

2 मैं मसं सादाब सहकारी गृह निर्माण मिमित लि० लखनऊ द्वारा श्री एजाज श्रहमद प्रेसीडेन्ट।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हं सं 45 विन की अविभिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ख्वारा,
- (त) इस सुमना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त सिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

फी हल्ड भूमि जो कि इस्लामवाडी जिला लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी सख्या 1905/82 में वर्णित है जिसका पजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्रायकर स्रायुक्त स्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 16-12-1982

प्ररूप बाई: टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, अवनऊ

लखनऊ, दिनाक 16 दिसम्बर 1982

निदेश स० जी० ग्राई० ग्रार० एत०-248/ग्रर्नन--यत: मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फी होत्ट भूमि है तथा जो इस्लामवाडी लखनऊ में स्थित है (प्रोर इभा उपाबह अनुसूर्व, में और पूर्ण रूप से वर्णित है। र्राजस्त्रीकर्ता स्विकारा के कार्यालय लखनऊ मे रजिस्डी हरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 ग्रप्रैल 1982

को पूर्वीक्त सपन्ति का उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान अतिफान से, एसे इञ्चान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य सं उद्दर तत्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिगाल्यम के अधीन कर दन के अन्तरक के दारिका अं असे असने छ। अस्स वसन म सविधा से लिए, और/भा
- (स) ऐंगी किसी आय या किसी धन वा बन्य वास्लियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त[ि]रती द्वारा प्रकट नही **किया** तिन्धा के लिए:

अतः अव , उल्लाक किनियम की धारा १६०-ग के अन्सरण में, में, उक्त यशितियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरनिअस्तिन व्यक्तियों, अर्थात --20 -436GI/82

1. श्रीमती रानी देवी।

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्स सादाब सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ वजरिये प्रेसीडेन्ट श्री जाज भ्रहमद । (ग्रन्तररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियां मा में किसी त्यक्ति दुवारा
- (स) इस स्चवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण'--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में जिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया F 1

बन्स्यी

भूमि जो इस्लामवाडी परगना व तहसील व जिला लखनऊ मे स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1900 में विणित है जिसका पजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय मे किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निर्काशण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीम्ब : 16-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ाक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निदेश सं० जी० आई० आर० एम०—149/अर्जन—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लांट 4 है, तथा जो मनकामेश्वर मंदिर, लखनऊ में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातृ:--- 1. मैसर्स हजरल महल सहकारी गृह निर्माण समिती लि॰, 22, चन्द्रलोक, लखनऊ द्वारा सचिव श्री आर॰ पी॰ खरे।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव (अन्तरिती)

3. उपरोक्त विक्रेसा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करूता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्वयक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं० 4 पैमाइश 1352 वर्ग फुट हिस्सा 229 प्लाट का जो मनकामेश्वर मंदिर, लखनऊ पर स्थित है, जिसका संपूर्ण वर्णन सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 1363/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्बालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-12-1982

प्रकम बाही , क्षी , हम , एक , -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेण स० जी० आई० आर**० पी०-10/अर्जन-अत**ः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत वाजार मून्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० आराजी खसरा नं० 589 प्लाट नं० 17 है तथा जो रहीम नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उच्छ बन्तरण विश्वित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) जन्तरण में हुई किसी नाय की वावत उपत विध-नियम भे अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिये;
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैसर्स ग्रेबाल कोआपरेटिव हार्जासंग सोसायटी लि० महानगर, लखनऊ, ४१० आर० एस० दीक्षित, अध्यक्ष (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रामिला (अन्तरिती) 3. विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :---

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितस्यों में किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी जर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्माकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

धन्सूची

आरोजी खसरा नि० 589 प्लाट नि० 17 रक्बा 3320 वर्ग फुट बावें रहीन नगर लखनऊ जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—नी संख्या 1794/82 में विशित जिसका प्रजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय, में किया जा नुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 8-12-1982

मोहर 🖫

प्ररूप भाई । टी । एन । एस ।---

भायकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० जी० आई० आर० बी०-106/अर्जन--अतः मझे, ए० प्रसाद,

शायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिंधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के शिंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से शिंधिक है, और जिसकी संज आराजी खसरा नंज 589 प्लाट नंज 16 है तथा जो रहीमनगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 अप्रैल, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूखें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमार दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञान से अधिक है और अन्तरम (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम गमा पत्रा प्रतिकृत निम्नलिजित उद्देश्य से उन्त प्रनारा निविद्य में जान्तिया का ने कथि।

- (क) अन्तरण से हुई किसी पार की बाबन उक्त भोधिनियम के अधोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविध के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसो धा या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिवितयम, 1922 (1924 का 11) या उनत ग्रिधितयम; या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा प्रा किया जाना चाहिए चा, छिपानें में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को ब्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्थात् क्ष्र

1. मसर्स ग्रेबाल क्लोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० महानगर, लखनऊ द्वारा डा० आर० एस० दीक्षित अध्यक्ष

(अन्तरक)

2. श्री बी० आर० मोंधी। (अन्तरिती)

3. विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग[े]में संपत्ति है)।

की यह सूचना नारी कर हा गाँव । सम्पत्ति के स्रर्वन के लिए कार्यवाहियां हरता है।

उन्त नमान व प्रवेत है तनम्ह में काई भी अक्षेप :--

- (ह) इस पुना ह राजमन में नहाम की तारीख से 15 दिन को अमिन या उत्संबंधी व्यक्तियों पर पूजना को तामील ए 30 दिन की स्वधि, जो भी अबधि पार्न में समाप्त मेती हो, के भीतर पूजीना व्यक्तिया में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत मुख्या के राजाह वं प्रकाशन की तारीख से 45 देर के भी र उन्त स्थातर सम्मत्ति में हितबढ़ किया अन्य व्यक्ति द्वारा अजीहरूजक्षारी के पास विश्व में किये अनुकर्ष।

स्पष्टोकरणः -- १भवे १४२ १६० १६० थीर १६० का, जो स्वन अस्ति २१ ० १४० १४ १८० व परिभाषित है, १८०१ (स), जा देन अध्याय में दिय स्थार है।

अन्सूची

आराजी खसरा नं० 589 प्लाट नं० 16 पैमाइशी 3200 वगफुट वाक रहीमनगर, लखनऊ जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी मख्या 1789/82 में विणित है। जिसका पंजीकरण सव-राजिस्ट्रार लखनऊ के कार्या-लय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आइ^र टी एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

निदेश स० जा० आई८ आग० ए०-117/अर्जन-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे-इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' काम गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रुठ स अधिक ह

और जिसको न० जाराजी खारा न० 589 प्लाट न० 21 है तथा जो रहीभागार, लखनऊ म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में भार उर्ण व्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भार्यालय, लखनऊ में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम ,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अप्रल, 1982

को पूर्वाक्त सपित्त क जीना बाजार मृत्य स कम के टरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स असि। ' और अन्तरिक (अन्तरिक्ती) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एनी दिसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिने भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्योजनाथ जन्म पर्यो हजार प्रकट नहीं किया गया था जिल्ला को किया सनिया की किए

अत अब, उक्त अभिकाम की भग १६० ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिकार की भग _60-2 की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीभित्र व्यक्तिकों, अर्थाट --- 1 मैंसर्भ ग्रेवाल कोआपर्राट्य हार्जानन सालायटी लि० द्वारा श्रो आर० एस० दोक्षित, अध्यक्ष।

(अन्तरक)

- 2 श्रीमनी आशा दीक्षित। (अन्तरिती)
- 3 विकेता (वह र्व्याक्त जिलके अधिमांग मे सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त हंनी हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त रथावर सम्पन्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्थर्धीकरण:--इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

अनुसूची

आराजी खमरा ना 580 प्राप्त ना 21 रक्वा 4080 वर्गफ्ट वाके रहीमनगर लखनऊ में स्थि। है जिसका सपूर्ण विवरण मेलडीड व फार्म 37-जी संध्या 1790/82 में किया जा चुका है। जिसका पजी 600 सब-र्गजस्यार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ग० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी राहायक ग्रायकर श्राप्का (निरीक्षण) जर्जन क्षेत्र लखनऊ

तारीख 8-12-1982 मोहर: प्ररूप आह ं.टो. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारव करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निदेश सं० जी० आई० आर० एम०-148/अर्जन---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट न० 5 है तथा जो बरोलिया, लखनऊ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्स हजरतमहल महकारी गृह निर्माण समिति लि०
 पन्द्रलोक, लखनऊ द्वारा सचिव श्री आर० पी० खरे।
 (अन्तरक)
 - 2. श्रीमती मुन्नी श्रीवास्तव (अन्तरिती)
- उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तन्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (ख) इप सूत्रता के राजपत्र में प्रकारण की तारीज से 45 दिन ह नीतर उका क्यागर नम्यति में हितवद किसी अस्य व्यक्ति द्वारी, अयोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्लाट नं० 5 पैमाइण 1612 वर्ग फुट प्लाट न० 229 का हिस्सा जो बरोलिया लखनऊ में स्थित है जिसका सपूर्ण विवरण सल्डीड व फार्म 37-जी सख्या 1635/82 में वर्णिन जिसका पजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख 10−12−1982 मोहर प्रक्ष आहा. टी. एत. एस.-

न्नायकर प्रिजितियम, 1941 (1961 का 43)की धारा 269**म(**1) **के घडीन पूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निक्षेण सं० एफ० नं० 1197/ एक्बी० आर०-111/82-83— यत: मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 249 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्वावर सम्पत्ति, जिस का जांचत का जारच है कि स्वावर सम्पत्ति, जिस का जांचत का जारच है कि स्वावर अपैर जिसकी मं० 21-वी है तथा जो देमप्रिय पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की जाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाँगित्य में कमी करने या उससे अभने में मृतिधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य धारिनयों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित प्राक्तियों, अर्थात ——

- 1. श्री सनन कुमार सेन। (अन्तरक)
- 2 श्री उतपल मजूमदार। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन क खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीत ने 30 विन का श्रविध, जो सी श्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका क्यक्तियों में से किसी काकित धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में क्काणन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अजोहस्ताक्षरी के पान जिल्लिह में किए जा सकर्षी।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त ब्रुधिनियम के ग्रध्यात 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयंहोगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया।

अनुसुची

21-बी, देसप्रिय पार्क रोड, कलकत्ता 2क्रे-8च० जमीन पर मकान्।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~III, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1982

च कार्म प्रस एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निदेश सं० एफ० नं० 1198/एक्बी० आर०-111/82-83-यतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 307 है तथा जो लेक गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिमित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; ब्रॉर/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या जन्य जास्तियों हों, निन्हों भारतीय काण कर विश्विताता 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा अन्तर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में नाजभा के निए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियोः, अर्थात् :--

- া श्रीमती राली অূोवार्य और दूसरा। (अन्तरक)
- श्री अमपारकास साचिडेम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अतिधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्योंक्षत ह्वाण अथोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः - इ.समं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मा दिया गया है।

अन्सूची

307, लेक गार्डेन्स, कलकत्ता। 3के०-8च०-6 स्वया० फुट जमीन साथ मकान।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज–∏ा, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1982

The second secon

प्ररूप ग्राई० टी• एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निदेश सं० एफ नं० 1199/एक्वी ० आर०-111/82-83--यतः मुझे, एम० अहमद,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

और जिसकी मं० 11 है तथा जो बटारलो स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्सरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसा कियो आा या किसी बन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए "।, ख्रियाने में मुविधा के निए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों अर्थात् — 21—436 GI/82

- 1. श्री गोपाल चन्द्र राय। (अन्तरक)
- 2. मै॰ मास्टर होस्ट्स प्रा॰ लि॰। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेर :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो
 भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं भवं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11, बटारलो स्ट्रीट, कलकत्ता। 4के०—12च० जमीन पर मकान (1/2 शेयर)।

> एम० अहमक् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बंबई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० ए० आर० 1/4705/82-83—युतः, मुझे, आर० के० बकाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सी० एल० नं० 951 आंफ गिरगांव डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1982

डाक्यमेंट नं० बाम्बे 1663/79

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ----

- 1. श्री अबदे अमीरहीन तोयबजी और मि० मुस्तान अमीरहीन तायेबजी। (अन्तरक)
- 2. मि० अब्दुल रशीद हाजी नूर मोहम्मद अन्सारी और मि० अब्दुल हमीनद नूर महमद अन्सारी। (अन्तरिती)
- 3. माडोती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवादियां कारता हुई।

उपल तंपील के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वका को राषपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्कान को राजपम में प्रकाशन को रारिख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकीं।

स्थाबीकरणः --इसमें अयुक्त कव्यों और पदो का, ओ उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गमा है।

मनसची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम्बे 1663/79 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दि० 28-4-82 की रिजस्टर्ड किया गवा है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--1, बम्ब**र्**

तारीख : 18-12-1982

भोहरः

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - - ---

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वकार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० आर० 1/4709/82-83—यतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिस्हे ह्समें इसमें इसके पश्चीत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सें। एए० नं० 1**892 आफ मांडवी डिव्हिजन** है तथा जो डोंगरी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूषी में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1982 डाक्यूमेंट नं० बॉम्बे 1319/80

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और जन्त-रिती (अन्तरितीयार्गे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ज्वत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती खजीताबाई विडो आफ मोहम्मद इक्षाहीम 2. श्री अहमद मोहम्मद इक्षाहीम 3. श्री इक्षाहीम मोहम्मद (अन्तरक)
- 2. 1. श्री उस्मान अहमद 2. श्री अब्दुल हमीद मियां मोहम्मद। (अन्तरिती)
- श्री हाजी जिना खामिरा 2. श्री जाघवजी लल्लूभाई।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विकिख स० वाम्बे 1319/80 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, भन्बई

तारीख: 16-12-1982

प्रकृष कार्ड ्र टी. एन. एस.------

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० ए० आर० 1/4699/82-83—यतः मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1657 आफ मोयाकली डिबीजन कार्नर श्रांफ रेकेश स्ट्रींट और रेनांबड रोड है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1982 डाक्यूमेंट नं० 3919 श्रांफ 1971

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिष्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्ति-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री खैप्याराम हरीराम श्रीर बालचंद मेंगराज। (श्रन्तरक)
- 2. (1) मञ्जूल कादर अब्दुल गपी,
 - (2) श्रहमद नुर मोहम्मव,
 - (3) श्रहमद गुलाम मोहम्मद,
 - (4) श्रब्दुल रशीद गुलाम मोहम्मद,
 - (5) भोहम्मद श्रब्बुल रहमान (श्रन्तरिती)

- 3. 1. श्री हाजी इब्राहीम एच० हसेन इस्माइल ।
 - 2. श्रीमती जिनाबाई सराफली ।
 - 3. श्री ई० जे० इराणी।
 - 4. श्री एम० जे० जांगीयानी ।
 - 5. श्री डी० मैनुश्रल ।
 - 6. श्री बिठुमाई ।
 - 7. श्रीभिकुरामू।
 - 8. श्रीमती नोरोह्वा गोवालिया।
 - 9. श्रीमती भगीरथी विडो ग्राँफ ग्रारं मोरे।
 - 10. श्री जे० फर्नांडिस ।
 - 11. श्री ह्वी० एस० नाईक।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पृवाकत सम्पत्ति के अर्थन के सिष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेकिं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उच्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

श्रनुसूची जैसा कि बिलेख म० 3819 श्राफ 1971 श्रौर उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 30~4−82 को रजि-स्टर्ड किया गया है।

> श्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्बई

तारीख: 15-12-1982

प्र**रुप** आई० डी० एन० एस•---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सुचना

भारत मर नार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ए० श्रारं० 3/2175/82-83—श्रतः मुझे, एस० एच० श्राब्बास श्राबदी,

भायकर प्रसिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' ह्रिंगाया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षप्र श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार गुरुष 25,000/- २० से अधिक है

भौर जिसकी स० प्लाट न० 1, श्राँर ग्रोल्ड सी० एस० नं० 100 न्यू सर्वे न० 85, एन्ट्री न० 193-के०, सी० एस० नं० 1361 है तथा जो वरमोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, बम्बई म रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-4-1982 डाक्यूमेंट नं० 527/1980

को पूर्वीक्त संपत्ति के उाचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथानूबीके। सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्दक् प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजियत उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिख्यत से वास्तिक का ने कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तारता सारा प्रकटनहीं किया गया था या किया नाना बाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए,

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को गरा 269-य को उपधारा (1) के सथीन, निम्निसिसित स्युक्तियों, अथीस् :--- 1. श्री चद्रकात गजानन गुप्ते

(भ्रन्तरक)

 विभावरी कोग्रापरेटिब्स हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिनां गुरू करता हों।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील मे 30 दिन की भविष्ठ; को भी अवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियार:
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के गाम जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---दसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों हा, बो सक्त धांधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस शब्दाय में दिया गया है।

मन्सूची

अनुसूची जैसा कि विलेख स० न० 527/1980 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनाक 12-4-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एघ० श्राब्बास श्रविवी सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 21-12-1982

प्ररूप आर्इ , टी. एन्. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 22 दिसम्बर 1982 निदेश सं० हिसार/219/82-83-श्वतः मुझे, रा० . के० भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जमीन बीड़ है तथा जो हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार मे रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1. श्री नरेन्द्र नाथ पुत्र श्री कुन्दन लाल प्लाट नं० 34 ब्लाक पीरांबाली, हिसार (भ्रन्तरक)
- 2 श्री कुल भूषण, अशोक कुमार, प्रमोद कुमार दीपक कुमार, पुतान फिरोजी लाल जैन, जैन गली हिसार (मोती चौक) (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति जमीन बीड़ हिन्सर में श्रीर जिसका श्रन्य विव-रण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री मख्या 445 विनाक 29-4-1982 में दिया हग्री है।

> रा० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

नारीफ · 22-12-1982

माहर:

SUPREMI' COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th January 1983

No. F. 6/83-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri S. C. Arora, officiating Stenographer as officiating P. A. to Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 3, 1983, until further orders

No. F.6/4/83-SCA(I).—Shri Shyam Lal Sharma, P. A. to Registrar, Supreme Court of India, has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of December 31, 1982. India with

> S. GHOSH, Assistant Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th December 1982

No. A. 32014/2/82-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. D. Kshtriya, a permanent Research Assistant and officiating as Research Investigator in the Office of Union Public Service Cmmission to officiate as Junior Research Officer (R&S) on an basis on 13-12-1982 and on a regular basis in the Commis-

sion's office we.f. 14-12-1982 until further orders vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on leave.

Y. R. GANDHI,

Under Secy. (Admn.) for Secy.

New Delhi, the 16th December 1982

No. A. 32014/3/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 18-9-1982, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (DP) on an ad-hoc basis for the further period of three months w.e.f. 1-12-1982 to 28-2-1983 or until further orders whichever is earlier:

- Shri M. M. Sharma Shri Jagdish Lal
- Smt. D. J. Lalwani Smt. Raj Sethi
- Miss Sudarshan Handa
- Shri R. R. Bhardwaj
- Shri O. P. Sud
- Shri J. J. Chakravarty
 Smt. S. Sardana
- 2. The above mentioned persons should note that ad-hoc appointment to the post of Superintendent (DP) will not automatically entitle them to regular absorption or for seniority in the grade.

. C. KAMBOJ Section Officer for Secy.

New Delhi-11, the 26th November, 1982

No. A. 32014/1/82-Admn. I - The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants/Personnel Assistant of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below.

| S. No | Name . | | - | | | | | | | Period. | Remarks |
|----------|-------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---------------------|---|
| 1. | Shri O.P. Deora | | | | | | | | | 16-11-82 to 15-2-83 | Vice Sh. Joginder Singh promoted as P.S. |
| 2. | Shrl H.C. Katoch | | , | • | | | • | • | | 5-11-82 to 4-2-82 | Against one of the long term vacancies. |
| 3. | Shrl T.R. Sharma | | | | | | | | | Do. | Do. |
| 4. | Shri Sham Parkash | • | ٠ | | • | • | • | | - | 2-11-82 to 1-2-83 | Vice Sh. R. L. Thakur pro- moted as P.S. |
| 5. | Sh. H.O. Madan | | | | • | ٠ | , | | | 6-11-82 to 5-2-83 | Vice Sh. B.B. Chibber promoted as P.S. |

- The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on adhoc basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.
 - 3. The above appointments are subject to the approval of the DPARs.

Y. R. GANDHI, Under Sccy. (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

REVENUES, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1982

No. Admn. 1/0. 0. No. 502 -The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates shown against them untill further orders.

and

- 1. Shri H. C. Grover-1-1-83 (F.N.).
- 2. Shri K Prasad-3-1-1983 F.N.).

A. S. MOHINDRA, Joint Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I, KARNATAKA

Bangalore, the 10th November 1982 OFFICE ORDER

No. ES.I/A4/82-83/850.—The Accountant General pleased to promote Shri B. V. Anantharamu, permanent Section Officer as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of taking over charge.

Sd/- ILLEGIBLE

Senior Deputy Accountant General (A)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

No. O.II-1429 78-Estt.—Consequent on his permanent absorption in the rank of Communication Officer in the Directorate of preventive operations (Customs and Central Excise, Ministry of Finance) w.e.f. 24-3-1982, Shri S. P. Srivastava, Dy. S. P. of C.R.P.F. Presently on deputation with the abovementioned organisation) is struck off the strength of C.R.P.F. w.e.f. 24-3-1982.

The 5th January 1983

No. O.II-809|71-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. D. Mohapatra (GDO, Grade-II Dy.S.P.| Coy Comdr.) as GDO, Grade-I (Asstt. Commandant) in the C.R.P.F., with effect from 21-12-1982 (F.N.) till further orders

No. O.II-81|77-Estt.— Consequent on the expiry of his terms of re-employment in the CRPF, Lt. Col (Retd.) Y. G. Mathur relinquished charge of the post of Commandant CWS, CRPF, Rampur in the afternoon of 14-12-1982.

No. F.2|22|82-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm the following officers in the rank of Assistant Commandant in the C.R.P.F.:—

- 1. Shri N. N. Mishra
- 2. Shri H. R. Chowdhury
- 3. Shri Jasbir Singh
- 4. Shri P. S. Sandhu
- 5. Shri D. J. S. Dhillion

The 6th January 1983

No. F. 2/11/81-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm Sarva Shri A. N. Tripathi and C. M. Baskhi in the rank of Deputy Superintendent of Police in the C.R.P.F. w.e.f. 19-3-1981.

No. F.2/1681-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm Shri D. K. Sari in the rank of Commandant in the C.R.P.F. w.e.f. 20-3-1981.

No. O.II-1759|82-Fstt.—The Director General, pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 19th December, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 7th January 1983

No. O.II-1773|83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Suresh Chandra as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th December, 1982 subject to his being medically fit.

A. K. SURI

Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-1, the 1st January 1983

No. 11|37|80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M.T. Anaspure, an officer of the Government of Maharashtra, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 21st September, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Anaspure will be at Nasik.

No. 11|53|80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri T. V. Srinivasna, a retired Officer of the Tamil Nadu Cadre of the Indian Administrative Service and formerly working as Deputy Secretary (Census) in the Government of Tamil Nadu and ex-officio Joint Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, on re-employment basis, to the post of Joint Director of Census Operations in the aforesaid office on ad-hoc basis for a period not exceeding one year with effect from the 1st December, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier. The service of Shri T. V. Srinivasan may be terminated at any time during the

period of this re-employment, at the discretion of the appointing authority, without assigning any reason therefor.

2. The headquarters of Shri Srinivasan will be at Madras.

The 3rd January 1983

No. 11/41/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Smt. Meenakshi Hooja, an officer belonging to the Rajasthan Cadre of the Indian Administrative Service, who was working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, on deputation basis, to the Government of Rajasthan, Jaipur, with effect from the afternoon of the 16th November, 1982.

No. 10/25/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Gp. Cpt. B.B. Adlakha (5731) as Director (Electronic Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, for a period not exceeding five years with effect from the 21st August, 1980 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Gp. Cpt. Adlakha will be at New Delhi.

The 5th January 1983

No. 11/15/80-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri S. V. Katti, an officer of the Karnataka Civil Service and working as Deputy Director of Census Operation in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, on deputation basis, to the Govt. of Karnataka with effect from the afternoon of the 25th November, 1982.

P. PADMANABHA Registrar General, India

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500 476, the 4th January 1983

No. Admn.I/8.132/82-83/359.—Sri P. V. R. Subramanyam, Accounts Officer, Office of Accountant General. Andhra Pradesh-I expired on 8-11-82.

No. Admn. 1/8, 132/82-83/359.—Sri A. N. M. Suhrawardy Welfare Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh Hyderabad retired from Service on 30.11.82

B. MASON
Sr. Deputy Accountant General
Administration.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT S. C. RAILWAY

Secunderabad, the 1st January 1983

No. AU/Admn/XII/59.Vol.I.—The Director of Audit, South Central Railway/Secunderabad, has been pleased to... promote Sri A. Balasubramanian. Permanent Section Officer, to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000_EB-40-1200 with effect from 18-11-1982 FN, until further orders.

T. S. RAMASUBRAMANIAN
Deputy Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 6th December 1982

No. 57/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. G. Ranade, Offg. General Manager (SG) Level I retired from service w.e.f. 31st August, 1982 afternoon.

No. 1/G/83.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri G. R. Narasimhan, Addl. DGOF/Member, retired from service with effect from 31st Dec., 1982/AN.

No. 2/G/83.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri G. N. Ramaseshan, Addl. DGOF/Member, retired from service with effect from 31st Dec., 1982/AN.

V. K. MEHTA Director

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 31st December 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1161/76-ADMN(G)/7900.—The President is pleased to allow Shri M. P. Singh an Officer of the Uttar Pradesh

(Civil) Judicial Service and Legal Adviser in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi to continue to officiate on ad-hoc basis in the same capacity in the same office for a further period with effect from 15-11-1981 to 30-11-1982.

The 5th January 1983

No. 6/533/58-Admn(G)/43.—Shri A. Ramachandran, an officer of the Selection Grade of C.S.S. relinquished the charge of the office of the Export Commissioner in this office on completion of one year of extension of service from the date of his superannuation 31-12-1981, and is permitted to retire with effect from the afternoon of the 31st December, 1982.

MANI NARAYANSWAMI
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, 31st December 1982

No. 6/1339/8r-ADMN(G)/72—On attaining the age of superannuation the following officers of the Import and Export Trade Control Organisation, have been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the dates shown against their names.

| S. Name of the officer and No. | d Des | signa | tion | | | Office in Which he was working | Date of Retirement |
|---|-------|-------|------|------|--|---|---|
| Sum. I.H. Malkani Shri B.G. Gogwekar Shri S. Govindarajan Shri A.K. Ghosh Shri S.G. Potuls Shri P.B. Nayar | | | | | Controller Controller Controller Controller Controller Controller | Office of JCCI &E, Bombay Do. Do. Madras Office of JCCI & E, Calcutta Office of JCCI &E, Bombay Office of JCCI &E, Banglore | 31-5-1982 31-8-1982 30-9-1982 31-8-1982 31-1-1981 31-10-1982 |

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 27th December 1982

No. A-12025(i)/3/82-Admn.II(A).—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri H. S. Rathod, Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers' Service Centre under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 14th August, 1982.

VINAY JHA

Additional Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 3rd January 1983

No. A. 19018/93/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Scientist/Engineer 'Grade SE' in the Department of Electronics, New Delhi Shri A. N. Sahai has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Electronics) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 7th December 1982.

The 5th January 1983

No. A-19018(642)/82-Admm(G).—The Development Commissioner is placed to appoint Shri K. Gujjalah, SIPO (Mech.) Small Inrustries Service Institute, Hyderabad as 22—436 GI/82

Asst. Director (Gr.II) (Mech.) on Ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon of 3.12.1982 until further orders,

C.C. ROY Deputy Director Adm.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 5th January 1983

No. A-1/1(1156).—The Presiden is pleased to the continuance of ad-hoc appointment of Shri T. V. Pote as Assistant Director (Litigation) (Grade I) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay for a further period of six months beyond 15-10-1982 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 10th January 1983

No. A-1/1(1202)/82.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri V. Doraikannan, Dock Inspector in the office of DS&D, Madras to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 24-12-82 and until further orders.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Doralkannan as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Doraikannan relinquished charge of the post of Dock Inspector in the office of DS&D, Madras on 15-12-1982 (AN) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 24-12-1982 in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay.

S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 5th January 1983

No. A6/247(475).—The President is pleased to appoint Shri V. B. Hajela, Assistant Inspecting Officer (Tex) in the office of Deputy Director of Inspection, NZL Circle, Kanpur as Inspecting Officer (Tex) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Textiles Branch in the same office on ad-hoc basis with effect from forenoon of 16th December, 1982.

2. Shri Hajela relinquished the charge of the post of AIO (Tex) and assumed the charge of the post of IO (Tex) on the forencon of 16th December, 1982.

S. L. KAPOOR, Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINE INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th January 1983

No. A19011(314)/82-Estt:A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Sarbeshwar Singh, Asstt. Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd October, 1982.

The 5th January 1983

No. A-19011(7)/82-Estt.A.—On his retirement on attaining the age of superannuation Shri D. M. Sen, Controller of Mines, is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30-11-82 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

No. A.19011(246)/82-Bstt.A.—On the recommendation of Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. M. Shende, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in the officiating capacity w.e.f. the forenoon of 20th November. 1982.

Mo. A.19011(312)/82-Estt.A..—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. S. Rao, Assistant Research Officer (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in the officiating capacity w.e.f. the forenoon of 19th November, 1982.

> B. C. MISHRA. Head of Office. Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : JALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th January, 1983

No. 3/6/81-SIII (Pt. III—Consequent upon their promotion, the undermentioned Senior Engineering Asstt. have assumed charge of the posts of Asstt. Engineer at different offices of All India Radio/Doordarshan in a temporary capacity form the date mentioned against each:—

| S. No. | | Na | me | | | | | | | Station where posted | Date of joining |
|-----------|--------------------|-------------|----|---|---|---|---|---|---|--|-----------------|
| 1, | S/Shrl S.N. Ghosh | | | • | | | | | | TVRC, Agartala | 10-12-82 |
| 2. | D.K. Kapoor . | | | | | | | | | PHT, AIR, Khampur, Delhi | 13-12-82 |
| 3; | R. Subramanian | | - | | | | | | | AIR, Imphal | 18-11-82 (AN) |
| 4: | M.K. Gupta . | | | | | | | | | AIR, Kohima | 29-11-82 |
| 5. | R.S. Francis . | | | | | | | | | AIR, Tiruchirapalli | 13-12-82 |
| Ő, | R.K. Kanda | | | | | | | | | DDK, Jalandhar | 30-11-82 |
| 7. | Kamlesh Ray . | | | | | | | | | UDK, New Delhi (Mandi House) | 29-11-82 |
| 8. | C.P. Mahalwala | | | | | | | | | AIR, Gorakhpur | 1-12-82 |
| 9. | Smt. N. Mandal | | | | | | | | | AIR, Calcutta | 8-12-82 |
| 10. | B.L. Ambaradar | | | | | | | | | DDK, Srinagar | 30-14-82 |
| 11. | G.R. Bafanda | | | - | | | | | | DDK Srinagar | 1-12-82 |
| 12, | G.N. Mishra . | | | | | | | | | DDK, Srinagar | 3-12-82 |
| 13. | Chanan Singh . | | | | | | | | | AIR, Simal | 6-12-82 |
| 14. | R.K. Varma | | | | | | | | | AIR, Phopal | 29-11-82 |
| 15. | V.R. Ramachandraan | ı | | | | | | | | CE (SZ), AIR, Madras | 27-11-82 |
| 16. | D.N. Jethani | | | | | | | | | . AIR, Hyderabad | 6-12-82 |
| 17. | A.W. Coutinho | , | | | | | | | | AIR, Panaii | 1-12-82 (AN) |
| 18. | B.T. Saikia | | | | | | | | | AIR, Aizwal | 26-11-82 |
| 19. | P. Raghunathan | | | | | | | | | . DDK, Madras | 1-12-82 |
| 20. | T. Sukumaran | | | | | | | | | AIR, Impahal | 15-11-82 |
| 21. | R. Srimvasan | | | | | | | | | CE(EZ), AIR, Calcutta | 18-10-82 |
| 22. | R.K. Kapariha | | | | | , | | | | AIR, Chatarpur | 27-11-82 |
| 23: | A.X. Thomas | | | | | | | | | TVRC, Bhuyaneshwar | 30-11-82 |
| 24. | M.S. Chattwal | | | | | | | | | AIR, Jalandhar | 29-11-82 |
| 25. | I.B. Bhattacharya | | | | | | | | | DDK, Jaipur | 26-11-82 |
| 26. | M.P. Mathai | | | | | | | | | AIR, Sambalpur | 30-11-82 |
| 27. | N.H.C. Rao | | | | | , | | | | DDK, Muzaffarpur | 30-11-82 |
| 28. | B.L. Zutshi | | | | | | | | | Radio Kashmir, Jammu | 29-11-82 |
| 29. | M.S. Khatkar . | | | | , | | | | | Radio Kashmir, Jammu | 29-11-82 |
| 30. | R.C. Bawa | , | | | , | | | | | AIR, Lucknow | 25-11-82 |
| 31. | D.V. Rao | | | | | | | , | , | AIR, Ahmedabad | 29-11-82 (AN) |
| 32. | C.K. Sikdar | | | | | | , | | | AIR, Calcutta | 29-11-82 |
| 33. | B. Surendeshna | | | | | | | | | Research & Development Unit, New Delhi | 25-11-82 |

| 1 | 2 | | | | | 3 - | 4 |
|-----|----------------------|-----|---|--|---|-------------------------|-----------------------|
| 34. | G.Ramdas . | | | | | . Do. | 25-11-82 |
| 35. | H.R. Khanduja | | | | , | . D o. | 29-11-82 |
| 36. | Y.V. Raghylah . | | | | | . AIR, Cuttack | 25-11-82 |
| 37. | R. Parthasarthy . | | | | | . DDK, Gulbarga | 1-12-82 |
| 38. | S.P. Chawla . | | | | | . AIR, Jodhpur | 24-11-82 (AN) |
| 39. | K.S. Majithia | | | | | . CE(EZ), AIR, Calcutta | 29-10-82 |
| 40. | Avinash Kumar | | | | | . Do. | 30-10-82 |
| 41. | M.C. Lahkar | | | | | . Do. | 11-10-82 |
| 42. | A. Karmakar | | | | | . D o. | 27-9-82 |
| 43. | J.N. Handique . | | | | | . Do . | 29-10-82 |
| 44. | K. Ravikumar | | | | | . DDK, Madras | 22 - 11-82 |
| 45. | C. Thomilmoni | | | | | . AIR, Dibrugarh | 22-11-82 |
| 46. | Mapmohan Sharma | | | | | . AIR, Jodhpur | 18-11-82 (AN) |
| 47. | Baldev Kumar | | | | | HPT, AIR, Khampur Delhi | 22-12-82 |
| 48. | A.K. Saha . | | | | | . DDK, Calcutta | 27-11-82 |
| 49. | B.R. Talwar | | , | | | . DDK, Lucknow | 25-11-82 |
| 50. | S.N. Keshetri . | | | | | . CE(EZ), AIR, Calcutta | 29-11-82 |
| 51. | P.N. Saha | | | | | , D o. | 29-11-82 |
| 52. | R. Seethuraman | | , | | | . DDK, Madras | 17-11-82 |
| 53. | C.A.S.D. Cruz Fernan | des | | | | . AIR, Jalgaon | 31-12-82 |
| | Ayaz Ahmed | | | | | Radio Kashmir, Srinagar | 9-12-82 |

Y. VARMA

Dy. Director of Administration (E)
For Director General

FILMS DIVISION

New Delhi, the 4th January 1983

No. $A_720012/20/71$ -Admn.—Shri Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri Narinder Singh Kaleka, Permanent Assistant Maintenance Engineer to officiate as Maintenance Engineer purely on ad-hoc basis at the same station with effect from the forenoon of 18th December, 1982.

D. N. PANDE, Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th December 1982

No. A-19020/2/81-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to terminate the services of Dr. N. K. Verma, Dental Surgeon under the Central Govt Health Scheme, with effect from the 24th June, 1982.

The 5th January 1983

No. A-19019/25/80-Admn.L—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. N. K. Raisinghani to the post of Dental Surgeon at Dr. R. M. L. Hospital, New Delhi, on a purely ad-hoc basis w.e.f. the 22nd July, 1982 (AN) to the 11th October, 1982 (AN).

2. Having resigned from Govt. Service, Dr. Raisinghani relinquished charge of the post of Dental Surgeon, Dr. R. M. L. Hospital, New Delhi, on the 11th October, 1982 (AN).

T. C. JAIN, Deputy Director Adm. (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 4th January 1983

No. A. 19012|5|82-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. L. Daphu in the post of Accounts Officer, Govt. Medical Store Depot, Karnal with

effect from the forenoon of 24th Nov., 1982 on deputation terms and until further orders.

RAMESH CHANDRA, Dy. Director Administration (ST)

New Delhi, the 6th January 1983

F. No. A. 12025|18|80-NICD|Admn.I|(CD&L) Vol. II.— The President is pleased to appoint Shri Vinod Kumar Raina to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 24th Nov., 1982 (FN) and until further orders.

The 7th January 1983

F. No. A.12025[18]80-NICD[Admn.I.]PH(CD&L) Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri Shiv Kumar to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 30th October 1982 (FN) and until further orders.

N. B. LAL, Dy. Director Admn. (PH.).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 1st January 1983

No. Ref. DPS/2/1(3)82-Adm./3.—On transfer from Rajasthan Atomic Power Project, Kota, Shri Shivaputra Revappa Shidlyali, a permanent Lower Division Clerk and officiating Accounts Officer-II has been appointed in the Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy in the same capacity with effect from the afternoon of November 2, 1982 and until further orders.

The 5th January 1983

Ref. No. DPS|2|15|80-Est.|449.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. S. Thiruvenkatam, a permanent Storekceper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—

30-740-35-810- EB -35-880-40-1000- EB -40-1200 with effect from 1-12-1982 (FN) until further orders.

> K. P. JOSEPH, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 17th December 1982

No. 9/146/82-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri K. K. Gopalakrishnan Nair, Stores Assistant 'B' of Vikram Sarabhai Space Centre as Assistant Stores Officer in the Civil

Engineering Division of the Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of December 15, 1982 and until further orders.

The 20th December 1982

No. 9|147|82-CED(H).—Chief Engineer, Civil Englneering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri K. Chandrasekharan Nair, Stores Assistant 'B' of SHAR Centre, Sriharikota as Assistant Stores Officer in an officiating capacity in the Civil Engineering Division of the Department of Space with effect from the forenoon of December 15, 1982 and until further orders.

L. RAJAGOPAL,

Administrative Officer-II, for Chief Engineer.

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 22nd December 1982

No. 020/3/(061) AD 82—Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and Provisional basis and until further orders:

| Sl. No. | Nar | me | | | | Designation | Date |
|------------|-----------------------|----|--|---|--|-----------------------|----------|
| 1. | Shri Kishori Lalsah | | | | | Sci/Engineer 'SB' | 22-11-82 |
| 2. | Shri T.H. Sreenivas . | | | | | Sci/Engineer 'SB' | 24-11-82 |
| 3. | Shri S. Sharad | | | , | | Sci-Engineer 'SB' | 30-11-82 |
| 4. | Shri B. Rama Rao . | | | | | Sci-Engineer 'SB' | 30-11-82 |
| 5. | Shr Anantharam U.T. | | | | | Sci/Engineer 'SB' | 4-12-82 |
| 6. | Shri K. Karthikeyan . | | | | | Sci/Engineer 'SB' | 6-12-82 |
| 7, | Shrl S. V. Yaji | | | | | Sci/Engineer 'SB' | 4-12-82 |
| 8. | Shri B.R. Ramakumar | | | | | Sci/Engineer 'SB' | 13-12-82 |

(S. SUBRAMANYAM)
Administrative Officer

31-1-83

31-1-83

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, 20th December 1982

No. A-32014/3/81-EA—The Director General, Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the under-mentioned Assistant Acrodrome Officers upto the dates mentioned against their names:—

| SI. N No. | lame | | | | | Dato |
|--------------|------------------|----|---|---|---|---------|
| | S/Shri | | | | | |
| 1. | K.C. Biswas | | | | | 18-9-81 |
| 2. | V. V. Divakar | | | | | 18-9-81 |
| 3. | S.L. Biswas . | | | | | 18-9-81 |
| 4. | C.B. Yadanik | | | | | 18-9-81 |
| 5. | A.C. Das | | | | | 18-9-81 |
| 6. | Inderjit Singh | | | | | 18-9-81 |
| 7. | G.B. Singh | | | | | 18-9-81 |
| 8. | J.P. Kapoor | | | | | 18-9-81 |
| 9. | P. M. Dhanraj | | | | | 18-9-81 |
| 10. | M.S. Rawat. | | | | | 18-9-81 |
| 11. | N.C. Edbore | | | | | 18-9-81 |
| 12. | A.C. Jassal | | | | | 18-9-81 |
| 13. | D.K. Jain | | | | | 18-9-81 |
| 14. | S.A. Krishnan | | | | | 18-9-81 |
| 15. | Y.P. Sawheny | | | | | 18-9-88 |
| 16. | J.C. Kartania | | | | | 18-9-81 |
| 17. | M.S. Mallick | | | | , | 18-9-81 |
| 18. | C.V. Raisinghani | | · | · | ġ | 18-9-81 |
| 19. | Gurmukh Singh | | · | • | • | 28-1-82 |
| 20. | R. Sampath | ٠. | | | • | 28-1-82 |

| 1 | 2 | | | | | | 3 |
|------------|--------------------|---|---|-----|---|---------|----------|
| 21. | Gurmukh Singh II | | | | | | 28-1-82 |
| 22. | N.V. Satyamurthy | | | | | | 30-9-81 |
| 23. | S. Manian . | | | | | | 31-2-80 |
| 24. | Shyamal Sen Gupta | 1 | | | | | 31-1-83 |
| 25. | B.B. Das. | | | | | | 31-1-83 |
| 26. | N.K.G. Rao | | | | | | 31-1-83 |
| 27. | S.N. Sakar | | | | | | 31-1-83 |
| 28. | J.V.S. Rao | | | | | | 31-1-83 |
| 29. | S.K. Son Gupta . | | | | | | 31-1-83 |
| 30. | S.P. Rikhi | | | | | | 31-1-83 |
| 31. | P.S. Jasswal | | , | | | | 31-1-83 |
| 32. | V.P. Saini . | | | | | | 31-1-83 |
| 33. | Amar Chand | | | | | | 31-1-83 |
| 34. | R.D. Bajpai . | | | | | | 31-1-83 |
| 35. | G.B. Purohit . | | | | | | 31-1-83 |
| 36. | B. Kumar | | | | | - | 31-1-83 |
| 37. | Sabu Nandan | | | | | | 31-1-83 |
| 38. | S. K Dob Mandal | | | | , | | 31-11-83 |
| 39. | N.R. Choudhry . | | | | | | 31-1-83 |
| 40. | R.Y. Pol | | | | | | 31-1-83 |
| 41. | Harbans Lal . | | | | | | 31-1-83 |
| 42. | Trilok Singh . | | | | | | 31-1-83 |
| 43. | C.B. Kalgiri | | | , . | | ٠, | 13-1-83 |
| 44. | M.C. Bhattacharjee | , | | | | | 31-1-83 |
| 45. | J.D. Mallick | | | | , | | 31-1-83 |
| | | | | | | | |

46. R.L. Majumdar

47. P.K. Banorjee

| 1 | 2 | | | | | | 3 | 1 | 2 | <u> </u> | | | | 3 |
|-------------|------------------|---|---|---|---|---|------------------|------|------------------|--------------|--------|-------|--------|-----------------------|
| 48. | S.D. Bhoumick | - | | | | | 31-1-83 | 78. | A.K. Dhaupar | · . | | | | 31-1-83 |
| 49. | M.K. Bardhan | | | | | | 31-1-83 | 79. | S.K. Deswal . | | | | | 31-1-83 |
| 50. | S.D. Duggal . | | • | | | - | 31-1-83 | 80. | K.G. Sharma | | | | | 31-1-83 |
| 51. | Arjun Singh | | | | | | 31-1-83 | 81. | A.C. Srivastava | | | | | 31-1-83 |
| 52. | G.R. Bains . | | | | | | 31-1-83 | 82. | P.R. Patwardhan | | | | | 31-1-83 |
| 53. | H.B. Roy | | - | | | | 31-1 -8 3 | 83. | K.D. Uthayiah | | | | | 31-1-83 |
| 54. | P.C. Dorairaj | | | | , | | 31-1-83 | 84. | K.B. Raghunashi | | | | | 31-1-83 |
| 55. | H.S. Haldar | | | | | | 31-1 -83 | 85. | Kuldeep Singh | | | | | 31-1-83 |
| 56. | C.L. D'Cunha | | , | | | | 31-1-83 | 86. | M. Chandrasekhar | | | | | 31-1-83 |
| 57 . | T.C. Gurnani | | | | | | 31-1-83 | 87. | J. Shivraj . | | | | | 31-1-83 |
| 58. | K.O. Chandy | | | | | | 31-1-83 | 88. | S.N. Chanda | | | | | 31-1-83 |
| 59. | N. Sambasiva Rao | | | | | | 31-1-83 | 89. | L. Rajendran . | | | | | 31-1-83 |
| 60. | U.P. Roy | | | | | | 31-1-83 | 90. | I.S. Dholakia . | | | | | 31-1-83 |
| 61. | M.K. Kurian | | | | | | 31-1-83 | 91. | S.W. Mohan Roy | | | | | 31-1-83 |
| 62. | N.K. Jeswani | | | | | | 31-1-83 | 92. | Pabitra Biswas | | | - | | 31-1-83 |
| 63. | M.R. Chanam | | | | | | 31-1-83 | 93. | J. Stanislaous | | | , | | 31-1-83 |
| 64. | B.K. Bhaderkar | | | , | | | 31-1-83 | 94. | M.O. Qureshi | | | | | 31-1-83 |
| 65. | R.K. Sen Gupta | | | | | | 31-1-83 | 95. | P.H. Iyer | | | | | 31-1-83 |
| 66. | M.K. Lokhande | , | | | | | 31-1-83 | 96. | V. Ranganathan | | | , | | 31-1-83 |
| 67. | A.K. Majumdar | | | | | | 31-1-83 | 97. | H.N. Trusal | | | | | 31-1-83 |
| 68. | C.R. Chakraborty | | | | | | 31-1-83 | 98. | R.K. Kapoor | | | | | 31-1-83 |
| 69. | R.N. Dutta . | | | | | | 31-1-83 | 99. | R.L. Roda | | | | | 31-1-83 |
| 70. | R.K. Sharma | | | | | | 31-1-83 | 100, | A.R. Mitra | | | | | 31-1-83 |
| 71. | B.K. Majumdar | | | | | | 31-1-83 | 101. | G.C. Sarkar | | | | | 31-1-83 |
| 72. | K.K. Majumdar | | | | | | 31-1-83 | 102. | R.R. Saxona | | | | | 31-1-83 |
| 73. | Rattan Kumar | | | | | | 31-1-83 | 103. | K.S. Hazare | | | | | 31-1-83 |
| 74. | R. Rangarajan | | | | | , | 31-1-83 | | | | | | | |
| 75. | O.P. Malhotra | | | | | | 31-1-83 | | | | | | _ | |
| 76. | Onkar Singh | | | | | | 31-1-83 | | | | | | О. | |
| 77. | M. Gorey | | | | | | 31-1-83 | | _ | As | sistan | it Di | rector | of Admn, Aviation. |

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd Jan 1983

No. A. 32014/4/81-EC—The Directore General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistant at Present working as Asstt. Communication Officer on ad-hoc basis to the grade of Asstt. Communication Officer on regular basis w.e.f. from the date mentioned against each and the post them to the station indicated against each.

| S. No. | Name | Station of posting | Date of regular appit. |
|--|------|--|---------------------------|
| S/Shri. 1. S.K. Chatterje 2. R. T. Singh | | Aeor. Comm. Stn. Calcutta CATC Allahabad. | 8-2-82 (FN) 3-5-82(FN) |

(PREM CHAND)
Asstt. Director of (Admn.)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 20th December 1982

No. A. 32015|1|82-EI.—The President is pleased to promote Shri V. S. Prabhala, Deputy Director of Equipment to the post of Director (Training & Licensing) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th December, 1982 until further orders.

O. P. JAIN, Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 6th January 1983

No. A.12026|1|82-ES.—The President is pleased to appoint on deputation the undermentioned Air Force Officers

in the Civil Aviation Departments (Calibration Unit) against the appointments shown against their names for a period of two years and with effect from the date shown against each:—

1.Sqn. Ldr. K. R. Pawa, Pilot, w.e.f. 2-12-1982.

- 2. Sqn. Ldr. J. Singh, Pilot w.e.f. 22-11-1982.
- 3. Sqn. Ldr. N. K. Sindhi, Co-Pilot, w.e.f. 14-12-1982.
- 4. Squ. Ldr. V. K. Edwin, Co-Pilot, w.e.f. 22-11-1982
- 5. Sqn. Ldr. T. K. Mitra, Co-Pilot, w.e.f. 23-11-1982.

J. C. GARG,

Asstt. Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 31st December 1982

No. 1|462||82-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. K. Saxena, Technical Assistant, New Delhi, as Assistan Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 2nd December, 1982, and until further orders, on a regular basis.

No. 1/483/82-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. A. Thaley Supervisor, Bombay, as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the Calcutta Branch with effect from the forenoon of the 10th December, 1982, and until further orders.

No. 1|483|82-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. K. Chaddah, Supervisor, New Delhi, as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forencom of the 10th December 1982, and until further orders.

P. K. G. NAYAR, Director (Admn.), for Director General.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Andhra Luthern Conference

Hyderabad, the 27th December 1982

No. 385/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Andhra Luthern Conference unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Circars Coffee Development Company Private Limited

Hyderabad, the 27th December 1982

No. 1230/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Circars Coffee Development Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. V. MEDHI Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bhattacharjee Roy Private Limited Calcutta, the 4th January 1983

No. 10542/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
T. P. Exports Private Limited
Calcutta, the 4th January 1983

No.' 30423/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at

the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of SAS-Exporters Private Limited

Calcutta, the 4th January 1983

No. 31182/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Kwality Hotels Private Limited Calcutta, the 4th January 1983

No. 29399/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1936, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bandlpur Knitters Society Private Limited Calcutta, the 4th January 1983

No. 25742/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Loke Nath Trading Company Private Limited

Calcutta, the 4th January 1983

No. 23433/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1936, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

India Cross Machines Limited Calcutta, the 4th January 1983

No. 27029/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ranjit Private Limited

Calcutta, the 4th January 1983

No. 12322/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the above named Company unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Assit. Registrar Companies, West Bouget In the matter of Companies Act 1 of 1956 and In the matter of Kal Bong Company Limited

Calcutta, the 4th January 1983

No. L/25332-HLD/1997.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 9-3-81 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta

In the matter of the Companies Act, 1956 and

In the matter of M/s M.G. Gramanl Transports Private Ltd.

Pondicherry, the 22nd December 1982

No. 57/Sec. 560(3)/82.—Notice is hereby given pursuance to Sub Sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of 3 months from the date hereof the name of the company "M/s M.G. Gramani Transports Private Limited" unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO Registrar of Companies Pondicherry Gwalior-474009, the 4th January 1983

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Madhya Bharat Trading Company Private Limited

No. 465/CP/3691,—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Madhya Bharat Trading Company Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh Gwalior

CORRIGENDUM

| S.N. List | in the A.P. No. | Rogd, Deed No./Month/ S.R. | Name of the Transferce. |
|--------------|--------------------|----------------------------------|---|
| 30 | 3683 | 167 of 4/82 S.R. Moga A | In place of Mukund Lai S/O Lai Chand tr/o Basti lipur, Moga it may be read as "Mukund Lai s/o Lai Chand Shanti Devi w/o Gopai Dass, Kharati Lai son and Maya Devi w/o Larika iRam R/O Basti Alipur, Moga. |

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th December 1982

Ref. No. III-629/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Holding No. 1397 (Old) 1694 (New), Ward No. 9 situated at Mohalla—Gewalbigha (Near B.S.R.T.C. Bus Stand), P.O./Dist—Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-4-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Shri Susmit Chakravarti,
 R/o Manik Sharkar Chowk,
 P. S. Kotwali, P.O./Dist. Bhagalpur.

P.O. /Dist.-Gaya.

(2) Shri Madan Prasad, Proprietor "Shree Shankar Steel Industries", R/o Shamir-Takiya, P.B. No. 50,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas, 14 Dhurs with pucce house situated at Mohalla—Gewalbigha, P.S. Civil Line, Diat—Gaya and morefully described in deed No. 3166 dated 13-4-1982 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 9-12- 1982

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th December 1982

Ref. No. III-628/Acq./82-83.--Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 1397 (Old) 1694 (New), Ward No. 9 situated at Mohalla—Gewalbigha (Near B.S.R.T.C. Stand), P.O./Dist, Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 23-436 GI/82

(1) Smt. Binapani Chakravarti, R/o J. N. Road, Goalpara, Assam. 2. Smt. Indira Chakravarti, R/o Village—Bihhmanpara, P.S. Bilasipara, Goalpara, Assam. 3. Smt. Savitri Dey Choudhuri, R/o 22C, Raja S.C. Mullick Road, P.S. Jadaypur, Calcutta. 4. Smt. Gayatri Bhattacharjee, P.O. Bagrakote, Jalpaguri,
S. Smt. Arati Chakravarti,
R/o Maithon, P.S. Chirkunda,
Dist. Dhanbad. 6. Smt. Sucheta Pandey, R/o 839/2 Lake Town, Calcutta-55, 7. Smt. Santa Sen, R/o 62/I/1, Maharaja Tagore Road, Calcutta-31. Calculated S. Sri Milan Bhattacharya, R/o Bose Pukur Road, Rajapur, Dist. 24 Parganas, 9. Sri Samya Bhattacharya, R/o Bose Pukur Road, Rajapur, Dist. 24 Parganas.

(Transferor)

(2) Shri Madan Prasad, Proprietor "Shree Shankar Steel Industries" R/o Shamir-Takiya, P.B. No. 50, P.O./Dist, Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kathas 10 Dhurs with pucca house situated at Mohalla-Gewalbigha, P.S. Civil Line, Dist. Gaya and morefully described in deed No. 3165 dated 13-4-1982 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 9-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

((1) Shri Iresh Kumar Chakravarti C/o M/s. Garhwal Transport, R/o Mokherjee Marg, Rishikesh, Uttar Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Madan Prasad. Proprietor "Shree Shankar Steel Industries". R/o Shamir-Takiya. P.B. No. 50, P.O./Dist. Gaya.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th December 1982

Ref. No. III-630/Acq./82-83.—Wheras, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Holding No. 1397 (Old) 1694 (New) Ward No. 9

Holding No. 1397 (Old) 1694 (New) Ward No. 9 situated at Mohaila—Gewaibigha (Near B.S.R.T.C. Bus Stand), P.O./Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I 'rereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely!—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 15 Dhurs with pucca house situated at Mohalla—Gewalbigha, P.S. Civil Lines, Dist. Gaya and morefully described in Deed No. 3147 dated 13-4-1982 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge
Bihar, Patna

Date: 9-12-1982

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th December 1982

Ref. No. III-627/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Holdnig No. 1397 (Old) 1694 (New) Ward No. 9 situated at Mohalla Gewalbigha (Near B.S.R.T.C. Bus Stand), P.O./Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nigam Kumar Chakrawarti R/o 9B, Hati Began Road, P.S. Baniapukur, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Madan Prasad Proprietor "Shree Shankar Steel Industries", R/o Shamir-Takiya, P.B. No. 50, P.O./Dist, Gaya.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 16 Dhurs with pucca house situated at Mohalla Gewalbigha, P.S. Civil Lines, Dist. Gaya and morefully described in Deed No. 3164 dated 13-4-1982 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 9-12-1982

Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC. 388/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Mosabtank

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer Khairatabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

((1) Smt. Ruhi Sherjeet and 2 others H. No. 12-2-458/4 Hill Colony Alapatinagar Road, Mehdipatnam Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri Habeeb Mohiuddin H. No. 10-5-3/1/1 Masabtauk Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in S. No. 27/A Masabtank Hyderabad area 960 sq. yards registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 909/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 14-12-1982

Seal :

L T N. S ...

(1) Smt. Sahiba Kamal, H. No. 12-2-458 4, Hill Colony, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rukia Begum Wlo late Burban Khan, 27/1. Masabiank, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC|389|82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN-MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Openland situated at Masabtank, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 27|A Masabtank Hyderabad area 856 sq. yards registered with Sub-registrar Khairatabad vide Doc. No. 910|82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

I. T. N. S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 390|82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mariam Tayas Ali, H. No. 12-2-458 4 Hill Colony, Mendipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd Hameedulah Khan, H. No. 20-7-597, Inside Fathedarwaza, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in survey No. 27 A Masabtank Hyderabad registered with sub-Registrar Khairatabad area 880 sq. yards vide Doc. No. 911 82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-the Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 14-12-1982

I. T. N. S.—-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC-391/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-2-507 situated at Asifnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Qumarunnisa Begum, 10-2-507|1, Asifnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Meraj Fatıma, W/o Sri Mir Abbas Ali Rajvi, B-5, Integrated Milk Project Colony, Lalapet Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 10-2-507|1 Asifnagar, Hyderabad registered with Sub-registrar, Khairatabad vide Doc. No. 791|82.

M. JEGANMOHAN
Compet no Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-s
Acquisition Range, Hyderabad, (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

I. T. N. S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC No. 392|82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Yellareddyguda, Hydetubad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatbad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Aila Babiah & 4 others, H. No. 8-3-850, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Srinivasa Co-operative House Building Society, By president Smt. N. Valasela, 11-2-1138, Nampally, Hyderabad

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 4 acres 28.6 guntas in S. Nos. 80 to 87 and 89 at Adapacheru Kamalli Bowli Village Yellareddyguda registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. 873[82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

MOHAN.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982 Ref. No. RAC/393/82-83.—Whereas, 1, M. JFGAN

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. F. 308 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — 24—436 GI/82

- (1) Smt. M. Karunasri, Wo M. Raja Ram, H. No. 3-6-175, Hyderguda, Hyderabad.
- (2) Shri Matrusri Engineers and Builders (P) Ltd., 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad-500 001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 308 in Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (AP)

Date: 14-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC/394/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F. No. 94/F situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in April, 1982 for an apparent consideration

of :--

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Virgo Construction, Rep. by B. N. Reddy, R|o Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. T. Ramani, Wo Sri T. Sai Prasad, Flat No. 94/F/3rd floor, Kanti Sikhara Apartments, Panjagutta, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 94|F in third floor of Kanti Sikhara, Apartments, Panjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O, Hyderabad vide document No. 2838|82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 14-12-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Rcf. No. RAC/395/82-83.—Whereas, I, M JEG \N MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F. No. 8|E situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 M|s. Vurgo Constructions Rep. by B.N.R. Reddy, M. No. 6-1-1063|B|3, Rajbhavan Road, Panjagutta, Hyderabad. (Transferor)

(2) Smt. Usha Srinivasan W/o Capt P. K. S. Rao, H. No ε-3-668/0/1/1/8, Panjagusta, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 8|E ground floor in Kanti Sikhara Apartments, Panjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2666|82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (AP.)

Date: 14-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

No. RAC/396/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. No. 24|A situated at Panjagutta, Hyderabad

F. No. 24 A situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Mls. Virgo Constructions, Rep. by B. N. Reddy, M-Ch. No. 6-1-1063|B|3, Rajbhavan Road, Panjagutta, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Dr. K. Krishnaveni, H. No. 1-1-336|80, Viveknagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in 24/A (ground floor) in Kanti Shikara Apartments in Panjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2670/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

RAC. No. 397/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 84/E situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed here), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice rader sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 M/s. Virgo Constructions, Raj Bhavan Road, Punjagutta, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Shri Khaleel Abdul Rahman
 C/o M. A. Rahman
 H. No. 6-2-11, I akdikapool
 Hyderabad

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) ny any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 84/E in third floor of Kanti Sikhara Apartments Punjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 2671/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

No. RAC/398/82-83.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

68/B situated at Punjagutth, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on April, 1982

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Virgo Constructions, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. V. Vijayalaxmi W/o Sri N. V. Ashok, H. No. 1-2-299, Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 68/B IInd floor of Kanti Sikhara Apartments Punjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 2672/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. 273/82-93.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

269B of being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 55/1 situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. P. Parandhamayya S/o Ramayya,

P. Ramarao,
 P. Subhashchandrabose,
 P. Venkateswara Nehru,

5. P. Kutumbarao, 6. P. Basavayya,

7. P. Ramarao,

Patamatalanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Health and Medical Employees, Co-op. Building Society, Ltd., No. G. 2676 R/p. by its President Sri K. Venkateswara Rao, S/o Laxmayya, Arandalpeta, Vijavawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 ways from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Of vial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 55-1 of Gunadala, Vijayawada area of 0-90 Cents, Jegistered with S.R.O., Vijayawada, vidc Document No 3227/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. 274/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 29/5 situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Sri P. Veerasagararao 9/o Vonkateswararao, Sn I. Vectoria.
 P. Sivaramakrishna,
 P. Venkateswarlu, Gandhinagaram, Vijayawada.

(Transferor) (2) The Health and Medical Employees, Co-op. Building Society. I td., No. G. 2676 R/p. by its President Sri K. Venkateswara Rao,

S/o Laxmayya, Arandalpet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 29-2 & 29-5 area of 1-00 acrs at Gunadala, Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide Document No. 603/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref No RAC/275/82 83 —Whereas, I M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No RS No. 55/1 situated at Gunadala, Vijayawada

RS No. 55/1 situated at Gunadala, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought t be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 25—436 GI/82

- (1) 1 P. Madhusudhanarao
 Adopted son of Kanakayya,
 2 P Sambasiyarao
 S/o Madhusudhanarao,
 3 P Surendra 2 & 3
- 3 P Surendra 2 & 3
 S/o Madhusudhanarao,
 Mogalrajaputam, Vijayawada

(Transferor)

(2) The Health and Medical Employees Co-op Building Society, Ltd., No G 2676 R/p by its President Sri K Venkateswararao, S/o Laxmayya, Arandalpet, Vijayawada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land in RS No 55-1 of Gunadala, Vijayawada area of 1-16 Cents registered with S.RO, Vijayawada vide Document No 3068/82

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A P)

Date 4-12-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 4th December 1982

Ref. No. RAC, 276/82-83—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2-26-6 situated at Srinagar, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Ramajogeswara Rao S/o Bhimsankaram, Srinagar Kakinada.

(fransferor)

(2) 1 G Sarveswara Rao 2 Suribabu,

Sons of Sri Satyanarayana, Indiapalem D No 2-26-6, Srinagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-APPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the tame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 2-26-6, Indrapalem, Srinagar, Kakinada in 228 sq. yards registered with S.R.O., Kakinada vide Documet No. 2626/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A,P)

Date : 4-12-1982

Scal :

FOR ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC/277/82-83.—Wheretas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D. No. 2-26-6 situated at Indiapalem, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (#) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Ramajogeswara Rao S/o Bhimasankaram, Suryarao Pet, Kakinada,

(Transferor)

(2) 1. Sri Grandhi Sarveswara Rao, 2 Sri Grandhi Suribabu Sons of late Satyanarayana Indrapalem, Kakinada D No. 2-26-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

House property in 228 sq. yards D. No. 2-26-6 Srinagar Kakinada registered with SRO, Kakinada, vide document No 2651/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date 4-12-1982

Scal:

FORM ITNO

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC. No. 278/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 46/1 situated at Madhavadhara Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sint, V. Annapoornamma W/o Late Gaddeppa, Madhavadhara Visakhapatnam-7.

(Transferor)

(2) Sr Laxmi Narasimha Co-op. House Building Society, Ltd., by its Secretary Sri K. Ganeswara Rao, Dwarkanagar, Vizag-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site in S. No. 46/1 of Madhavadhara Visakhapatnam, 29745 sq. mts. registered with S.R.O., Vizag, vde Document No. 3643/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Rcf. No. RAC. No. 279/82-83.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

46, 48, 50 to 52 & 54 situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. P. Varabaluchetty and B. Anand Kumar & Co., Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Srinivasa Co-op. House Building Society Ltd., R/P. by its President Sri A. Narasimharao, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 5454 sq. yards in S. Sos. 46-48, 50-52 and 54 at Madhavadhara, Vizag., registered with S.R.O., Vizag, vide Document No. 4150/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC. No. 280/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Patta No. 131 situated at Rushikonda Vizag.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parages, namely:—

Sri Secram Appalaswami
 S/o Late Satteyya,
 Rushikond Yendada Post, Vizag,

(Transferor)

(2) Sri Kushna Co-op. House Building Society Ltd., B. 1624, Visakhapatnam-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land in Patta No. 131 0-50 Cents at Rushikonda Village; Vizag registered with S.R.O., Vizag, vide Document No. 4241/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

Scal:

THE WAY ...

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC. No. 281/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

71/3&71/4, situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M. Laxmannswamy s/o Venkata Narayana, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Kiran Co-op. Housing Society Ltd. G.2770 President D. Laxmanaswamy S/o Rangaiah, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 0.96 cents in R.S. No. 71/3, & 71/4, Gunadala Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 3320/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC. No. 282/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 9/1, situated at Gunadala, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. V. Jayanthi s/o Aswani Kumar, Mogalrajapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Vidullatha Co-op. Building Society, Ltd. R/p. by its President Sri K. Balaswamy s/o Joseph, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 9/1 at Gunadala of Vijayawada-1, 1-33 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 3728/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 283/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

RS. No. 9/1, situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on April, 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—436GI/82

 Smt. V. Jayanthi s/o Aswani Kumar, Mogalrajapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Vidullatha Co-op. Building Society Ltd., r/p. by its President Sri K. Balaswamy, s/o Joseph, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 9/1 at Gunadala of Vijayawada area of 133 Cents registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 3674/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 284/82-83 —Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearng

No. 28/53, situated at Circlepeta Machilipatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Machilipatnam on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Balaji Ram Pratadarao s/o Ramarao, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Jaihind Secondary School Association, Secretary and Correspondent, r/p by its Secretary, Sri Vinjamuri Venkata Narasımharao, Inukudrupeta, Bandar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House site at Ward No. 28/53 Circlepeta Machilipatnam, 2927 sq. yds, registered with S.R.O., Machilipatnam vide document No. 1598/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC-285/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

62/16, situated at Pendurti Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri T. Ramalingasetti 9/0 Venkataramanayya, Anakapalli.

(Transferor)

(2) R. Hanumantharao, M/s. Crips Therapeutics Pvt., Ltd., Visakhapatnam (38-22-220, Marripalem). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land Ac 11-05 Cents in R.S. No. 62/16 of Pendurti of Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3238/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

Scal :

Sri A. Suryaprakashrao,
 Sri A. Ramamohanarao,
 Sro Sri A. Pydayya,
 D. No. 28-4-23, Jampeta,
 Rajahmundry.

w/o Raghunadharao, Addepallinagar, Rajahmundry.

(2) Smt. S. Usharuni,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 286/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13-64, situated at Gandhiprakashnagar, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House Property D. No. 13-64 695.7 sq. yds, at Gandhi-prakashnagar, Rajahmundry registered with S.R.O., Rajahmundry, vide document No. 2689/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 287/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

178/3, 7 & 8 & 175/5, situated at Vizianagarum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizianagaram on Aptil, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shi V. A. Maremma, & Sri V. Krishna Wife and Son of Sri Appalaswami, Ayyannapeta, H/o Kasipadu

(Transferor)

(2) Vizianagaram Non-Gazetted Employees Co-op. Building Society No. V.R. 218 R/p by its President Sri R. Noble John, s/o John, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 178/3, 175/5, 178/7, & 178/8 0-84 Cents at Vizianagaram registered with S.R.O. Vizianagaram, vide document No. 1493/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 288/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

178/2, situated at Vizianagaram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizianagaram on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Satyavati, Sri Burra Srinivasarao. Gollaveedhi Santapeta, Vizianagaram.

(Transferor)

(2) Vizianagaram Non-Gazetted Employees Co-op. Building Society No. V.R. 218, R./p. by its President Sri R. Noble John, S/o John, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R. No. 178/2 area 0-75 cents at Vizianagaram registered with S.R.O., Vizianagaram, vide document No. 1389/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 289/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

178/6 & 179/3, situated at Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizianagaram on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) V. Marayya, Sri V. Narayudu, S/o Rajulu, Ayyannapeta, H/o Kasipadu.

(Transferor)

(2) Vizianagaram Non-Gazetted Employees Co-op. Building Society No. V.R. 218, R/p. by its President Sri R. Noble John, b/o John, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 178/6 & 179/3 area 1-56 Cents at Vizianagaram registered with S.R.O., Vizianagaram vide document No. 1494/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

Scal:

(1) 1. Smt. K. Pydithalli w/o Chinnayya,

Ayyannapeta,

2. Sri K. Chinnayya s/o Chinnayya,
Ayyannapeta,
Vizianagaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vizianagaram Non-Gazetted Employees Co-op. Building Society No. V.R. 218, R/p. by its President Sri R. Noble John, s/o John, Vizianagaram.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 290/82-83,---Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 178/4, situated at Vizianagaram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 178/4 area 2-66 Cents at Vizianagaram registered with S.R.O., Vizianagaram vide document No. 1627/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th December 1982

Ref. No. RAC 291/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 49/1 situated at Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by, the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-436 GI/82

- (1) Shri K. Atchanna & Shri K. Sanyasi, & Shri K. Satyanarayana Murthy Ayyanapeta Kasiradu Sivaru, Vizianagaram.

 (Transferor)
- (2) Vizianagaram Non Gazetted Employees Co-op. Building Society No. V. R. 218 R/p by its President Sri R. Noble John, S/o John Vizianagaram.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R. S. No. 49/1, 0-67/½ Cents at Viziana-garam registered with S.R.O., Vizianagaram vide document No. 1414/82.

M. IEGAN MOHAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th December 1982

Rcf. No. RAC 292/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS. No. 179/4 situated at Vizinnagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vizianagaiam on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Surayya, Shri V. Narayanudu, and Shri Venka Krishna & Others, Avyannapeta PO, Ayyannapeta, Vizianagaram,

(Transferor)

(2) Vizianagaram Non-Gazetted Imployees (0-op. Building Society No. VR. 218 R/p. by its President Sri R. Noble John S/o John, Viziangaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 179/4 area 1--24 Cents at Vizianagaram registered with S.R.O. Vizianavaram vide document No. 1679/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th December 1982

Ref. No. KAC, 314/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 27/2 situated at Patta No. 43, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen reason for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in late proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Shri U. V. Naganjaneya Raju S/o Narayanaraju, Mutyalampada, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Chaitanya Co-op. Building Society, No. G. 2764 R/p. by its President Sti Y. Yogirama Dattatreyudu S/o Jagannadherao, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land Ac. 2.00 in F.5 No. 27/2 Patta No. 43 of Vijayawada registered with SRO., Vijayawada, vide document No. 3022/82.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assisting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th December 1982

Ref. No. RAC. 315/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 53 situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Purnachandra Rao S/o Ramayya, Patamata Lanka, Vijayawada.
- (2) The Chaitanya Co-op. Building Society, No. G. 2764 R/p. by its President Sri Y. Yogirama Dattatreyudu S/o Jagannadharao, Vijayawada.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 53 at Patamata of Vijuyawada, 0-75 Cents registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 3541/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-12-1982

ಗೆಹಕೆಯಾದುವರು ನಡೆದು ಅವರು ಕೂಗ ವನುವ ಮಾಡುಗಾಯಾದುವರುವಾದುವರುವುದು ಬರುವರು ಕರ್ಮಕರು ಮಾಡುವರು ಬರು (1) Shri K. Puinachandia Rao, S/o Ramayya, Patamata Lanka, Vijayawada

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Chaitanya Co-op. Building Society, No. G. 2764 R/p. by its President Sti Y. Yogirama Dattatreyudu S/o Jagannadharao, Vijayawada. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.) the 7th December 1982

Ref. No. RAC /316/82 83, -- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 53/Patamata situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration as agreed to and that the consideration for such transfer between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzetta.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R. S No. 53 til Patamata of Vijayawada, 0-77 Cents registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 3454/82.

> M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th December 1982

Ref. No. RAC 317/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS No. 53 situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely "—

(1) Shii K. Puinachandra Rao S/o Ramayya, Patamata Lanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Chattanya Co-op. Building Society No. 2764 R/p by it: President Sri Y. Yogirama Dattetreyudu, S/o Jagannadharao, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 53 at Perint to it Vitigewada, 1.04 Cents registered with SRO, Vije avada at e decument No. 3106/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date 7-12-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. Purnachandra Rac. S/o Ramayya, Patamata Lanka, Vijayawada.

Transferor

(2) The Chaitanya Co-op Building Society G. No. 2764 R/p. by its President, Sri Y. Yogirama Dattatreyudu S/o Jagannadharao, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 318/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 53 situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 53 of Patamata in Vijayawada, 0-75 Cents registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 3586/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 7th December 1982

Ref. No RAC 319/82-83 --Whereas, I, M IEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

Rs 25,000/ and bearing
No D No 27/A situated at Nallapadu Cuntur
(and more fully described in the Scheduled annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Guntur on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act to the following persons, persons, namely:—

(1) Shrimati K. K. i. W. i. Venkateswara Rao and Smt. Mummaneni Laxmirajyam W/o Venkata Narasayya Pemlanka Repalle Taluk

(Transferor)

(2) Shri I Poornananda Venkateswara Prasad S/o Shri Shyamasundara Prasad Sagam Jagarlamudi, Guntur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant site situated at Nallapadu of Guntur, D. No. 27/ A area in 582-1/3 sq. yds registered with SRO, Guntur, vide document No. 3697/82

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (AP).

Date 7 12 1982 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC No. 320/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the kurnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 107/1 situated at R. Raopet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforassid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—436 GI/82

(1) Shri P Kondahatao, S/o K-nakayya, Kaleswara Rao Market, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shii Sice Rama Co-op Building Society Ltd., No. H. 634 Fluru Road, Vijayawada-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3235 sq. mts, at Ramalingeswara Rao, Pet, of Vijavawadu, Municipal Corporation, in R. S. No. 107/1 registered with S.R.O., Vijavawada vide document No. 3514/82

M IFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions, of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.).

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ch, Nageswari W/o Tatarao, K. V. Rao, Road, Suryaraopeta, Vijayawada-2

(2) M/s. Bharat Construction Co. Elurn Road, Vijaya-wada-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 321/82-83,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29-11-35 situated at Suryaratopet Vijayawada-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date or the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No. 29-11-35/B Suryaraopeta, Vijayawada-2, tirea in 727 sq. vds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2757/82.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.),

Date: 7-12-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. Purnachandra Rao, S/o Ramayya, Patamata, Lanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Chaitanya Co-op. Building Society No. G. 2764
R/p. by its President Sri Y. Yogirama Dattatreyudu
S/o Jagannadharao, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No RAC 322/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS No. 53 situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Vacant land in R.S. of 53 at Patamata of Vijayawada 1-04 Cents registered with S.R.O. viguyawada, vide document No. 3512/82.

M JFGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 7-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC 323/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Bajaranga Bali Steel Mills

situated at Dowlaishwaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) R. Sriramulu S/o Subbarayudum Laxmivarapupeta Rajahmundry.
- (2) 1. K. Veerabhadrarao, 2. K. Varahalarao, Sons of Appanna, 3. K. Jejurao, S/o Veerabhadrarao, Residents of Peddapuram E.G., Dt.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bajaranga Bali Steel Mills situated in Industrial Estate Dowlaishwaram in 300 syds, registered with S.R.O., Rajahmundry vide document No. 3201/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 7-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC 324/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

22-2-67 situated at

Choutra Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Tripurasundari W/o Anandarao, & Others,
- (2) Sri Champalal S/o Misrimal Choutra Guntur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No. 22.2.67 Cloth Bazar, 404-6/9 Sq. yds. registered with S.R.O., Guntur vide document No. 4296/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 7-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC 325/82-83.—Whereas. I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 476 situated at

Nallapadu, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. B. Kondareddy, 2. o Ramakotyreddy, 3. B. Venkatappareddy, (2 & 3 Minois and by Guardian Father B. Kondareddy) Nallapadu, Guntur. (Transferor)
- (2) T. Adınarayanı Reddy S c Anjireddy, Kothareddy Palem, Tenali Taluk, Guntur Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE WHIDLIE

Vacant Site Ac 0-40 Cents of 1336 Sq. yds. Nallapadu, Guntur, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 4469/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority hispecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R. co Hyderabad (A.P.)

Dat d 7-12-82 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC 326/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 22/463 situated at

Woodnagar Chirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Venkateswariu S/o Ramayya, Chirala, Prakasham Dt.
- (2) V. Venkateswarlu S/o V. Meerayya, Akkayapalem Kothapeta, Sivaru, Chirala Taluk, Prakasham Dt.

(Transferte)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building at Door No 22/463, Woodnagar, Chirala Prakasham Dt., area 529 sq. yds., registered with S.R.O. Chirala, vide document No. 1199/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 7-12-82

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC 327/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-4 Unit situated at Industrial Estate, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) M/s Srimvand Wire Industries, By partner Sri Lingamallu Raghukumar S/o Subbaramarao, Guntui R. Agiaharam,

(Transferor) (2) 1. B. Subbatao, Adopted son of Narasimham, 2. B. Madhavarao S'o Subbatayudu, 3. B. Basaveswara Rao, Partners in M/o B. S. R. Spinning Mills, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in D. No 139/1A, 140/3A, 140/3B, 142/1, 139/1A & 140, Plot No. A4, Assessment No. 1222, 3887 1/ 3 Sq. yds. A-4 Unit Industrial Estate, Amaravati Road, Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 3867/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-82

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC 328/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/247 situated at Katakaraju Street East Gudur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

29—436GI/82

- (1) A. Kapaleswatt W/o Subharavudu, No. 24th Street, Di Radhaktishna Road, Mylapore, Madras. (Transferor)
- (2) Sri K Rushikeswa Nagoswana Gupta M/p. Guardian and fother K Koteswara Ruo, Venkatagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 16/247 Katakaraju street East Gudur, total extent of 363 sq. yds. registered with SRO, Gudur, vide document No. 405/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC No 329/82 83 — Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and

bearing No D 213/D situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Smt Dodda Adılakshmı
 - 2 k. Sambasivarao,
 - 3 Ch Ankayya,
 - 4. K Janardhanarao, Guntur

(Transferor)

(2) K. Kondayya S/o Seethayya, Gunturuvari Tota.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill situated in 7th line Nchiunagar, Guntui bearing Door No 213/D by name Janatha Rice Mill Guntui area in 480 sq vds registered with SRO, Guntui vide document No. 4265/82

M JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-12-82 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC No. 330/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. 24-4-6 to situated at 24-4-10 & 24-4-10 A Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Guntur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shr! J. V. S. Josyulu, Municipal Councillor Ward No. 4, 2nd line Krishnanagar, Guntur-6.

Transferor

(2) Shri Irphan Hassan S/o Sirajul Hassan, C/o M/s Siraj & Co., P.B. No. 146, R. Agraharam, Guntur-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing door Nos. 24.4.6 to 24.4.19 & 24. 4.10-A Black Tank Read, R. Agraharam Guntur, 749 sq. yds. registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 3214/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC No. 331, 82-83 -- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. D. No. 4105 situated at 3702 Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Gunter in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri K. Rattayya, Siflo Venkatappayya Ponnekallu. (Transferor)
- (2) D. Ch. Kushnayya, S/o Vengayya, Arandalpeta,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the saids property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDOLE

Dry land at Pedukakam, D No 4105 & 3702 extent of land 1.00 Acr registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 4105/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 8-12-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC. No. 332/82-83.—Whereas, 1. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. D. Nos. 400/A and 400/1 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tenali on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ch. Koteswara Rao, Moirispeta Tenali, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Shrimati A. Siva Nagendramma, W/o Shri Janardhanarao, Morrispeta, Tenali Taluka. Guntur Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the accuisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upstair Building in Morrispeta Tenali bearing D No 400/ A and 400/1 Municipal Ward No 4, Block No. T. S. No. 401, 400/4, 152 Sq. yds, RCC Roof, registered with S.R.O. Tenali, vide document No. 1527/82.

> M. JEGAN MOHAN Comperent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 8-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabed, the 8th December 1982

Ref. No. RAC. No. 333/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. D No. 37 situated at Chebrolu, Chebrolu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chebrolu on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax upder the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

(1) Shii V. Rangarao, S/o Kotayya, Muralinagar, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Shri Survadevara Jwala Natasimharao, S/o Laxmipathi, Chebrolu, Tenali Taluk, Guntur Dt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

67/168 Share in a Rice Bill at D. No. 37 of Chebrolu Guntur Dt., registered with SRO. Chebrolu vide document No. 772/82.

M. IFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-12-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabed, the 8th December 1982

Ref. No. RAC. No. 334/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 9-11-60 situated at Kothapeta Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Guntur on Apri 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri S. Laxminarayana Adopted son of Smt. S. Kameswaramma, Kothapeta, Guntui.

(Transferor)

(2) Smt. P. Koteswaramma, W/o Venkateswarlu, Railpeta. Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops at D. No. 9-11-60 Kothapeta, Main Road, Guntur 92.6 sq. yds. registered with S.R.O. Guntur vide document No. 3777/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-12-1982

Scal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabed, the 8th December 1982

Ref. No. RAC No. 335/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 29, 123 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. B. Sarojini Devi, D/o Laxminaraya
 Smt. B. Susheela Devi W/o Sri B. Krishna Rao, Santapeta, Ongore.

(Transferor)

(2) Kum. G. Nagapadmayathi D/o Venkateswara Rao, Laxmipuram, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Door No. 12,29,123 Symmaladasu Agrabaram, Ward No 8. Guntur, 114 sq. yds., registered with S.R.O., Guntur vide document No. 3207/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC No. 336/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 49 situated at Somavarapadu, Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—30—436GI/82

(1) Shri P. Apparao, S/o Laxmayya, Eluru.
(Transferor)

(2) The Eluru Co-op. Building Society Ltd., W. G. 5 Colony, Scheme, Represented by its President, Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Somavarapadu, of Eluru, R. S. No. 49, 0.92-1/2 Cents. Registered with S.R.O. Eluru, vide document No. 3538/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.).

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. Apparao, S/o Lakshmayya, Fluru. (Transferor)

(2) The Eluru Co-op. Building Society Ltd., W.G. 5.
Colony Scheme, Represented by its President,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC. No. 337/82-83.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. RS. No. 49 situated at Somavarapadu; Eluru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Eluru on April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (a)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Somavarappadu, of Eluru, in R.S. No. 49, 1-50 Cents, registered with S.R.O, Eluru vide document No. 3536/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Uyderabud (A.P.).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1982

Ref. No. RAC. 338/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 83/1 situated at Somavarapaddu, Eluru (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. T. Seetharatnam W/o Suryanarayanamurthy, Eluru.

(Transferor)

(2) The Eluru Co-op. Building Society, Ltd., W.G. 5, Colony Scheme Represented by its President, Eluru. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Somava appadu, of Eluru in R. S. No. 83/1, 1-20 Cents., registered with S.R.O., Eluru; vide document No. 2275/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. 293/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS. No. 54 situated at Thotapalem Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. Vijayaramayya, 2. P. Mallikarjunarao, Sons of Laxmanaswami, Chinnaveedhi Vizianagaram-1.
- (2) Vizianagaram Non-Gazetted Employees Co-op.
 Building Society V. K. 218R/p by its President Sri
 R. Noble John, S/o John, Vizianagaram.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in RS. No. 54 of Thotapalem outskits of Vizianagaram area 6-00 acts registered with S.R.O., Vizianagaram vide document No. 1687/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISPTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 294/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS. No. 6/8 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. V. Satyanarayana S/o Venkatramayya Mogalrajapuram, Vijayawada.
- (Transferor)
 (2) Sri M. V. Raghavayya, S/o Sri Ramayya, President M/s. Chi*ti Co-op. Building Society Ltc., H. No. 1842 Durga Agraharam, Eluru Road, Vijayawada-2.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in R.S. No. 6/8 situated at Mogalrajapuram of Vijayawada, area in 1254 sq. mtrs; registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 1636/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No RAC No 295/82-83 --Whereas, I, JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (beginnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. RS. No 66/1 situated at Bhavanipuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule sunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Vijayawada on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the compealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Satyanarayana Ratti S/o Late Sri Sukhadev Rutti, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Sri M. V. Raghavayya, S/o Sri Ramaiah, President M/s. Chitti Co-op. Building Society, Ltd., H. No 1842 Durga Agraharam, Eluru Road, Vijayawada-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in R.S. No. 66/1 situated at Bhavanipulam of Vijayawada, 1742 sq. yds. registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 3817/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asatt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pagely:—

Date: 6-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 296/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 37/1B, 38/1A situated at Patamata Vijayawada, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Y. Ramakrishna Babu S/o Laxminarayana, and Shri Y. Laxminarayana S/o Ramakrishnababu, residents of Survaraopeta. VIA.
- (Transferor)
 (2) Sri M. V. Rughavayya, Szo Ramayya, President M/s Chitti Co-op. Building Society, Ltd., H. No. 1842 Durga Agraharam, Eluru Road, Vijavawada-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land 3-77 acrs in R.S. No. 37/1B, 38/1A, of Patamata, Vijayawada-6, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 7233/82.

M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC No. 297/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Asstt. 13722 situated at House property, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vilayawada in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. Bala Goud, Z. P. Chairman Nzb Dt. Himayatnagar, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Shri Hapuram Venkayya S/o Ramayya, Arundelpeta, Vijayawada-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House site at Gandhinagar, Besent Road, Vijayawada-2, Ward No. 18, Revenue Ward No. 8, Assessment No. 13722, and 13723 area 2937 sq. yds. registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 5513/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 6-12-1982

FORM ITNS----

(1) Shri G. Mutyala, S.o. Appalaswami Yendada, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ocean Driving Co-op House Building Socety Ltd., No. 1813, Visakhapatnam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI-R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC 298 82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 148/17 & 148/19 situated at Yendada Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land m R.S. No. 148/17 and 148/19, in Yendada of Visakhapatnam, 0-22 cents registered with SRO. Visakhapatnam, vide document No. 3450-82.

M. JFGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-436GT/82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC 299/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 148/7 situated at Yendada Visakhapatnam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Appalaswami S/o Pydayya, Yendada Vizag.
(Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op. House Building Society Ltd., N. 1813, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/7 in Yendada of Vizag, 0-24 Cents registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 3449/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Y. Ramamurthy S/o Appalaswami, Yendada Vizag.

(2) Ocean Driving Co-op. House Building Society Ltd., N. 1813, Vizag. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 300/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 148/7 situated at Yendada Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/7 in Yendada of Vizag. 0.14 Cents registered with S.R.O., Vizag. vide document No. 3448/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-1982

Soel :

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. Pattabhirama Sarma, S/o Venkata Subbayya, Gollapudi, Vijayawada Tq.

(Transferor)

(2) Shri N. Sambasiva Ruo and 16 Others 11-45-33. Tavva Vari Street, Vijayawada,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th November 1982

Ref. No. 301 82-83 - Whereas, J. M JLGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing

No RS No. 188/1 situated at Gollapudi Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 188/1, area of 2-59-1/8th Cents at Gollapudi Village Vijayawada Tq., Krishna Dt., registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 3594/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref No. RAC, No. 302/82-83.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 148/10, 11 situated at Yendada Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri N. Nookaona, S/o Narasimharao, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op. House Building Society, Ltd., N. 1813, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/10, 11, in Yendada of Vizag, 0-25 Cents, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 3446/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-82

- (1) Sri K. Appanna, S/o Appanna Yendada Vizag.
 (Transferor)
- (2) Ocean Driving Co-op House Building Society Ltd., No. 1813, Vizag.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th December 1982

Ref. No. RAC. No. 303/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 148/10, 11, situated at Yendada Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay text under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period ampires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/10, 11 in Yendada 0-36 Cents near Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3444/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-12-82

FORM I.T.N.S.---

- (1) Sri B. Ramarao, S/o Polyya Yendada, Vizag.
 (Transferor)
- (2) Ocean Driving Co-op. House Building Society Ltd., No. 1813, Vizag. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 304/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 148/7 situated at Yendada Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/7 in Yendada near Vizag, 0-16 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3442/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 7-12-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri G Appalaswami, S'o Pydayya, Yendada Vizag. (Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op, House Building Society Ltd., No. 1813, Vizag. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC No. 305/82-83,-Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS. No. 148/7 situated at Yendada Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No 148/7 in Yendada near Vizag, 0-15 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3470/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-12-82 Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Sri G China Nookamma, S/o Thatayya Yendada, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ocean Driving Co-op. House Building Society, Ltd., No. 1813, Vizag. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

ever period expires later;

Hyderabad, the 7th December 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Cazette.

Ref. No. RAC, No. 306/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 148/13, 24, 12 situated at Yendada Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/13, 24, 12, in Yendada near Vizag, 0-45 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document No 3438/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—436G1/82

Date: 7-12-82

FORM ITNS ...

(1) Sri J. Appalaswami S/o Appanna, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op. House Building Society, Ltd Vizag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No 307/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 148/20 situated at Yendada Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1108) in the office of the Registering Officer at Vizag on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Vacant land in R.S. No. 148/20, in Yendada, near Vizag, 0-41 Cents registered with S.R.O., Vizag., vide document No. 3460/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-12-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 308/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 148/16 situated at Yendada Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Vizag on April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Thata, S/o China, Tata Yendada Vizag.
 (Transferor)
- (2) Ocean Driving Co-op House Building Society, Ltd., No. 1813, Vizag.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/16 in Yendada near Vizag, 0-46 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3461/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-12-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 309/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 148/13, 21 situated at Yendada Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Appalareddi, Yendada, Vizag.
 (Transferor)
- (2) Ocean Driving Co-op. House Building Society Ltd., No. 1813, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/13, 21 in Yendada of Vizag, 0-46 Cents, registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 3463/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-12-82

(1) Shri G. Pydayya, S/o Appalaswami, Yendada Vizag. (Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op. House Building Society Ltd., No. 1813, Vizag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 310/82-83.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No-No. 148/20 situated at Yendada Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 148/20, in Yendada near Vizag. 0-43 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3464/82.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC. No. 311/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 148/23 situated at Vedanda Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Peda Appanna, S/o Narasimharao, Yendada Vizag.

(Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op House Building Society Ltd., No. 1813, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land R.S. No. 148 23, in Yendada of Vizag 0-49 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 3466/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-12-62

FORM I.T N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982 Ref. No. RAC. No. 312/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 148/17 & 18 situated at Yendada Vizag.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the registering Officer at Vizag on April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Polamma, W/o Pydaiah, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) Ocean Driving Co-op. House building Society Ltd No. 1813, Vizag.

(Transferce)

Objections, n any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R. S. No. 148/17 & 148/18, 0-44 Conta at Yendada near Vizag, registered with 9. R. O., Vizag, vide document No. 3467/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-12-1982.

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1982

Ref. No. RAC No. 313/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-29-67 situated at Suryaraoper Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) I. Smt. M. Subbalaxmi, W/o Ramakrishnarao, Hvderabad.

2. Smt. A. Krishnakumari, W/o. Kameswara Rao

Bangalore.
3. Smt. G. Parvathavardhani, W/o Sundarasarma, Hyderabad,

(Transferors)

(2) 1. K. Sriniyasa Chakraverthy.
 2. K. Rajendra of Sitharamapuram Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No. 26-29-67 Suryaraopeta, Vija-yawada, Ground floor 3353 242 RCC roof 63 sft., AC Sheels roof 1st floor 96 sft. RCC roof, in 1743 sq. yds, registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 3352/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC No. 371/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kurnool on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair charket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---33-436GI/82

(1) Shri Jampala Parameswarudu S/o J. Narayana 46/378 Budhavari Pet Kurnool.

(Transferor)

(2) Arayinda Traders Managing partner S. Venktramayya Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land at Kalluru village area 1-50 cents registered Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1461/82

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 14-12-1982

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Jampala Eswaraiah, S/o Veeranna Budhavari pet Kurnool.

(Transferor)

(2) Aravind Traders
Managing partner
S. Venkatramaiah
Kurnool,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 372/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-'able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kurnool on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village Kurnool dt. arca 1,50 cents survey No. 678, 444 registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1462/82,

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 373/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Rameswarappa and A. Bojeswarappa 46/283 A & B Budhavarpet Kurnool dt.

(Transferor)

(2) M/s. Lepakshi Estates Traders Managing partner Y. Balireddy 66/45 Kota Kurnool

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- t (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village area 1-50 Ac. registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1456/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 14-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri. Jampala Parameswarulu S/o J. Narnyana 46/348 Budhavar Pet Kurnool

(Transferor)

(2) Kurnool District Government Employees Welfare Association President K, Peddayya Kurnool

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1982

Rof. No. RAC. 374/82-83.—Whoreas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kurnool in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 10.83 cents at Kalluru village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc, No 1358/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982.

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC.375/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN.

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Land situated at Kalluru village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office:

at Kurnool in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1.) Shri A. Rameswatappa & A. Bajeswatappa 46/283 A&B Budhavar Pet Kurnool

(Transferor)

(2) M. s. I.cepakshi Estate Fradets Managing Partner Y. Bali Reddy 66/45 Kota Kurnool

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rround the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village area 1 ac. registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc No 1341/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP).

Date: 14-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

b Ref. No. RAC. 376/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Kalluru Village,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Perugu Ramachandra Reddy, /o Swamy Reddy Dennedevarapadu.

(Transferor)

(2) M/s Leepakshi Estate Traders, Managing partner Y. Bell Reddy, 66/45 Kota Kurnool.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ip that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village area I ac. registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1340/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-12-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 377/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kalluru Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kurnool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

 Gaddam Dana Reddy s/o Sanjeeva Reddy, Dennedevarapadau Village, Kurnool dt.

(Transferor)

(2) M/s. Lepakshi Estate Traders, Managing partner Y. Bali Reddy, 66/45 Kota Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village area 2 acre registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. No. 1339/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Rof. No. RAC 378/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at Mamidala Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the office of the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Kurnool on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I

of 1908) in the office of the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Kurnool on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 P. Nagalaxmamma d/o Kandukuri Yullaiah, Peddapadu village, Kurnool.

(Transforer)

 R. Rajamma w/o R. Jayaraju, Mamidala village Stanton puram, Kurnool taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallut village survey No. 103 area 3.70 cents registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. No. 1561/

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 379/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kurnool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—34—436GI/82

(1) E. Yella Goud \$70 Ayyanna goud, Johrapuram Kurnool Dt.

(Transferor)

(2) M/s Aravinda Traders
Managing partners Sri C. Rajasekhar,
Kurnool.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallui village area 1.50 acres registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. No. 1556/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 380/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kalluru Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kurneol on April, 1982

for an apparent consideration which is

less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jampala Eswaraiah s/o Veeranna,
 46/518 Budhavarapet, Kurnool town.
 (Transferor)
- (2) Kutnool District Employees Welfare Association, 40/58 A Hangarupeta, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village area 10-85 acres registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. No. 1777/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 381/82-83.—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

) and situated at Kalluru Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 E. Yella Goud, 69/505 Johanapuram PO Kurnool taluk.

(Transferor)

(2) M/s Venkatradi Traders, Managing partner C. Rajasekhar & others, 43/91 N.R. Pet, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village area 1 acre 41 cents registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1728/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section. 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 382/82-83—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Kalluru Village,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Kuinool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 J. Ayya Raju s/o J C. Basappa, H. No. 40/421-39, Bhaskar Nagar, Kurnool.

(Transferor)

(2) New Venkatachalaphi Traders, Managing partner K. Guruvaiah Shop No. 29 SV.C.S. Bazar, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms an expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village 0.45 cents area registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1717/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-12-1982

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kowsambi w/o Fakir Ahmed and 7 others, 11/116, Peta Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s Sri Vinayak Traders, Managing partner S.G. Amamath, 67/90, Kota. Kurnool.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No RAC 383/82-83.—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Land situated at Kalluru Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the !lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at kalluru village area 80 cents registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. No. 1695/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-12-1982

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 384/82-83.—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 143 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Kalluru Village.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Kowsambi w/o
Fakcer Ahmed and 7 others,
11/116 Peta Kurnoel.

(Transferor)

(2) Sri Vinayak Traders, Managing partner S. G. Amarnath, 67/90 Kota Kurnool.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given by that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village area 80 cents registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. No. 1621/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. No. RAC 385/82-83.—Whereas f, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Kalluru village

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Kurnool on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jampala Parameswarudu s/o J. Najayana, 46/348 Budhavar peta, Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s Aravinda Traders, Managing partner S. Venkata Ramayya, 46/348 Budhavar peta, Kurnool

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village registered with Sub-Registrar, Kurnool area 1-50 cents vide Doc. No. 1520/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Data: 14-12-1982

46/518.

Veeranna

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Budhavarapu peta Kurnool. (Transferor)

S/o

(1) Shri Jampala Fswariah

(2) M/s Aravinda Traders, Managing Partner, S Venkataramaiah, 67/81, Kota, Kurnool. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 14th December 1982

RAC. No. 386/82-83.—Whereas, I M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Kalluru village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kurnool in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalluru village area 1-50 cents registered with Registrar Kurnool vide Doc. No. 1519/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax ACQUISITION RANGF, HYDERABAD (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-12-1982

Seal.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 14th December 1982

Ref. RAC. No. 387/82-83.-Whereas, I M. JEGAN-MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

11-4-651 situated at Lakdikapool, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as beforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mir Ahmed Ali Khan, No. 17, Ali Asker Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri Anwar Ali & Others B-177 Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 11-4-651 Lakdikapool Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 734/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Date: 14-12-1982

Seal:

35-436GI/82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Prabhavathi W/o Sashikant Karsonji 56-Sabastian Road, Secunderabad. (Transferor)

(2) Mrs. Shoba Ramesh Chugani W/o Ramesh Chugani Mrs. Anitha Laxman Chugani W/o Mr. Laxman Chugani, 15-General bazar Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC. 330/82-83.—Whereas, I M. JEGAN-MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Srinath Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 at Srinath Complex, Sarojini Devi Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 305/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Date: 2-12-1982

Kota

FORM ITNS-

(1) Smt P Padmavathi, C/o P Srimivasulu, Padma Textiles Achari Street Nellore-524001

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S₁₁ Y Samuel Narayana Reddy, C/o Y Kota Reddy 20/10, Raja Gari Street, Moola pet, Nellore 5240Ŏ3

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (AP)

SIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad the 4th December 1982

Ret No RAC 331/82 83 - Whereas I M JEGAN-MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /and bearing No

House situated at Attithota Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cution of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 16/450 Athithota Agraharam Nellore 524001 registered with Sub registral Nellore vide Doc No 1340/82

> M JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 4-12 1982 Seal

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC. 332/82-83.—Whereas, I M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. H. Varalaxmamma, W/o Sri H. Yanadayya, Sri. M. Rajajesekharam, S/o Sri H. Yanadayya, Pattekhanpeta, Nellore.

(Transferor)

(2) Sri D. Balaramareddy, S/o Narayana Reddi, Sri D. Narayanareddy, S/o D. Sudhakara Reddi, Mallam, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Nellore Bit I CAS No. 539 area 2202 sq. yds. registered with Sub-registrar Nellore vide Doc. No. 1544/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Re No. RAC 333/82ff83 —Whereas I, M. JEGAN-MOHAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fail market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Sodhannagar, Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sii Prathipaty Subbaramayya s/o Subbayya, Sodhan Nagar, Nelloie.

(Transferor)

(2) Sii Ramadhenu laganmohana Rao, s/o Surya Rao, Pogatota, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Property at Door No 1227/13C Sodhan Nagar, Nellore registered with Sub-Registrar, Nellore vide Doc. No. 1187/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date : 4-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-FAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref No. RAC 330/82-83.—Whoreas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land, situated at Maredpally Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti B K. Seshu 5/0 B. Krishna Iyengat, Krishna Bhayan Mared Pally, Secunderabad

(Trensteror)

(2) Syndicate Bank i imployees Co-operative Housing Society 1 td.
TAB103 Gaddiannaram, Hyderabad.

(Tiansfeice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Open land area 5412 sq mts survey No. 17, 18, 19, 20, 22, 23 Maredpally west, Secunderabad cantonment registered with Sub-Registral Hyderabad vide Doc No 2861/82

M. ItGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 2-12-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

No. RAC 334/82-83.--Whereas I, M. JEGAN-Ref. MOHAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rice Mill, situated Palakurthy village

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimnagar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:-

(1) Potlooru Venkata Papaiah s/o Narayanappa, Ungutooru Gannavaram Tq. Krishna District.

(Transferor)

- (2) 1. Patha Bapu Setty, S/o Rajesham
 - P. Nagabhushanam s/o Rajesham,
 M. Shankaraiah R/o Kistaiah,

 - 4. Ch. Hanumandlu s/o Ramaiah, 5. M. Narayana s/o Kistaiah,

 - 6. R. Venkataiah s/o Nagaiah, 7. M. Lingaiah s/o Kistaiah, 8. G. Kailasam s/o Rajalingam,

 - 9. B. Mallesham s/o Venkataiah,

R/o Palakurthi, All residents of Palakurthi Pedapally Taluk, Karimnagar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -Thè terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill at Palakurthy village H. No. 9-71 Pedapally taluk registered with Sub-Registrar Karimnagar vide Doc. No. 1505/82.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Re. No. RAC 336/82-83.—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at West Maredpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. K. Srinivas, 3-9-105 Krishna Bhavan, maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

 Syndicate Bank Employees Housing Society, P&T Colony Post Gaddiannaram, Hyderabad-500660.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 5412.37 sq. mts survey Nos. 17, 18, 22 & 23 at Krishna Bhavan, West Marredpalli, Secunderabad Cantonment registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 2862/82.

M. JEGAN MOHAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Re. No. RAC 337/82-83.—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Begumpet, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

36--436GI/82

 M/s Dillu Apartments, Rep. By Mrs. Dilwar Banu H. No. 4-1-877 Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Omar Hadi s/o Sii M. A. Hadi 20, May Fair Church Gate, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A2 in Dillu Apartments Begumpet, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 2837/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-12-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 338/82-83.—Whereas, J, M. JEGAN-MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

as the said Act.), having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6-3-879 & 879/B situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri G. Pulla Reddy & 12 others 11-5-452 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Kasturi & sons Ltd. 859 & 860 Kasturi Buildings, Annasalai, Mount Road, Madras-600002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-879 and 879/B area 5622 sq. yards and 2820 sq. vards at Begumpet Hyderabad registered with Sub-Registral Hyderabad vide Doc. No. 3114/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 2-12-1982,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 339/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office situated at Raniganj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M s Babukhan Builders 5-4-86/92 Raniganj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mas Hindustan Tablets
Pharmaceutical Manufactures
Nucharam High Road,
Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 332 and 333 at Karim trade Centre Ramgani, Secunderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3024/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-12-1982,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 340/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-2-183 situated at R. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Rameshchandra Premji S/o Premji Lalji 6-3-63 Panjagutta, Hyderabad-500034.
- (2) M/s K. T. Associates, 5-2-183 and 5-2-184 Rashtrapati Road, Secunderabad.

(Transferor)

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1878.55 sq. yards M. No. 5-2-183 & 184 at Rashtrapati Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Document No. 322/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-12-1982.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Rcf. No. RAC 341/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/~ and bearing No.

Flat situated at Kalamansion S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vijayalakshmi W/o Sri N. Krishna Murthy H. No. 1-1-711/A Sathguru Krupa Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Tahılram Jessaram S/o Jessaram
 (2) T. Srichand S/o Tahilram
 7-2-187 Ghasmandi
 Secunderabad.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONB:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided Half share of Flat in Block No. 1, Flat No. 602 5th floor area 750 sq. ft. M. No. 1-2-257 & 261 at Sarojinidevi Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 357/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-12-1982.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 342/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1-2-257 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Secunderabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Vasantha (also known as Priya)
 W/o K. Ram Mohan
 1-1-711/A Sathguru Krupa
 Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Tahilnam Jessaram S/o Jessaram T. Sri Chand S/o Tahilram 7-2-187 Ghasmandi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in flat No. 602 5th floor area 750 sq. ft M. No. 1-2-257 & 261 at Sarojini Devi Road Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 358/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s Umakaran Tej Karan 8-2 547 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti P. R. Mathur, 1-2-18/14/7 Shamnagar Opp. Poly Technic Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 343/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.
1-2-257/261 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 1-2-257/261 S. D. Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 379/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1982.

FORM I.T.N.S.---

Smt. Katireddi Vishnupriya
 D/o Mallikarjuna Reddi
 M/G Sri Mallikarjuna Reddi
 1st Ward, Kavali,

R/o Rudrakota.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC 344/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant site situated at Seshachari Kavali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavali on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Smt. Punuru Hymavathi W/o Rangareddi

P. Venkata Niranjankumar Vaka Venkata Reddi and Venkata Ramana Reddy

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in Seshacharry street of Kavali Municipality in Bit II registered with Sub-Registrar Kavali vide Doc. No. 448/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1982.

FORM NO. I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC 345/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site situated at Seshachari at Kavali

of transfer with the object of:-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Kavali on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---37—436GI/82

(1) Sri Kethireddi Mallıkarjuna reddi S/o Venkata Reddi Ist ward Kavali,

(Transferor)

(2) Smt. Smt. Punuiu Hymavathi W/o Rangareddi and 3 others

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in Seshacharry street of Kavali Municipality in Bit II registered with Sub-Registrar Kavali vide Doc. No. 447/82.

> M. JEGANMOHAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Re. No. RAC 346/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Sashachari street, Kavali

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavali on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kethireddi Sarojamma W/o Venkata Reddi 1st ward Kavali.

(Transferor)

 Smt. Punnuru Hymavathi W/o Rangeroddi and 3 others. Rudrakota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in Sashachari street of Kavali in Bit II registered with Sub-Registrar Kavali vide Doc. No. 451/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1982

Ref. No. RAC 347/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Sashachari at Kavali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavali on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Kethireddi Sithareddi W/o Mallikharjunareddi Ist ward Kavali.

(Transferor)

(2) Smt. Punuru Hymavathi Wfflo Rangareddi and 3 others, Rudrakota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in Sashachari street of Kavali in Bit II registered with Sub-Registrar Kavali vide Doc. No. 452/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. RAC 348/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rangareddy on April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Umakaran Tejkaran, 1-10-179/206 Begumpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri R. M. Khan, 5-9-200 Cadar Manzil Chiragali lane Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 3rd floor Begumpet registered with Sub-Registrar Rangareddy vide Doc. No. 59/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 349/82-83.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Inx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-2-718 situated at Guddimalkapur, Hyedrabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairatabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/S S. Shankar & Co., H. No. 14-11-53 Kamatipura Mangalhat Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd Abdul Kareem & 3 others, H. No. 1-4-812/1 Bakaram Musheerabad Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 12-2-718 Birban Guddimalkapur Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1087/82.

M. JENGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-12-1982

FORM ITNO----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Srl Rajalah, Seetharambagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Talwar Family Trust, By Sri K. R. Talwar, Talwar Apartments Chiragali lane Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 350/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-4-41 situated at Masabtank Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at M. Market on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 10-4-41 Masshtank Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. No. 3692/82.

M. JENGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-12-1982 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Sant. T. Sobba Devi,
 W/o T. Ramesh Reddy
 H. No. 4-1-1046 Bogulkunta
 Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Talwar Family Trust, Rep By Sri K. R. Talwar Talwar Apartments Chiragali lane Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 351/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, kaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10-4-41 situated at Masabtank Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at M. Market on May, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 10-4-41 Masabtank Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. No. 3581/82.

M. JENGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-12-1982

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1982

Ref. No. RAC 352/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-2-718 situated at Birban Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

M. Market on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 M/s G. Shanker & Co. 14-11-53 Kamatipura Mangalhat Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Sri Mohd Khasim & 3 others H. No. 5-4-659 Station Road Habil Ali Shah lane Kattalmandi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 12-2-718 Birban Guddimalkapur Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. 3558/82.

M. JENGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORF. Bangulore-560 001, the 8th December 1982

C. R. No, 62/34884/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26B situated at Sankey road, Bangalore-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 363/82-83 on 29-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38-436GI/82

 Shri Divakar S. Shettv e o M/S Fibre Foily Pvt. Ltd., No. 58, MIDC, Andheri, Bombay

(Transferor (9)

(2) Smt. Jayasuria Bəlraj 42, Davis road, Bangalore-84.

(Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 363/82-83 Dated 29-4-82). All that property bearing No. 26 B, situated at Sankey road, Bangalore-52.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-12-82

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1982

C. R. No. 62/35484/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269D

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7 (portion) situated at Public Temple road Basavangudi Bangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi under document No. 1156/82-83 on 7-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Harish Chandra K. Karve Sri Dilip H. Karve No. 7/1, Bull Temple road Basavangudi, Bangalore.

(Transferor (s)

(2) Shri M. Satyanarayanam No. 56, 1st floor, 11 street Secretariat Colony, Kilpark, Madras. 2.Sri Umaprakash No. 25, Gowri Sadan Shankarapuram, Bangalore.

(Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1156/82-83 Dated 7-7-82) All that property bearing No. 7 situated at Bull Temple road, Basvangudi, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition, Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-12-82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th December 1982

C. R. No. 62/35890/82-83/ACQ-B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, 8 & 9 situated at Arcot Srinivasachar Street, Division No.

18 Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1500/82-83 on 26-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. R. Krishnaswamy No. 256, N I Block, Rajajinagar Bangalore-560010.

(Transferor)

(2) Shri G. P. Srinivasasaiah setty & others No. 8, 3rd Cross, I Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1500/82-83 Dated 26-4-82).

All that property bearing No. 7, 8 & 9 situated at Arcot Srinivasachar Street Division No. 18, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition, Range Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th December 1982

C. R. No. 62/34314/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

17 (Old No. 11) situated at III temple street near Kadamalleshwara temple. Malleswaram, Bangalore-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Gandhinagar under document No. 134/82-83 on 12-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Satyanarayana Rao Sri S. Krishnamurthy Hebbal Bangaolre-24.

(Transferor)

(2) Shri M/S Vikram Builders Civil Engineers & Contractors Old No. 62/1 6th Temple road, New No. 17, 7th temple road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 134/82-83 Dated 12-4-82).

All that property bearing No. 17 (Old No. 11) situated at III temple street near Kadumalleshwarm temple Malleswaram Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition, Range Bangalore

Date: 7-12-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1982

Ref. No. C.R.62/35217/82-83.ACQ.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2/A, situated at Vanivilas Road, Basavangudi, Bangalore-560 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi under document No. 909/82-83 on 13-5-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. R. Udayashankar No. 2(151), Vanivlas Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri B. Mahabaleshwar s/o late B. Jogappa No. 2(151), Vanivileas Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 909/82-83 Dated 13-5-1982). All that property bearing No. 2/A, Vanivilas Road, Basavangudi. Bangalore-560 004.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st December 1982

C. R. No. 62/5216/82-83|ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26, Present

No. 37 situated at Marimuniyamma lane Nagarthpet Cross, Ganigarpet Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 830/82-83 on 15-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. R. Parvathamma
 No. 37 Marimuniyama lane.
 Nagarthpet Cross Ganigarpet Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Sri Sohanlal, (2) Rikabchand Solanki (3) Kishore Kumar Solanki (4) Suresh Solanki No. 37, Mari Muniyamma lane Nagarthpet cross anigarpet Bangalore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 830/82-83 Dated 15-6-82).

All that property bearing old No. 26, Present No. 37, situated at Marimuniyama lane, Nagarthepet cross, Ganigarpet

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range Bangalore

Date: 1-12-82

Bangalore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th December 1982

C. R. No. 62/464/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos.

155, 156, 157, 162, 163, 164, 165, 182, 183, 192, 193, 221, 222, 161, 160, 224, 225, 220 & 160 situated at Sakleshpur, Chickmaglur Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chickmaglur under document No. 193/82-83 on 30-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

- (1) Shri Marjee's Kalmare & Arekal Estates by its M. p. J. R. prabhu & kalagundi Estates by Peter J. R. Probhu Balmatta road both represented by K. Sundar of Bajpa.
 - (Transferor)
- (2) Thirumai Estate by UKTM Thavamani & Smt. Ponnuthayammal. Sundahally Estate Belagodu post, Saklashpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 193/82-83 Dated 30-4-82).

All that property bearing survey nos. 155, 156, 157, 162, 163, 164, 165, 182, 192, 193, 221, 222, 161, 160, 224, 225, 226 & 160 situated at Sakleshpur Chickmaglur

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range Bangalore

Date: 9-12-82

 Shri Paruthapa Bhimappa Athigeri Unapal Hubli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Channaiahswamy Allamaprabhu Puranik England by power of Attorney holder Sri G. A. Paranik, Asstt. Executive Engineer, K. U. W. S. & D. B. Sub-division No. 2 Gadag-58. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th December 1982

C.R. No. 62/463/82-83/ACO-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an bearing No.

S. No. 3502/4 situated at cross road of P. B. National Highway at unapal, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli under document No. 419/82-83 on 17-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 419/82-83 Dated 17-5-82). All that property bearing Sy No. 3502/4 situated at Cross road of P. B. National Highway at Unakal, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely :---

Date: 9-12-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shrimati Janaki Bai w/o Sri Seshagiri Rao Javali, Javali P.O.

(Transferor)

(2) Shri Askar D'Silva (2) Smt. Malini D'Silva P. B. No. 47, Kinder garden Katar-Doha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALOLE

Bangalore-560 001, the 9th December 1952

C. R. No. 62/462/82-83 /ACQ-B.- Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 159, 160 & 161 situated at Javali, Mudigere Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mudgere under document No. 2/82-83 on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39-436GI/82

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2 82-83 Dated 9-12-1982). All that property bearing Sy. No. 159, 160, 161 situated Javali, Mudigere Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Hubli.

(Transferor)

(2) Shri Thulaiappa Ramachandra Sathabib Arack Merchant Near Janatha Bazar Anchatageri Oni, Hubli.

(1) 1. Shri Isrel, (2) Sri Francis (3) Sri Samel M. T. S. Railway Colony,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th December 1982

C. R. No. 62/461/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

990-C, situated at Anchatageri oni, Hubli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli under document No. 7/82-83 on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7/82-83 Dated 1-4-1982). All that property bearing No. 990C situated at Anchatageri Oni, Hubli,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th December 1982

C. R. No. 62/460/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Matriz No. 1992 situated at Mapura, Sub district of Bardez District of Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mapura under document No. 293/82-83 on 21-4-1982.

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madhukar Vinayak Sinai Matmo Smt. Maltibai Madhukar Sinai Matmo Panaii Goa.

(Transferor)

(2) Shri Hanumanth Mahadeo Narvckar alias Shirodkar Sri Shankar Atmaram Narvekar Alias Shirodkar Sri Tulsidas Atmaram Narvekar Alias Shirodkar Mapusa, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 293/82-83 Dated 21-4-82).

All that property bearing matriz No. 1992 & known as "Sardar Griha" situated at Mapusa, Sub district of Bardez, Goa District.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th December 1982

C. R. No. 62 /34275/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 45A. situated at Stephen's road, Frazer town Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 80/82-83 on 7-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferas agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Denzil Norman white s/o Late Henry Norman white No. 45. Stephens road, Frazer Town, Civil station, Bangalore-5. (Transferor)
- (2) Mr. Chandru Lakhani Flat No. 3, Ashoka Apartments, Wheeler road cross, Civil Station Bangalore-560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 80/82-83 Dated 7-4-82).

All that property bearing No. 45A situated at Stephens road, Frazer Town Bangaloro.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-12-82

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Shyam Pati Devi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shadab Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Sh. Fjaz Ahmad, President. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 16th December 1982

G.I.R. No. S-249/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Freehold land situate at Islambari, Pargana, Tehsil & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in 28-4-82

than the fair for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the cale deed and form 37G No. 1901, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

A. PRASAD, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow-

Date: 16-12-1982

FORM LTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th December 1982

G.I.R. No. N-52/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

bearing No. Arazi situated at Udaipur Khas under Chungi, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bareilly in 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pradeep Kumar Agarwal.

Smt. Pramila Agarwal.
 Shri Gopal Kumar Agarwal.

4. Shri Praveen Kumar Agarwal.
5. Kumari Shobha Agarwal.

(Transferor)

(2) 1. Sardar Nanak Singh,2. Smt. Man Mohan Kaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 1644 sq. yds. situated at Udaipur Khas under Chungi, Bareilly, and all that description of the property which is markinged in the sale deed and form 37G No. 1813 82 which bays dub been registered at the office of the Sub Ree. Bueilly, on 22-4-1982.

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-12-1982

(1) 1. Smt. Shyam Pati Devi. 2. Smt. Rani Devi.

(Tionsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shadab Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Sh. Fjaz Ahmed, President.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th December 1982

G.J.R. No. S-250 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Frechold land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in 28-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which ahave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Islambari. Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the scale deed and form 37G No. 1902, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD.
Competent Authority,
Inspecting Assett. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-12-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Shyam Pati Devi, 2. Smt. Rani Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shadab Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Sh. Fjaz Ahmed, President.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th December 1982

G.J.R. No. S-251/Acq.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Freehold land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow in 28-4 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (3) facilitating the concealment of any income or any rationeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1903, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th December 1982

Ref. No. G.I.R. No. S-252/Acq.-Whereas I. A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Freehold land, situated at

Islambari, Pargana, Tehsil & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow in 28-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-40-436GI/82

(1) 1. Sh. Lel Chand.

Sh. Laxmi Chand.
 Sh. Jawahar Lal Rastogi.

(Transferor)

(2) Shadab Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.; Lucknow through Sh. Ejaz Ahmed, President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45. days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1904, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-12-1982

Seal;

(1) Sh. Narendra Kumar Rastogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shadab Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Sh. Ejaz Ahmad, President.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th December 1982

G.I.R. No. S-253/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Freehold land, situated at

Islambari, Pargana, tehsil & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1905, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th December 1982

G.I.R. No. S-248/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

believe that the fair market value of the property as afore-Islambari, Pargana, Teh. & Distt. Lucknow

- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-4-1982
 - for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rani Devi.

(Transferor)

(2) Shadab Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Sh. Ejaz Ahmad, President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Islambari, Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1900, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-12-1982

FORM I.T.N.S....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, TUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1982

Ref. No. G.I.R. No. M-149/Acq --Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 4 situated at Mankameshwar Mandir, Lucknow (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ottice of the Registering Officer at Lucknow on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hazrat Mohal Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. 22, Chandralok, Lucknow, Through its Secretary, Shri R. P. Khare.

(Transferor)

(2) Smt. Manorama Srivastava.

(Transferee)

(3) Above Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, measuring 1352 sq. ft. out of plot No. 229 near Mankameshwar Mandir, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37 G No. 1636/82, which have duly been registered in the office of the Sub-registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1982

FORM 1.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th December 1982

Ref. No. G.I.R. No. P-101/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 17 situated at Rahim Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow, on the 23rd April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Grewal Co-operative Housing Society Ltd., Mahanagar, Lucknow, Through its President, Dr. R. S. Dixit.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila.

(Transferee)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 17, area 3320 sq. ft., situated at Rahim Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1794/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-4-82.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th December 1982

Ref. No. G.R.I. No. B-106/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 16 situated at Rahim Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow, on 23-4-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Grewal Co-operative Housing Society Ltd., Mahanagar, Lucknow. Through its president, Dr. R. S. Dixit.

(Transferor)

(2) Shri B. R. Sodhi.

(3) Seller

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 16, measuring 3200 sq. ft. situated at Rahim Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1789/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-4-82.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th December 1982

Ref. No. G.I.R. No. A-117/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 21 situated at Rabim Nagar, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai peroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M./s. Grewal Co-operative Housing Society Ltd., Mahanagar, Lucknow. Through its President, Dr. R. S. Dixit.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Dixit

(Transferec)

(3) Above Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 21, measuring 4080 sq. ft. situated at Rahim Nagar, Lucknow, and all that description or the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1790/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-4-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1982

Ref. No. G.I.R. No. M-148/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 5 out of Plot No. 229 situated at Barolia, Luck-

now

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons,

(1) M/s. Hazrat Mohal Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. 22, Chandralok, Lucknow, Through its Secretary, Shri R. P. Khare.

(Transferor)

(2) Smt. Munni Srivastava.

(Transferee)

(3) Above Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, measuring 1612 sq. ft. out of plot No. 229, Barolia, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1635/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1982

(1) Sanat Kumar Sen.

(Transferor)

(2) Sri Utpal Majumder.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 16th December 1982

Ref. No. 1197/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21-B situated at Deshapriya Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—436GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 2k-8ch with building being Premises No. 21-B, Deshapriya Park Road, Calcutta.

M. AHMED,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commessioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 16-12-1982

(1) Rani Bhattacharya & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Omparkash Sachdev.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA,

Calcutta, the 16th December 1982

Ref. No. 1198/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 307 situated at Lake Gardens, Culcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-4-1982 for an apparent Consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 3k-8ch-6 sq. ft. with building being Premises No. 307, Lake garden, Calcutta.

M. AHMED,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 16-12-1982

(1) Sri Gopal Chandra Roy.

(Transferor)

(2) Master Hosts Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA,

Calcutto, the 16th December 1982

Ref. No. 1199/Acq. R-III/82-83.—Wherens I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

11 situated at Waterloo Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 4k-12ch with building being Premises No. 11, Waterloo Street, Calcutta. (1 share).

M. AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 18th December 1982

Ref. No. AR-I/4705/82-83.—Whereas I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 951 of Girgaum Divn. situated at Great Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-4-1982, Document No. Bom. 1663/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

- (1) Mr. Abdo Amiruddin Tyebjee. and Mr. Mustan Amiruddin Tyebjee.
- (2) Mr. Abdul Rashid Haji Noor Mohamed Ansari and Mr. Abdul Hamid Noor Mohamed Ansari,
- (Transferee)
 (3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as per Registered Deed No. BOM. 1663/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 28-4-1982.

R. K. BAQAYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 18-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 16th December 1982

Ref. No. AR-1/4709/82-83.--Whereas I, R K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1592 of Mandvi Division, situated at Dongri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-4-1982 Document No. BOM. 1319/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Khatijabai wd/o Mohamed Ebrahim, 2. Shri Ahmed Mohamed Ebrahim, 3. Shri Ebrahim Mohamed Ebrahim.
- (2) 1. Shri Usman Ahmed, 2. Shri Abdul Hamid Miya Mohamed.
- (3) 1. Shri Haji Jiya Khamira, 2. Shri Jadhayi Lallubhai. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the eald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1319/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 29-4-1982.

R. K. BAQAYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th December 1982

Ref. No. AR-I/4699/82-83.—Whereas I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. No. 1657 of Byculla Division

situated at Corner of Rebesch Street and Reynold Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay in April 1982

Bombay on 30-4-82, Document No. 3919 of 1971

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Khaiaram Hariram and Balchand Mengraj.

(Transferor) (2) 1. Abdul Kader Abdul Gani, 2. Ahmed Noor-mohamed, 3. Ahmed Gulam Mohamed, 4. Abdul Rashid Gulam Mohamed, 5. Mohamed Abdul Rehman.

(Transferee)

(3) 1. Shri Haji Ibrahim H. Husain Ismail

2. Smt. Jinabai Sarafali

- 3. Shri E. J. Durrani
- 5. Shri M. J. Jhangiani 5. Shri D. Manuel 6. Shri Vithubhai 7. Shri Bhiku Ramu

- 8. Smt. Noronha Goawalla-
- 9. Smt. Bhagirathi w/o R. More

10. Shri J. Fernandes 11. Shri V. S. Naik.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3919 of 1971 and registered on 30-4-1982 with the Sub-registrar, Bombay.

> R, K. BAQAYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-12-1982

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY,

Bombay, the 21st December 1982

ef, No. AR-III/2175/82-83.—Whereas 1, S. H. ABBAS

Competent Authority under Section 269B of the Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the immovable ty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nd bearing No.

lot No. 1 and old C.S. No. 100 New Survey No. 85, Entry to 193-K, C.S. No. 1361, situated at Versova

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 12-4-1982 Document No. 527/1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of attacked with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not, been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chandrakant Gajanan Gupte.

(Transferor)

(2) Vibhavari Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 527/1980 and registered on 12-4-1982 with the Sub-registrar, Bombay.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 21-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 22nd December 1982

Ref. No. HSR/219/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 55-AP, situated at Bir Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Shri Narinder Nath s/o Pt. Kundan Lal Plot No. 34 block Piranwali, Hissar.
- (2) Kul Bhushan, Ashok Kumar Parmod Kumar a Deepak Kumar ss/o Sh. Ferozi Lal Jain, Jain Gali, Hissar (Moti Nagar, Hissar).

 (Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said i able property within 45 days from the date of u publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land situated at Bir and as more mentioned in the sale deed registered at No. 445 data 29-4-82 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 22-12-82

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 9th December 1982

ABID:. No. III-632/Acq./82-83.—Whereas, I, JBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incomequisition Range, Bihar Patne,

the Competent Authority under Section 269B of the the me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

uated at Mohalla-Mainpura, Pragana-Phulwari, P.S.-Patliura, Disti. Patna

and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of .908) in the office of the Registering Officer at ratio on 144-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1954);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeds for the acquisition of the aforesaid property by the issu of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Ramjbari Kuer
 W/o Late Ram Anup Sinha
 Smt. Sonjhari Kuer
 W/o Sri Raj Narain Sinha
 Smt. Sonkali Kuer
 W/o Sri Ram Narain Singh
 All at present residing at Mohalla-Kurji
 (Towards North of the Industrial Estate),
 P.S.-Digha, Dist.-Patna.

Dr. Sheo Sein Chiang (Transferor)

((2) Sri Dr. Sheo Sein Chiang S/o Dr. M. Y. Chiang R/o 36, New Pathputra Colony, Patna-13

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 decimals with kachha house situated at Mohalla-Mainpura, Pragana-Phulwari, P.S.-Pattiputra, Det. Patna and morefully described in deed No. 3391 dated 14-4-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patrs

Date: 9-12-1982